धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सुप्रभात
रांची, सोमवार
20.01.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | माघ, कृष्ण पक्ष, षष्ठी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 190 | 12

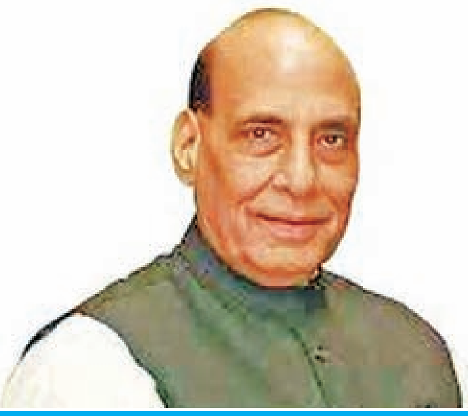

2047 तक भारत को विकसित बनाएंगे : राजनाथ सिंह

न्यूज डायरी

टाटा में कांग्रेस नेता के भाई की गोली मारकर हत्या

जमशेदपुर। मानगो थाना क्षेत्र के गुरुद्वारा बस्ती निवासी संतोष सिंह नामक व्यक्ति की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वह ट्रांसपोर्टर थे। इस हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। संतोष के परिजनों ने बताया कि वे अपने घर के पास खड़े थे, इसी दौरान अपराधी आये और गोली चलाने लगे। संतोष सिंह वहां से भाग कर एक घर में घुस गये, लेकिन अपराधियों ने उनका पीछा किया और घर में घुस कर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। संतोष सिंह के सीने में तीन गोली लगी है। संतोष सिंह पश्चिमी विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी जितेंद्र सिंह के भाई हैं।

धनबाद में फ्लाईओवर को गडकरी ने दी मंजूरी

रांची। धनबाद में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के बरवाअड्डा-पानागढ़ के पास निरसा और गोविंदपुर क्षेत्र में स्थित मौजूदा फुटपाथ के पुनर्निर्माण को स्वीकृति मिल गयी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जिस सिक्स-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर को मंजूरी दी है। यह फ्लाईओवर झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-19, पुरानी जीटी रोड एनएच-02) का एक हिस्सा है।

बिहार में जहरीली शराब से 5 की मौत

पटना। बेतिया के लौरिया थाना के मठिया गांव में पांच लोगों की शराब पीने से मौत की खबर है। मेडिकल टीम के डॉक्टर मूर्तजा अंसारी और परिजनों का कहना है की शराब पीने और गांजा पीने से मौत हुई है। 36 घंटे के अंदर मठिया गांव में पांच की मौत हुई है। एक के बाद एक लोगों की मौत से गांव में दहशत हैं। परिजनों ने आनन फानन में सभी शव का दाह संस्कार कर दिया है।

ट्रक के केबिन में जिंदा जले ड्राइवर और खलासी

अमृतसर। बरनाला में एक निजी फैक्ट्री के पार्किंग स्थल पर खड़े एक ट्रक में आग लगने से तमिलनाडु के दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह दुखद घटना बरनाला-मनसा रोड पर हुई, जहां तमिलनाडु के रजिस्ट्रेशन नंबर वाले एक खड़े ट्रक में अचानक आग लग गयी। चालक और खलासी वाहन के अंदर फंस गये और जिंदा जल मरे।

ओरमांझी में सुजीत गैंग का दो अपराधी गिरफ्तार

रांची। ओरमांझी थाना पुलिस ने सुजीत सिन्हा गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक टैब, दो मोबाइल, एक पैकेट डायरी और एक बैग बरामद किये हैं। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में विक्की वर्मा और आयुष राज शामिल हैं।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	74600 रु./10 ग्राम
चांदी	:	96000 रु./प्रति किलो

झारखंड में उद्योगों को बढ़ावा देने की तैयारी में हेमंत सरकार

पूर्वी सिंहभूम में बनाये जायेंगे रेल के डिब्बे

8086.86 करोड़ निवेश करेंगी कंपनियां, 5406 लोगों को रोजगार

सुधीर

रांची। अब, झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में भी रेल के डिब्बे बनाये जायेंगे। अब तक रेल के डिब्बों का निर्माण भारत में चेन्नई, रायबरेली, लातूर और सोनीपत में ही होता था। हेमंत सरकार के फैसले के बाद अब झारखंड में भी रेल के डिब्बों का निर्माण होने लगेगा।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में वोलटॉक्स रेल प्राइवेट लिमिटेड रेल के डिब्बे को असेंबल करेगी।

यहां कंपनी लगभग 6000 रेल डिब्बे का असेंबल करेगी। इसके लिए कंपनी को 205.21 एकड़ जमीन उपलब्ध कराया जायेगा। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में इसके अलावा फेब्रीकेशन, कास्टिंग कोपोनेंट, स्टील और एल्यूमिनियम के भी प्लांट लगाये जायेंगे।

कौन कंपनी कितना निवेश करेगी

वोलटॉक्स रेल प्राइवेट लिमिटेड : पूर्वी सिंहभूम में 205.21 एकड़ में प्लांट स्थापित करेगी। इसमें 3967.84 करोड़ निवेश होगा और प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 1900 लोगों को रेजगार की उम्मीद है।

रामकृष्णा फोरगिन्स लिमिटेड : यह कंपनी सरायकेला-खरसांवा में 139.58 करोड़ के निवेश से फेब्रिकेशन प्लांट लगायेगी। करीब 210 को रोजगार मिलेगा।

रामकृष्णा फोरगिन्स लिमिटेड : यह कंपनी 173.44 करोड़ का निवेश कर सरायकेला-खरसांवा में कॉस्टिंग कोपोनेंट प्लांट लगायेगी। करीब 296 लोगों को राजगार की उम्मीद है।

रश्मि मेटालिक लिमिटेड : यह कंपनी खरसांवा में 3800 करोड़ की लागत से स्टील और एल्यूमिनियम का प्लांट लगायेगी। इसमें प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 3000 को रोजगार मिलेगा।

लुभा रही है झारखंड की इंसेंटिव पॉलिसी

झारखंड सरकार की इंसेंटिव पॉलिसी निवेशकों को भी लुभा रही है। राज्य सरकार अब तक विभिन्न कंपनियों को 98.49 करोड़ का इंसेंटिव विभिन्न औद्योगिक पॉलिसी के तहत दे चुकी है। इस दिशा में झारखंड अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। उद्योग-धंधे भी खड़े होने शुरू हो गये हैं। झारखंड में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हेमंत सरकार ने कई कंपनियों के साथ राज्य सरकार ने एमओयू की सहमति दी है। एमओयू करने वाली कंपनियां झारखंड में 8086.86 करोड़ रुपये निवेश करेंगी। साथ ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 5406 लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

कितना दिया गया है इंसेंटिव

झारखंड इंडस्ट्रीयल इंवेस्टमेंट एंड प्रमोशन पॉलिसी के तहत 27.08 करोड़ का इंसेंटिव दिया गया है। कैप्टिव पावर प्लांट को 42.20 करोड़ का इंसेंटिव दिया गया है। झारखंड फूड प्रोसेसिंग इंस्ट्रीज पॉलिसी के तहत 7.65 करोड़ का इंसेंटिव दिया गया है। इंटरेस्ट सब्सिडी के रूप में 26.29 लाख रुपये दिये गये हैं। झारखंड टेक्सटाइल अपेरल एंड फूटवेयर पॉलिसी के तहत 16.33 करोड़ रुपये इंसेंटिव दिया गया है। पावर सब्सिडी के रूप में 4.84 करोड़ रुपये दिये गये हैं। वहीं झारखंड टेक्सटाइल अपेरल एंड फूटवेयर पॉलिसी के तहत 19.57 लाख रुपये दिये गये हैं।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग, कोई जनहानि नहीं, कई टेंट जल कर राख

सीएम योगी पहुंचे, पीएम मोदी ने भी ली जानकारी

एजेंसी

प्रयागराज। महाकुंभनगर में झूंसी थाना क्षेत्र में लोअर संगम के सेक्टर 19 में रविवार को अचानक आग लगने से 18 टेंट जलकर खाक हो गये। आग से कुछ देर के लिए मेला क्षेत्र में अफरातफरी मच गयी। शीघ्र ही आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने की खबर मिलते ही सीएम योगी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। पीएम मोदी ने भी यूपी के योगी आदित्यनाथ से बात कर स्थिति की जानकारी ली। प्रयागराज के डीएम के अनुसार आग दोपहर बाद करीब 4:30 बजे कुंभ क्षेत्र के सेक्टर 19 स्थित गीता प्रेस के टेंट में लगी। आग लगने के तुरंत बाद तुरंत अग्निशमन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और

आग को बुझाया। उन्होंने कहा स्थिति सामान्य है और कोई जनहानि की सूचना नहीं है।

खाना बनाते समय हुआ हादसा : जानकारी के अनुसार टेंट सिटी में खाना बनाते समय यह हादसा हुआ। आग ने कई और टेंटों को अपनी चपेट में ले लिया। किचेन में रखे सिलेंडर फटने से आग और भीषण हो गयी। आग पर अग्निशमन की 15 से अधिक गाड़ियों ने तुरंत काबू पा लिया। कोई जनहानि की सूचना नहीं है। मेला अधिकारी विजय किरन और अन्य आला अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि आग बुझाने के साथ-साथ किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दिया जाये। (शेष पेज 11 पर)

शपथ ग्रहण के दौरान आधा झुका रहेगा अमेरिका का झंडा

सबसे ताकतवर देश की आज फिर कमान संभालेंगे ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। वह 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति की शपथ लेंगे। सेना, नौसेना और वायुसेना के सैन्य प्रमुख संबंधित सेवाओं के कार्यवाहक के रूप में पदभार संभालेंगे। राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण के समय सभी वर्तमान राजनीतिक नियुक्तियों वाले मंत्री और अधिकारी अपने पद से इस्तीफा दे देंगे जो 20 जनवरी को दोपहर 12 बजे से प्रभावी होगा। इसके कारण रक्षा विभाग में सैकड़ों पद खाली हो जाएंगे जिनमें कई ऐसे पद भी होंगे जिन्हें सीनेट की मंजूरी

की आवश्यकता होती है। डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ के साथ पदभार संभालने और उनके प्रशासन के पहले हफ्ते में भी झंडे आधे झुके रहेंगे। शपथ ग्रहण के दिन लगभग 7,800 गार्ड सैनिक विभिन्न राज्यों और अमेरिकी क्षेत्रों से वाशिंगटन में ड्यूटी पर होंगे।

शपथ दिलाने की प्रक्रिया : अमेरिका में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स) शपथ दिलायेंगे।

(शेष पेज 11 पर)

मुकेश-नीता अंबानी ने ट्रंप के साथ किया रात्रिभोज

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में चुने गए डोनाल्ड जे ट्रंप ने शपथ ग्रहण समारोहके एक दिन पूर्व रविवार को वाशिंगटन में एक रिसेप्शन समारोह का आयोजन भी किया। इस समारोह में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने डोनाल्ड ट्रंप को शपथ ग्रहण से पहले उन्हें बधाई दी और ट्रंप के साथ रात्रिभोज में शामिल हुए। मुकेश अंबानी सूट पहने थे जबकि नीता अंबानी पारंपरिक साड़ी पहने थी। दोनों को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। रात्रिभोज में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय थे।

टायर फटने से बस पलटी, तीन की मौत

गोमिया-विष्णुगढ़ मार्ग पर हादसा, दर्जन भर घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

विष्णुगढ़। हजारीबाग जिला के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में गोमिया-विष्णुगिढ़ मार्ग पर नरकी में रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गयी। यह हादसा उस वक्त हुआ जब नेहा नामक एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गयी। इसमें तीन लोगों की मौत हो गयी और 15 से अधिक यात्री घायल हो गये। हादसा नरकी मोड़ से करीब दो किलोमीटर पहले सदारो के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अगला चक्का फट जाने के कारण बस अनियंत्रित हो कर पलट गयी।

एक मृतक की पहचान नरकी निवासी मंगर कमार के रूप हुई। बस के नीचे दब जाने से उसकी मौत हो गयी। दो अन्य की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है।

घायल यात्रियों का विष्णुगढ़ अस्पताल इलाज कराया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल और बोकारो बेहतर इलाज के लिए भेजा गया है। घायल यात्रियों में शनि कुमार विष्णुगढ़, मनोज पंडित फुसरो, बीरबल नोनिया फुसरो, रनिया देवी खरिका, हीरालाल हांसदा गोनियाटो, शांति देवी फुसरो निवासी भी शामिल हैं। अन्य की पहचान की जा रही है। घायल यात्री ने बताया कि सीट से अधिक लोगों को गाड़ी में बैठा दिया गया था, पूरी बस भरी हुई थी। बस में 50 से भी अधिक लोग सवार थे जो हजारीबाग से बोकारो के फुसरो जा रहे थे। स्थानीय लोग घायलों की मदद कर रहे हैं समाचार लिखे जाने तक बस अभी भी घटनास्थल पर ही मौजूद है।

संजय रॉय की मां बोली, फांसी की सजा पर भी एतराज नहीं

अकेले में रो लूंगी, नियति मान कर सबकुछ स्वीकार कर लूंगी

कोलकाता निर्भया कांड

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डाक्टर से रेप व हत्या मामले में दोषी ठहराये गये संजय रॉय की मां मालती रॉय ने कहा कि उसके पुत्र को उसके किये की सजा मिलनी चाहिए। रविवार को उसकी मों ने कहा कि यदि उनका बेटा दोषी है, तो उसे उसके सजा मिलनी ही चाहिए, फिर चाहे वह सजा फांसी ही क्यों न हो। मां ने कहा, वह अकेले में रोएंगी और उसकी सजा को नियति मानकर उसे स्वीकार करेंगी। सियालदह की अदालत ने

संजय रॉय को शनिवार को मामले में दोषी ठहराया था। मामले में कोर्ट सोमवार को उसकी सजा की घोषणा करेगी। कोलकाता पुलिस के साथ नागरिक स्वयंसेवक के रूप में काम कर चुका संजय रॉय इस मामले में अरेस्ट किया जाना वाला इकलौता व्यक्ति है।

पीड़िता के परिजन की पीड़ा समझती हूं : संजय की मां ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि एक महिला और तीन बेटियों की मां होने के नाते, मैं उस महिला डॉक्टर की मां की पीड़ा और तकलीफ को महसूस कर सकती हूं। अपनी झुग्गी के दरवाजे पर खड़ी मालती ने कहा कि यदि कोर्ट उसे फांसी के फंदे पर लटकाने का फैसला करती है, तो मुझे कोई एतराज नहीं होगा, क्योंकि कानून की नजर में उसका अपराध सिद्ध हो चुका है। इसे नियति का खेल मानकर स्वीकार कर लूंगी।

मन की बात : महाकुंभ एकता और समता का प्रतीक, कोई भेदभाव नहीं

राष्ट्र निर्माण में सर्वहित के भाव से जुटें : पीएम

एजेंसी

नयी दिल्ली । पीएम मोदी ने संविधान निर्माता के सपनों के अनुरूप भारत के निर्माण का आह्वान करते हुए कहा है कि इसके लिए सर्वहित, संस्कृति संरक्षण और समानता के मूल्यों को लेकर आगे बढ़ना होगा। 'मन की बात' की 118वीं कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि इस बार का 'गणतंत्र दिवस' बहुत विशेष है। ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ है। मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूँ, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया। वहीं महाकुंभ' को एकता और समता-समरसता का असाधारण संगम

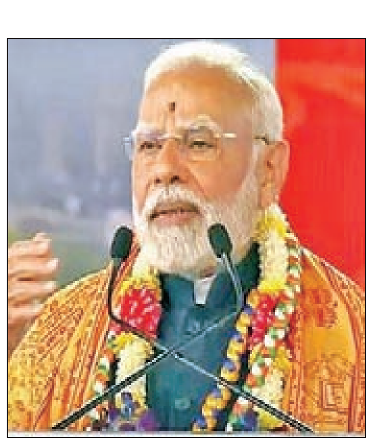

करार दिया। साथ ही कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। पीएम मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख किया और कहा कि जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व से जुड़ जाती है तो उसकी सभ्यतागत जड़े और मजबूत होती है और तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है।

(शेष पेज 11 पर)

चुनाव आयोग का किया धन्यवाद

पीएम ने 25 जनवरी को मनाये जाने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस का जिक्र करते हुए कहा कि यह दिन इसलिए अहम है, क्योंकि इसी दिन भारतीय निर्वाचन आयोग' की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा, मैं चुनाव आयोग का भी धन्यवाद दूंगा, जिसने समय-समय पर, हमारी मतदान प्रक्रिया को आधुनिक बनाया है, मजबूत किया है। आयोग ने जन-शक्ति को और शक्ति देने के लिए, तकनीक की शक्ति का उपयोग किया। उन्होंने देशवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने-अपने मताधिकार का उपयोग करने और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया सशक्त बनाने का भी आह्वान किया।

एक्टर सैफ अली खान का हमलावर बांग्लादेशी निकला

मुंबई(एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमला करने वाले गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद बांग्लादेश का निवासी है। मुंबई पुलिस ने इस बात का खुलासा किया। मुंबई पुलिस ने रविवार को बताया कि सैफ अली के घर हमला करनेवाले 30 वर्षीय बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। हमलावर को नहीं पता था कि यह बॉलीवुड अभिनेता का घर है। पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उसका इरादा चोरी करने का था। उन्होंने बताया कि हमलावर को ठाणे जिले के घोड़बंदर रोड स्थित हीरानंदानी एस्टेट से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है और उसने भारत में आने के बाद अपना नाम शरीफुल इस्लाम शहजाद मोहम्मद रोहिल्ला अमीन फाकिर से बदलकर बिजॉय दास कर लिया था। आरोपी बांग्लादेश के झालोकाटी से है और वह पिछले पांच महीने से मुंबई में रह रहा था और छोटे-मोटे काम करता था।

अवैध रूप से भारत में घुसा था : पुलिस उन दस्तावेजों को इकट्ठा करने की कोशिश कर रही है जिनके जरिये आरोपी अवैध रूप से भारत में घुसा था। सैफ (54) पर बांद्रा के ह्यसतगुरु शरणह्व बिल्डिंग की 12वीं मंजिल पर स्थित उनके घर में 16 जनवरी को हमलावर ने कई बार चाकू से वार किया था।

राज्य के दो आइएएस अधिकारियों का दिखा टाटा मुंबई मैराथन में दम

- केके सोन और मनोज कुमार ने दिखाया अपना दमखम
- केके सोन केंद्र में पेयजल विभाग के तो मनोज कुमार झारखंड के खेल सचिव

टाटा मुंबई मैराथन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के दो आइएएस केके सोन और मनोज कुमार ने टाटा मुंबई मैराथन में फुल मैराथन में भाग लेकर अपना दमखम दिखाया। केके सोन ने मुंबई मैराथन में पूर्व में भी भागीदारी की है। 9वीं बार वे इस मैराथन में शामिल हुए। मनोज कुमार ने तीसरी बार इस मैराथन रेस में भागीदारी की। बताते चलें कि झारखंड में अलग-अलग विभागों में सेवा दे चुके श्री सोन इन दिनों केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी (पेयजल विभाग) संभाल रहे हैं। मनोज कुमार फिलहाल झारखंड में खेल विभाग के सचिव हैं। मैराथन में इन दोनों अधिकारियों की खूब दिलचस्पी देखने को मिलती रही है। मुंबई मैराथन के अलावा केके सोन पचास से भी अधिक मैराथन प्रतियोगिताओं में जबकि मनोज कुमार करीब 30 मैराथन रेस में भागीदारी कर चुके हैं। अभी मुंबई मैराथन में दोनों ने गैर पेशेवर केटेगरी में 42 किमी की रेस में भागीदारी की। इसमें 13,716 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

मुंबई मैराथन है खास : बताते चलें कि वर्ष 2004 से निरंतर टाटा मुंबई मैराथन का आयोजन महाराष्ट्र में होता आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देश विदेश के अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलेटिक्स प्लेयर्स भी भाग लेते हैं। इस वर्ष आयोजित इस प्रतियोगिता में शौकिया वर्ग में पूर्ण मैराथन के लिए 12,000 से अधिक धावकों ने नामांकन कराया जबकि अर्ध-मैराथन में लगभग 15,000 धावकों ने भाग लिया। ओपन 10k में लगभग 8,500 धावक, ड्रीम रन में 25,000 से कुछ अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। सीनियर सिटीजन रन में 1,894 धावक जबकि दिव्यांग चैम्पियन (किसी साथी के साथ) में लगभग 1,100 धावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

मजदूर-किसान एकता दिवस पर सीटू व किसान सभा ने किया प्रदर्शन

मजदूर और किसान विरोधी नीतियां बदलने तक मोदी सरकार के विरूद्ध संघर्ष का लिया संकल्प

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीटू और झारखंड राज्य किसान सभा ने राजधानी रांची में शहीद अल्बर्ट एक्का चौक पर रविवार को प्रदर्शन किया और देशव्यापी मजदूर-किसान एकता दिवस का पालन किया । मौके पर उपस्थित लोगों ने मजदूर-किसान विरोधी नीतियाँ बदलने तक केन्द्र की मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से मोदी सरकार द्वारा पारित कार्पोरेट परस्त चार लेबर कोड एवं नई कृषि बाजार नीति रद्द करने की मांग की गई ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मजदूर एवं किसान नेताओं ने कहा कि स्वतंत्र भारत में मजदूर वर्ग की पहली आम हड़ताल 19 जनवरी 1982 को हुई थी जिसे समाज के विभिन्न तबकों और सभी विपक्षी दलों ने समर्थन किया था। उस ऐतिहासिक आंदोलन से मजदूर वर्ग ने जीत हासिल की थी। लेकिन वर्तमान मोदी सरकार मजदूर-किसान की मांगों के प्रति घोर उदासीन है और समझौतों का उल्लंघन करते हुए वादाखिलाफी एवं लोकतंत्र विरोधी रवैया अपना रही है । इसलिए मोदी सरकार की कार्पोरेट परस्त नीतियों को बदलने के लिए मजदूरों व किसानों की व्यापक एकता बनाकर संघर्ष तेज किया जाएगा ।

कार्यक्रम में सीटू नेता अनिर्वान बोस, कनक रंजन चौधरी, एम एल सिंह, अभिजीत मल्लिक, एजाज खान, सुमित गुप्ता, मनोज मंडल, नवीन चौधरी, अमित राय, किसान सभा के प्रफुल्ल लिंडा, विरेन्द्र कुमार, सुखनाथ लोहरा, बेन्जामिन कुजुर, प्रकाश टोप्पो, आक्रांत सिंह मुण्डा, शूलचंद नायक, एडवा नेत्री, वीणा लिण्डा आदि शामिल थे।

परीक्षा के लिए टकटकी लगाये बैठे हैं राज्य के 3.50 लाख अभ्यर्थी

अधर में लटका है झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा, विद्यार्थी हैं परेशान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) अब अधर में लटक गई है। इस कारण छात्रों की परेशानी बढ़ गयी है। बताते चलें कि झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए जब बीते साल 2024 के जुलाई महीने में जैक ने आवेदन मांगा तो लगा कि आठ साल बाद राज्य में टेट परीक्षा का रास्ता साफ हो गया है। जैक ने 23 जुलाई से 26 अगस्त 2024 तक ऑनलाइन आवेदन मांगा। इसमें करीब 3.50 लाख छात्रों ने आवेदन किया। इसी बीच शिक्षा विभाग ने जेटेट के सिलेबस में बदलाव होने का हवाला देते हुए परीक्षा आयोजित करने पर रोक लगा दी, जो कैबिनेट की मंजूरी की प्रत्याशा में है। अब जैक अध्यक्ष अनिल कुमार महतो भी रिटायर कर गये हैं। ऐसे में इस परीक्षा के आयोजन पर ग्रहण लग गया है।

25 वर्ष में सिर्फ 2 बार हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा

राज्य गठन के बाद से महज 2 बार झारखंड में शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की गई है। 2013 में पहली बार परीक्षा आयोजित किए गये। इसमें 68 हजार अभ्यर्थी सफल हुए थे। दूसरी बार साल 2016 में शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें 53 हजार अभ्यर्थी पास हुए थे। ऐसे में काफी जद्दोजहद के बाद जैक द्वारा निकाली गई जेटेट से छात्रों को उम्मीद जगी कि इस बार परीक्षा हो जायेगा मगर एक के बाद एक आ रही बाधा से अभ्यर्थी निराश हैं।

सीटेट के तर्ज पर जेटेट का सिलेबस की तैयारी

राज्य सरकार सीटेट के तर्ज पर जेटेट का सिलेबस रखने की तैयारी कर रही है। जेटेट में प्राथमिक कक्षा एक से पांच के लिए और उच्च प्राथमिक कक्षा 6 से 8 के लिए दो घंटा 30 मिनट की परीक्षा होगी। नए बदलाव के तहत झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा में अब अभ्यर्थियों को परीक्षा पास करने के लिए स भी विषयों में अलग-अलग पास करने की आवश्यकता नहीं होगी।

कटऑफ के आधार पर पास करनी होगी परीक्षा

अभयर्थी ओवरऑल कटऑफ के आधार पर परीक्षा पास कर सकेंगे। इस परीक्षा में सामान्य जाति के उम्मीदवार के लिए ओवरऑल न्यूनतम प्राप्तांक 60 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए 50 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग 55 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग 55 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग 55 प्रतिशत और दिव्यांग कोटि के अभयर्थी के लिए 50 प्रतिशत लाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा परीक्षा के सिलेबस और प्रश्न की कठिनाई के स्तर को भी सरल किया जा रहा है। नियमावली के प्रावधानों को एनसीटीई के अनुरूप करने की तैयारी की गई है जिसके तहत कक्षा 1 से 5 की परीक्षा के लिए 11वीं और 12वीं के सिलेबस और कक्षा 6 से 8 के लिए सिलेबस राज्य के विश्वविद्यालय के सिलेबस के अनुरूप रखने की तैयारी है।

खबर | एक नजर में

बाबूलाल ने मोदी सरकार का जताया आभार

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। श्री मरांडी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा झारखंड के धनबाद जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के बरवाअड्डा- पानागढ़ के निरसा और गोबिंदपुर क्षेत्र में मौजूदा फुटपाथ के पुनर्निर्माण-पुनर्वास सहित दो 6 लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर के निर्माण के लिए 1130 .54 करोड़ रुपये की लागत के साथ स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि झारखंड और बंगाल को जोड़ने वाली इस महत्त्वपूर्ण सड़क पर फ्लाईओवर की स्वीकृति प्रदान कर कोयलांचल की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जी का झारखंड की जनता की ओर से आभार है।

अबुआ पोर्टल के जरिये पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम स्थापित करे सरकार : झारखंड यात्री संघ

रांची। झारखंड यात्री संघ ने अबुआ पोर्टल के माध्यम से पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम स्थापित करने की मांग की है। नगर विकास विभाग और परिवहन विभाग को पोर्टल के माध्यम से अलग-अलग दिये गये सुझाव में झारखंड यात्री संघ के अध्यक्ष प्रेम मित्तल ने कहा कि राजधानी सहित सभी प्रमुख शहरों रांची, जमशेदपुर, धनबाद व देवघर में पर्याप्त सिटी बस का परिचालन किया जाये, ताकि, आम जनता को टेंपो चालकों की मनमानी से निजात मिल सके और आवागमन सुलभ हो सके। अन्य राज्यों की तरह ही झारखंड में भी झारखंड राज्य परिवहन निगम की स्थापना होनी चाहिए। इससे झारखंड के अंदर बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित की जा सके। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि सरकार आने वाले बजट में इन सुझावों पर विचार कर पर्याप्त व्यवस्था करेगी।

झारखंड में अब बैंक वाले नहीं करा पाएंगे गुंडों के माध्यम से रिकवरी, आदेश जारी

रांची। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर एसएलबीसी की बैठक में रिकवरी एजेंटों के माध्यम से आम लोगों और भोले-भाले ग्रामीणों को डराकर पैसा वसूली की प्रवृत्ति पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसे बैंकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाए। वित्त मंत्री ने बताया कि उन्होंने आरबीआई के प्रतिनिधि से कहा कि सभी जिलों के एसपी को इससे संबंधित गाइडलाइन भेजी जाए, ताकि ऐसी अमानवीय घटनाओं को रोका जा सके। कमर्शियल बैंक 9-11 प्रतिशत की दर पर ऋण देते हैं। इसके बावजूद छोटे बैंक, एनबीसी बैंकों के माध्यम से लोग 22 से 30 प्रतिशत तक ब्याज दर पर ऋण लेते हैं। आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक प्रेमरंजन प्रसाद ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में बैंक ही जिम्मेदार होंगे। बैठक में मौजूद वित्त सचिव प्रशांत कुमार ने बैंकों को गुरुजी क्रेडिट कार्ड की उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा बैंक के प्रमुख अधिकारियों से आग्रह किया कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अपनी भागीदारी दिखाएं और केसीसी ऋण माफी योजना को शीघ्र पूरा करने की कवायद करें।

अडाणी-इस्कॉन मना रहे ग्रीन एंड क्लीन महाकुंभ

रांची। प्रयागराज पूरा देश महाकुंभ के रंग में रंगा है। आम इंसान हो या सिलेब्रिटी सब कम से कम एक दिन के लिए महाकुंभ में आने का मौका खोज रहे हैं। कुछ बिजनेस ग्रुप इस मौके को आध्यात्मिक संकल्प के तौर पर देख रहे हैं। महाकुंभ में अडाणी ग्रुप भी इस्कॉन के साथ मिलकर ऐसे ही आध्यात्मिक संकल्प को पूरा कर रहा है। महाकुंभ के मौके पर अडाणी ना सिर्फ अध्यात्मिक बल्कि ग्रीन एनर्जी और साफ-सुधरे वातावरण के संकल्प को पूरा करने में भी लगा है। अडाणी द्वारा महाकुंभ मेले में प्रतिदिन 1 लाख लोगों को महाप्रसाद के वितरण का कार्यक्रम चला रहा है। महाकुंभ में अडाणी-इस्कॉन के महाप्रसाद वितरण की पहल को लोकल दुकानदारों की भागीदारी से ही पूर्ण किया जा रहा है। ग्रीन फूड-क्लीन फूड अडाणी-इस्कॉन पूरी तरह से ग्रीन फूड एंड क्लीन फूल के मंत्र पर काम कर रहा है। अडाणी द्वारा उपलब्ध कराई गई गॉल्फ कार्ट सेवा बैटरी से चलती है जो यहां पर लगातार सेवाएं दे रही है। मुख्यत: बुजुर्ग और बच्चे इस निशुल्क सेवा का भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

उपलब्धियों की गाथा सुनाने का अवसर है मन की बात : संजय सेठ

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 118वें एपिसोड मन की बात रविवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने आवास पर सफाई कर्मचारियों के साथ सुनी। श्री सेठ ने इस अवसर पर कहा कि भारतवासियों की उपलब्धि उनकी गाथा सुनाने का अवसर मन की बात कार्यक्रम होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायक बातें सुनकर हम सब को एक ऊर्जा प्राप्त होती है। देश के ऐसे होनहार जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हैं, उसे जानने का मौका मिलता है। रेडियो के मन की बात के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को भारत की गाथा को जानने का अवसर मिलता है। इसके बाद केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सैकड़ों सफाई कर्मियों के बीच कंबल का वितरण किया। इस अवसर पर वरुण साहू, सुबेश पांडे, ओमप्रकाश पांडे, संजीव चौधरी, सुधीर सिंह, अशोक मुंडा, विनोद वर्मा, रवि मेहता, रिंकू सहदेव, आकाश कुमार पांडे, मंजू चौधरी, आशा शर्मा, अशोक यादव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस माह गणतंत्र दिवस के कारण तीसरे रविवार को हुआ प्रसारण

एक भारत-श्रेष्ठ भारत की गाथा है मन की बात : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची महानगर के बरियातू मंडल में कार्यकर्ताओं के साथ सुनी मन की बात, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह एवं सांसद दीपक प्रकाश हरमू मंडल में कार्यक्रम को सुना। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की गाथा है मन की बात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेडियो दूरदर्शन से प्रत्येक माह अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाला लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण हुआ। इस माह अंतिम रविवार को गणतंत्र दिवस होने के कारण इसे माह के तीसरे रविवार को ही प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम को राजनीतिक संबोधन नहीं बल्कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत की गाथा है। विविध क्षेत्रों की महत्वपूर्ण जानकारियों से परिपूर्ण यह आम जन को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और विकास की चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की गाड़ी अपने विरासत को सहेजते और संवारते हुये आगे बढ़ रही है। उन्होंने कुंभ की एकता और समरसता को दैनिक जीवन में उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम सुनने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय,सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह आदि शामिल रहे।

नरेंद्र मोदी जी की मन की बात है जन-जन की आवाज : संजय जायसवाल

रांची। भाजपा के संजय जायसवाल ने पीएम मन की बात कार्यक्रम रविवार को सुनी। श्री जायसवाल ने कहा कि युवाओं की मेहनत और काबिलियत आज केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और गांवों में भी उनकी प्रतिभा अपनी पहचान बना रही है। स्टार्टअप्स के माध्यम से न केवल रोजगार के नये अवसर सृजित हो रहे हैं। विशेष रूप से हमारी बेटियां अपने नवाचारों और उद्यमिता से समाज में बदलाव की नई लहर ला रही हैं। इनकी उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि जब अवसर और समर्थन मिलता है, तो हमारे युवा किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। मन की बात रिंकू, राजकुमार जायसवाल शुभम कुमार जायसवाल, अविनाश राय, रामू उरांव, विनीत,प्रकाश उरांव, मंगल पाल, किशन महतो, सुमित कुमार, सुजीत, अंकित एवं अन्य कार्यकर्ता सुने।

युवा आजसू के प्रमुख पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से पार्टी से दिया इस्तीफा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। युवा आजसू के कई प्रमुख पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से पार्टी से त्यागपत्र दे दिया है। इनमें प्रदेश संयोजक गौतम सिंह, रांची जिला सह प्रभारी नीरज वर्मा, नीतीश सिंह, रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला, रोहित चौधरी, विशाल यादव सहित सैकड़ों पदाधिकारी शामिल हैं। इन सभी ने पार्टी सुप्रीमो को अपना इस्तीफा भेज दिया है।

प्रेस विज्ञप्ति जारी कर युवा नेता नीरज वर्मा ने बताया है कि बीते एक दशक से उन्होंने संघर्ष, सेवा और समर्पण के साथ पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का कार्य किया। लेकिन हाल के दिनों में पार्टी के भीतर पनपी साजिशों और समर्पित कार्यकताओं की अनदेखी ने उन्हें यह कठोर निर्णय लेने पर विवश कर दिया।

उन्होंने कहा है कि पार्टी, जो कभी युवाओं के नेतृत्व और संघर्ष के लिए जानी जाती थी, अब बाहरी-भीतरी, अगड़ा-पिछड़ा जैसे विद्वेषों में उलझ चुकी है। संगठन के भीतर कुछ चुनिंदा लोगों के द्वारा गुटबाजी को बढ़ावा दिया जा रहा है और आंदोलनकारियों के परिवारों के साथ साजिश के तहत अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

आंदोलनकारी परिवारों के प्रति अनदेखी पर गहरी नाराजगी व्यक्त

नीरज वर्मा ने झारखंड आंदोलनकारी स्व. कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत के साथ हुई सांगठनिक अभद्रता और सोशल मीडिया पर हुए अपमान को घोर निंदनीय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के समर्पित कार्यकताओं को सोशल मीडिया पर साजिश के तहत अपमानित किया जा रहा है, जिससे संगठन का आंतरिक ढांचा कमजोर हो रहा है। युवा नेता नीतीश सिंह ने कहा, हमारा यह निर्णय किसी व्यक्तिगत द्वेष या दबाव का परिणाम नहीं है। यह हमारे स्वाभिमान और आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। पार्टी और इसके नेता सुदेश महतो के प्रति हम आदर और सम्मान व्यक्त करते हैं। लेकिन पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं के साथ हो रहे अन्याय और साजिशों ने हमें अलग राह चुनने पर विवश कर दिया। त्यागपत्र देने वाले पदाधिकारियों ने झारखंड के विकास और जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वे राज्य के हित में अपने प्रयास जारी रखेंगे।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के 10 वर्षों के सार्थक प्रयासों से सपना हुआ साकार

नयी दिल्ली में 26 जनवरी के रोस्ट्रम में शामिल होंगी पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पूर्वी सिंहभूम पटमदा की छात्राएं

झारखंड को मिला गौरव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सार्थक प्रयासों का सकारात्मक और ऐतिहासिक परिणाम मिला है। वर्ष 2015 से राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड रोस्ट्रम में झारखंड के पाइप बैंड को शामिल कराने का सपना अब पूरा हो गया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर झारखंड के पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पटमदा, पूर्वी सिंहभूम की छात्राओं के दल को रोस्ट्रम में प्रदर्शन करने का गौरवशाली अवसर मिला है। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में सभी विभागों को पत्र भेजकर दिनांक 26 जनवरी, 2025 को रोस्ट्रम और विजय चौक पर प्रदर्शन के लिए चुने गए देश के 3 स्कूलों के छात्रों के फोटो पहचान पत्र को तत्काल जारी करने का निर्देश दिया है। झारखंड के इस गौरवशाली उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री रामदास सोरेन, विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग समेत अन्य पदाधिकारियों ने टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी है। विभागीय सचिव ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे इस ऐतिहासिक उपलब्धि को और भी खास बनाने में जुट जाए। बालिका टीम के दिल्ली में आवासन और भोजनादि का पर्याप्त प्रबंध किया जाए। साथ ही उन्हें तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराये जाए, जिससे ना केवल वे रोस्ट्रम में बेहतर प्रदर्शन करे, बल्कि दिनांक 24 और 25 जनवरी को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पाइप बैंड प्रतियोगिता में भी जीत दर्ज कर हमें गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान करे।

2015 से झारखंड कर रहा था प्रयास

राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड रोस्ट्रम में प्रदर्शन के लिए झारखंड का स्कूली शिक्षा एवं साक्षारता विभाग लगातार प्रयासरत था। विभागीय स्तर पर लगातार टीमों को प्रोत्साहित करने हेतु कार्य किया गया, मगर 2024 तक झारखंड को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का अवसर कभी नहीं मिल पाया था। गुवाहाटी में आयोजित हुए जोनल लेवल बैंड प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने के बाद झारखंड की बालिका पाइप बैंड टीम का राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता एवं रोस्ट्रम में प्रदर्शन के लिए चयन हुआ, तो झारखंड के दस वर्षो का सार्थक प्रयास साकार होते सपने में बदल गया।

इनका हुआ चयन : पार्वती महतो, आशालता महतो, पिंकी, कल्याणी महतो, ममता महतो, बसंती महतो, वर्षारानी मांझी, वसंती महतो, साधना महतो, सुभद्रा कर्मकार, रुपाली टुडू, परमिला महतो, रुमा महतो, कल्पना टुडू, पूजा रानी महतो, पूजा महतो, रिया महतो, छाया महतो, सविता महतो, उषारानी सोरेन, पल्लवी महतो, इबिल हांसदा, सुकर्माणि सोरेन, बरनाली मांझी शामिल है। ये सभी पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पटमदा में कक्षा 8वीं से कक्षा 12वीं तक की छात्राएं हैं। इस बालिका बैंड टीम का चश्न सुरों की सटीकता, एकरूपता और अभ्यास के कारण किया गया।

महाकुंभ स्पेशल ट्रेन रवाना, संजय सेठ ने यात्रियों को लगाया तिलक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची रेलवे स्टेशन से कुंभ स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संजय सेठ ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। उन्होंने कहा कि 144 वर्षों के बाद करोड़ों सनातनियों के जीवन में यह सौभाग्य आया है। महाकुंभ में अमृत स्नान का अवसर मिलेगा। रांची से अधिक से अधिक लोग अमृत स्नान कर सकें, इस निमित्त कुंभ स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया गया है। यह महाकुंभ हिंदुत्व की एकता और सनातनी संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। कुंभ यात्रियों की तरफ से रक्षा राज्यमंत्री ने पीएम एवं रेल मंत्री का आभार प्रकट किया। ट्रेन रवाना होने से पूर्व स्टेशन पर कुंभ यात्रियों को तिलक लगाकर, पुष्प वर्षा कर उनके सुखद और सफल यात्रा की कामना किया। इस अवसर कर रक्षा राज्य मंत्री ने यात्रियों के बीच संताली और हिंदी भाषा में कुंभ की गाइडलाइन से संबंधित पत्रक का भी वितरण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, विधायक सीपी सिंह, मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा, सीनियर डीसीएम निशांत कुमार, वरुण साहू, रामकुमार पाहन, प्रेम कटारुका, सतीश सिन्हा, संजय जयसवाल, अनीता वर्मा, मुनचुन राय, सुजीत शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जमीन कारोबारी के दो कर्मचारियों को रंगदारी के लिए मार दी थी गोली

ओरमांझी गोलीबारी में शामिल कुख्यात सुजीत सिन्हा गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गिरोह के दो शातिर अपराधियों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार दोनों अपराधी पिछले साल ओरमांझी में हुए गोलीबारी में भी शामिल थे। पुलिस ने इस बार सुजीत सिन्हा की पत्नी के भाई डेविल को भी गिरफ्तार किया है।

22 नवम्बर 2024 को मारी गई थी गोली : 22 नवम्बर 2024 को रांची के ओरमांझी इलाके में एक बिल्डर के साइट पर हमला करने में शामिल कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के रिश्तेदार डेविल सहित दो को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों में एक विक्की वर्मा उर्फ सशांक वर्मा उर्फ डेविल है जो गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया का भाई है। इसे 17 जनवरी 2025 को छतीसगढ़ (रायपुर) के गंज थाना से गिरफ्तार किया गया था। वहीं दूसरे अपराधी को रांची पुलिस ने 18 जनवरी 2025 को विकास गोलचक्कर (शालीमार नर्सरी) के पास से गिरफ्तार किया है। उसका नाम आयुष राज है। दोनों ने मिलकर रांची में एक जमीन कारोबारी के दो स्टाफ को रंगदारी के लिए गोली मार दी थी। दोनों घटना के बाद से ही फरार चल रहे थे। रांची के ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया की टेक्निकल सहयोग से दोनों को गिरफ्तार किया गया है। पुछ-ताछ के क्रम में इनके द्वारा अपना अपराध स्वीकार किया गया है।

चाईबासा जेल के बाहर करवाई थी फायरिंग : गिरफ्तार विक्की वर्मा उर्फ डेविल ने ही पिछले साल झारखंड के चाईबासा जेल के बाहर फायरिंग करवाई थी। विक्की ने सुजीत सिन्हा के आदेश पर बिहार से दो शूटरों को बुला कर चाईबासा जेल के बाहर गोलियां चलवाई थी।

महिला समेत गैंगस्टर के परिवार के सदस्य थे शामिल : ओरमांझी में 22 नवंबर को बाइक सवार अपराधियों ने जमीन कारोबारी के कर्मी जावेद अंसारी और आजाद अंसारी को गोली मारकर घायल कर दिया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद सिल्ली डीएसपी अनुज उरांव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। गठित टीम ने जांच की तो पता चला कि गोलीबारी की वारदात को कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के गुर्गों ने ही अंजाम दिया है। इसके बाद पुलिस तफ्तीश और गिरोह के सदस्यों की तलाश में जुट गई। पूर्व में इस मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था। जबकि विक्की वर्मा और आयुष राज फरार थे, जिन्हें अब गिरफ्तार किया गया है।

अपराध के पैसे से अर्जित संपत्ति जब्त करेगी पुलिस

ग्रामीण एमपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के संपत्ति की जांच हो रही है। अपराध के पैसे से अर्जित संपत्ति को जब्त किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी कांके और ओरमांझी पुलिस को सौंपी गई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि इस तरह के अन्य अपराधियों की भी संपत्ति की जानकारी इकळा की जा रही है, उन पर भी कार्रवाई होगी।

आजसू पार्टी में वापस लौटे प्रवीण प्रभाकर सुदेश महतो ने कहा- संगठन होगा मजबूत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर रविवार को आजसू पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी सुप्रीमो एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने उन्हें हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में सदस्यता ग्रहण कराई। समारोह समाप्ति के तुरंत बाद मांडू विधायक तिवारी महतो और पूर्व गोमिया विधायक लम्बोदर महतो भी पहुंचे। श्री प्रभाकर को मोराबादी स्थित आवास से विशाल मोटर साइकिल जुलूस की शक्ल में कार्यकर्ता केंद्रीय कार्यालय लेकर आए। इस मौके पर संथाल परगना, पलामू तथा कोयलांचल से भी कार्यकर्ता मिलन समारोह में भाग लेने पहुंचे।

इस अवसर पर सुदेश महतो ने पार्टी का पट्टा पहना कर श्री प्रभाकर को सदस्यता दिलाई। श्री महतो ने कहा कि प्रवीण प्रभाकर आजसू के पुराने स्तंभ रहे हैं। उनके आने पर पार्टी मजबूत होगी। श्री प्रभाकर ने आंदोलन को वैचारिक दिशा दी थी और अब मिलकर झारखंड के नवनिर्माण के संघर्ष को आगे बढ़ाएंगे।

श्री प्रभाकर ने कहा कि आजसू कार्यकर्ताओं ने विगत 11 वर्षों में उन्हें कभी भी अलग नहीं समझा और हमेशा मान-सम्मान देते रहे। आजसू का झारखंड आंदोलन में ऐतिहासिक योगदान है क्योंकि आजसू के उग्र आंदोलन के कारण ही 1989 में केंद्र सरकार को झुकना पड़ा था और पहली झारखंड वार्ता आजसू के साथ हुई। इसके बाद झारखंड विषयक समिति बनी थी। 1999 में राजग में शामिल होकर आजसू ने अलग झारखंड राज्य का निर्माण करवाया। इस अवसर पर डॉ देवशरण भगत, राजेंद्र मेहता, राधेश्याम गोस्वामी, सुबोध प्रसाद उपस्थित थे।

रांची नगर निगम में धांधली

जन्म प्रमाण पत्र विवाद को लेकर भाजपा ने उठायी जांच की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड कैडर के आईएएस अधिकारी राजीव रंजन के बेटे के नाम पर तीन-तीन जन्म प्रमाण पत्र जारी होने के मामले पर भाजपा ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस घटना को झारखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार का एक चिंताजनक उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि रांची नगर निगम में आम नागरिकों को अपने बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिये महीनों तक चक्कर लगाने पड़ते हैं। अधिकारियों की लापरवाही के कारण न जाने कितने बच्चों का स्कूल में दाखिला तक नहीं हो पाता। वहीं, दूसरी ओर प्रभावशाली अधिकारी अपने रसूख का इस्तेमाल कर नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला पासपोर्ट में संशोधन से जुड़ा हुआ है। इससे यह आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर हो जाता है। यदि नगर निगम इतने आसानी से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी कर देता है, तो संभव है कि पहले भी ऐसे कई मामले सामने आये हों।

उन्होंने मांग की कि इस पूरे प्रकरण में दोषी आईएएस अधिकारी और नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों पर फर्जीवाड़े के कानून के तहत मामला दर्ज होना चाहिये। उन्होंने इस मामले को नगर निकाय चुनावों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि झारखंड में नगर निकाय और निगम पूरी तरह अधिकारियों के भरोसे चल रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की गैर.मौजूदगी ने इन संस्थानों को भ्रष्टाचार के अड्डे में बदल दिया है। उन्होंने मांग की कि इस भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाये जायें और दोषियों को दंडित किया जाये।

पूर्व विधायक की पत्नी के इस्तीफे पर सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी, डीजीपी से की शिकायत

आर्यन कुमार झारखंडी नाम के अकाउंट से उनकी छवि धूमिल करने के लिए कई आपत्तिजनक और अपमानजनक पोस्ट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व विधायक की पत्नी के इस्तीफे पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। इसको लेकर पूर्व विधायक स्वर्गीय कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शान्ति भगत ने डीजीपी से शिकायत की है। दरअसल आजसू पार्टी से नीरू शांति भगत ने पिछले दिनों इस्तीफा दे दिया है। झारखंड आंदोलनकारी रहे लोहरदगा के पूर्व विधायक स्व कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू के इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर आर्यन कुमार ने आपत्तिजनक पोस्ट किया। इसकी जानकारी सामने आने पर विवाद खड़ा हो गया है। नीरू ने इस मामले में लोहरदगा सदर थाना में एफआईआर दर्ज करा दिया है। इसकी प्रतिलिपि लोहरदगा एसपी के अलावा डीजीपी, झारखंड को भी भेजी गयी है। इसके बाद भाजपा कार्यालय से लोहरदगा एसपी को मामले की जांच करने का आदेश दिया गया है।

ठेस पहुंचाने का किया गया प्रयास: दर्ज कराए गए शिकायत में नीरू शान्ति भगत ने कहा कि वे लंबे समय से सामाजिक, राजनीतिक जीवन में सक्रिय हैं।

14 जनवरी 2025 को उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से आजसू पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद फेसबुक पर आर्यन कुमार झारखंडी नाम के अकाउंट से उनके इस्तीफे को लेकर उनकी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से कई आपत्तिजनक और अपमानजनक पोस्ट किये गये। ऐसे कार्य से उनके मान-सम्मान को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया। उनके खिलाफ यह एक सुनियोजित साजिश का भी हिस्सा है।

विशाखापत्तनम से अयोध्या जा रही रैली रांची पहुंची

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बजाज ऑटो और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ साझेदारी में विशाखापत्तनम से अयोध्या तक 13 दिवसीय संयुक्त रैली डेयर रांची पहुंची। इस दौरान रैली टीम संत जॉन उच्च विद्यालय कैंपस रांची में मैरीटाइम अवेयरनेस ड्राइव सह इंटरेक्शन विथ स्टूडेंट प्रोग्राम में शामिल हुए। इस अवसर पर कमांडर मुकुल राय, इंजीनियर ऑफिसर, आईएनएस रणविजय, लेफ्टिनेंट कमांडर आदित्य वशिष्ठ जी ऑफिसर, आईएनएस रणविजय, लेफ्टिनेंट विशाल प्रताप एएलओ, आईएनएस रणविजय समेत कई टीचर और स्कूल के बच्चे शामिल थे। यह रैली 26 जनवरी, 2025 को अयोध्या में डोगरा रेजिमेंट में समाप्त होगी, जो 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एकता को मजबूत करने और 'साहसी' भावना को बनाए रखने में सशस्त्र बल की भूमिका को रेखांकित करेगी।

रिम्स डायरेक्टर ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में सर्जिकल सुविधायें बढ़ाने की दी सलाह

रांची। राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस (रिम्स) के निदेशक प्रो (डॉ) राजकुमार ने शनिवार को झारखंड स्टेट के डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन के साथ हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और सदर अस्पताल का दौरा किया। मेडिकल कॉलेज में उन्होंने सर्जिकल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए। साथ ही फैकल्टी को प्रेरित भी किया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ एस के सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने दूर दराज के क्षेत्र के लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। यहां चिकित्सा प्रशिक्षण भी संतोषजनक है। गौरतलब है कि रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार को हजारीबाग मेडिकल कॉलेज का सलाहकार नामित किया गया है।

विकास पब्लिक स्कूल में मैराथन दौड़ आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विकास पब्लिक स्कूल में आगामी 28 जनवरी को होने वाली वार्षिक खेल महोत्सव प्रतिस्पर्द्धा के तहत रविवार को विद्यालय में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में कक्षा 4 से कक्षा 11वीं के छात्र शामिल हुए। मैराथन दौड़ की शुरूआत विद्यालय परिसर से निदेशक संजय कुमार, प्रधाना अध्यापिका अंशु तिवारी, शिक्षक, शिक्षिकाएं के द्वारा हाउस फ्लैग के साथ की गई।

दो सौ जरूरतमंदों के बीच कंबल का किया गया वितरण

रांची। काली पूजा स्वागत समिति हरमु रोड की ओर से समिति के कार्यालय में दो सौ जरुरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। समिति के संस्थापक अध्यक्ष प्रेम वर्मा ने बताया कि काली पूजा स्वागत समिति माँ काली की भव्य पूजा का आयोजन में अपनी विशेष पहचान शहर में बनाई है लेकिन अपने धार्मिक आयोजनों के सफलतापूर्वक संचालन के अलावे सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कामों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती है। इस अवसर पर समिति के मुख्य संरक्षक दीपक प्रकाश ने नर सेवा नारायण सेवा को समिति का उद्देश्य बताते हुए जरुरतमंद लोगों को कंबल प्रदान किया। मौके पर शंकर दूबे विजय महतो सतेंद्र वर्मा अनिल माथुर पप्पू वर्मा राजू वर्मा रामू सोनी संजय लाल गुप्ता प्रणिक वर्मा अंकित के अलावे महिला सदस्य कुसुम वर्मा, सोनी माथुर सहित अन्य सदस्य व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

दवा की पहली जनरल बॉडी की मीटिंग में ऑर्गेनाइजिंग टीम का परिचय कराया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डॉक्टर्स वाइव्स एसोसिएशन (दवा) ने रविवार को आइएमए हॉल में इस साल की पहली जनरल बॉडी मीटिंग की। सरस्वती पूजा थीम पर आधारित मीटिंग में अध्यक्ष आरती सिंह ने सदस्यों का स्वागत किया। को -चेयरपर्सन एवं फाउंडर झूमा सरकार ने सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ साथ आने वाली सरस्वती पूजा पर अग्रिम बधाई दी। जनवरी के ऑर्गेनाइजिंग टीम का परिचय कराया गया। दवा की सदस्यों द्वारा प्रस्तुत क्लासिकल एवं कथक नृत्य ने समा बांध दिया एवं खूब तालियां बाजी। धन्यवाद ज्ञापन सचिव अंजू कुमारी सिंह ने प्रेषित की।

कार्यक्रम में रुखसाना बानो, श्रीला चौधरी, श्वेता रंजन, रिंकू बनर्जी, देवयानी सान्याल, स्वाति अडूकिया, रश्मि कुमार, रीना शाह, सुनीता सिन्हा, संचिता मुखर्जी, डॉ आराधना सेनापति, डॉ प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ सुजाता सिंह, केका सतपति, राखी सिंह, रंजना जैन, डॉ स्मृति नारायण, बिंदु प्रसाद, सीमा माहेश्वरी, नीता सहाय, अमृता वैद्या, सुमिता कुमार, डॉ प्रियंका लंबा, भारती झा, पल्लवी सुनील, शालिनी गुप्ता, दीपा चौहान, रेणु तिवारी, डॉक्टर तनु, सुनीता रुंगटा, डॉ अनुराधा जयसवाल, शोभा कुमार, सुप्रिया ठाकुर, रिद्धिमा मित्तल ,बीना झा, शालिनी भगत, डॉ शालिनी गुप्ता, पूर्णिमा लाल, रंजना जैन, निर्मला गाड़ोदिया, अंजना बरनवाल, डॉ रश्मि कुमारी, डॉ अर्पिता मिश्रा, डॉ सोनल, मिक्की मंजुला, रश्मि बक्शी, मीतू भारती, मीनाक्षी महतो, मोना पाल, सुषमा मिश्रा, सविता जारिका, रिंकू चौधरी आदि शामिल थीं।

प्रेम प्रसंग में भागी दो लड़कियों की बरामदगी पुलिस की सफलता

138 महिलाओं और बच्चियों का अबतक नहीं मिला कोई सुराग

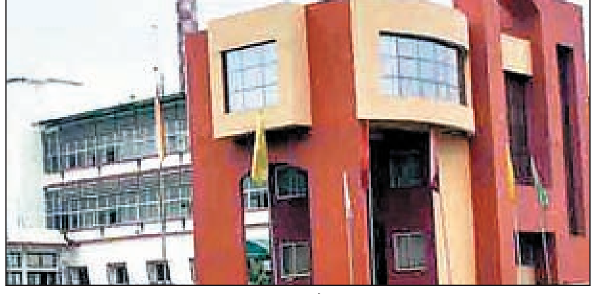

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके से रहस्यमय तरीके से गायब हुईं एक समुदाय विशेष की दो लड़कियों को पुलिस की तत्परता से कर्नाटक से बरामद कर लिया। रांची पुलिस इसे अपनी बड़ी सफलता मान रही है। इसके बावजूद पिछले छह महीने में झारखंड के अलग-अलग जिलों से रहस्यमय तरीके से लापता 138 महिलाओं और बच्चियों का अब तक झारखंड पुलिस खोज नहीं पायी है। झारखंड पुलिस ने सभी लापता महिलाओं और बच्चियों का पता लगाने के लिए उनके फोटो जारी किये हैं साथ ही आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को इनके बारे में कोई जानकारी मिले, तो वह पुलिस को सूचित करे।

लापता हुईं 138 महिलाओं और बच्चियों का नहीं चला कुछ पता

खूंटी : 03 , सिमडेगा : 05 , गुमला : 08, रेल धनबाद : 01, हजारीबाग : 03 , देवघर : 05, गोड्डा : 03 , धनबाद : 25 , पलामू : 01, सरायकेला : 10, गिरिडीह : 09 , साहेबगंज : 06 , जमशेदपुर : 26 , दुमका : 01, पाकुड : 01, गढ़वा : 09 , चाईबासा : 02, बोकारो : 06 ,कोडरमा : 02 , लातेहार : 02 , रामगढ़ : 02, रांची : 01-- कुल : 138

संबंधित थाना में दर्ज हैं मामले : जानकारी के अनुसार, धनबाद और जमशेदपुर जिलों से सबसे अधिक महिलाएं और बच्चियां लापता हुई हैं। परिजनों ने संबंधित थानों में इस संबंध में मामले दर्ज कराये हैं, लेकिन अब तक लापता महिलाओं और बच्चियों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बता दें कि झारखंड में मानव तस्करी एक गंभीर समस्या बन गयी है, जहां तस्कर भोले-भाले ग्रामीणों को नौकरी दिलाने का लालच देकर उन्हें बड़े शहरों में बेच देते हैं। इस वजह से भी कई लोग लापता हैं। झारखंड पुलिस अगर इन महिलाओं और बच्चियों ढूंढ़ निकालती है तो बहु बड़ी उपलब्धि होगी।

डीएसपीएमयू में डॉ राजीव रंजन द्वारा लिखित पर्यावरण रसायन विज्ञान की प्रायोगिक पुस्तक का विमोचन

पर्यावरण रसायन विज्ञान की प्रायोगिक पुस्तक विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए अमूल्य संसाधन होगी : कुलपति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य के द्वारा रसायनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ राजीव रंजन द्वारा लिखित पुस्तक पर्यावरण रसायन विज्ञान की प्रायोगिक पुस्तक का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीएसपीएमयू के कुलपति प्रो डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि पर्यावरण रसायन विज्ञान के प्रयोगों पर लिखी यह पुस्तक चरण-दर-चरण प्रायोगिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करना सिखाती है, जो व्यावहारिक प्रयोगों के सीखने को बढ़ावा देती है। यह प्रायोगिक पुस्तक न केवल पर्यावरण रसायन विज्ञान की गहरी समझ विकसित करता है, बल्कि महत्वपूर्ण रसायनिक प्रक्रियाओं के महत्व को भी रेखांकित करता है। पुस्तक की स्पष्ट और सरल व्याख्याएँ जटिल प्रयोगों को भी सुलभ बनाती हैं।

इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि प्रो डॉ विजय कुमार सिंह, प्राचार्य, जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय, डेहरी ऑन सोन ने कहा कि विज्ञान के माध्यम से पर्यावरण की चुनौतियों और सुरक्षा के लिए समर्पित किसी भी व्यक्ति के लिए यह एक सच्ची संपत्ति है। पुस्तक में सरल विज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का एक शानदार मिश्रण है। वहीं, पुस्तक के लेखक और रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉंत राजीव रंजन ने पुस्तक की उपयोगिता और लेखकीय उद्देश्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक प्रायोगिक पर्यावरण रसायन विज्ञान की एक उल्लेखनीय मार्गदर्शिका है, जो वैज्ञानिक प्रयोगों के माध्यम से हवा, जल और मिप्ती में प्रदूषणकी मात्रा ज्ञात करने में विशेष रुप से सहायक होगी। यह कुशलतापूर्वक पर्यावरणीय सिद्धांतों को व्यावहारिक दृष्टिकोणों के साथ जोड़ती है। इससे जटिल पर्यावरणीय प्रक्रियाएं समझने योग्य और आकर्षक बन जाती हैं। अभिनव और वास्तविक अनुप्रयोगों पर इसका जोर छात्रों और शोधार्थियों को पर्यावरणीय मुद्दों के समाधानों का पता लगाने, विश्लेषण करने और योगदान करने के लिए भी पटल प्रदान करता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के लोकपाल डॉ अनिल कुमार, सेवानिवृत प्राध्यापक, इतिहास, छात्र कल्याण के संकायाध्यक्ष डॉ सर्वोत्तम कुमार, डॉ रेखा झा, वित्त पदाधिकारी डॉ आनंद कुमार मिश्रा, इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ राजेश कुमार सिंह, हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ जिन्दर सिंह मुण्डा, मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ मीनाक्षी कुजूर, राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ रीना नन्द उपस्थित थे। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

दृष्टिबाधित के लिए मोबिलिटी व रोड सेफ्टी ट्रेनिंग पर कार्यशाला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखण्ड के दृष्टिबाधित भाई बहनों के लिए मोबिलिटी और रोड सेफ्टी ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन रविवार को किया गया। समन्वयन अरुण कुमार सिंह ने झारखण्ड के दृष्टिबाधित जनों के लिए सफेद छड़ी का उपयोग, सुरक्षा, इस्तेमाल एवं मोबिलिटी ट्रेनिंग के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम के तहत 70 बच्चो को सफेद छड़ी का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस प्रदेश महासचिव विनय सिन्हा थे। उन्होंने इस कार्यक्रम का सराहना की साथ ही अपने ही हाथों बच्चों में कीट का वितरण किया साथ ही राष्ट्रिय दृष्टिहीन संघ की सराहना की और संगठन को हर संभव ममदत करने कि आश्वासन दिया और सरकार तक संगठन की बातो को पहुचने की आश्वस्त दिया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता आशुतोष सिंह, कॉर्डिनेटर रूपम कुमारी, रोहित मोदी, शिव कुमार साहू ,सीमा कुमारी, हरदेव पंडित, नरेश महतो, अरशद सावज, महेंद्र प्रसाद, नाजिया खातून, चंचल सिंह, सत्यपाल सिंह और मिथिलेश कुमार एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

कांके बीइइओ ने जीपीएस उर्दू खिजुरटोली कांके का किया औचक निरीक्षण

रांची। कांके के प्रखंड शिक्षा प्रसाद पदाधिकारी सुरेश चौधरी ने शनिवार को जीपीएस उर्दू खिजुरटोली कांके का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंन छात्रों को नव वर्ष की बधाई के साथ उन्हें जीवन में सफलता हासिल करने को कई सीख भी बच्चों को दी। उन्होंने बच्चों को नियमित स्कूल आने और होम वर्क करनेस की सलाह दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि बुनियाद मजबूत होगा तभी जाकर सफलता मिलेगी। इसके लिए सुबह सुबह 5 बजे उठ कर सफलता हासिल करने को खूब मेहनत करें, पठन पाठन में अधिक रुचि लगायें और अनुशासन को बहाल रखें। निरीक्षण के क्रम में 157 छात्र विद्यायल में उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में प्रधानाध्यापक नसीम अहमद सहायक शिक्षक सुभाष उरांव शहजादा पारा शिक्षिका शमशाद बेगम उपस्थित थीं।

हरमू से रेडिसन ब्लू तक फ्लाईओवर का डीपीआर तैयार करने में अड़चन

एक ही नदी में दो विभागों की योजना एक साथ क्रियान्वित करने से हो रही दिक्कत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी के हरमू, विद्यानगर से रेडिसन ब्लू कडरू तक फ्लाईओवर निर्माण का डीपीआर तैयार करने में जुडको की योजना अड़चन डाल रही है। सरकार के निर्देश पर पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने इस प्रस्तावित फ्लाईओवर के लिए सर्वे प्रारंभ किया है। इसमें अब यह बात सामने आ रही है कि जुडको द्वारा हरमू नदी के पानी को साफ करने के लिए एसटीपी प्लांट लगाने की योजना है।

इंजीनियरों ने बताया कि एसटीपी प्लांट पांच-छह जगह स्थापित करने की दिशा में जुडको कार्य कर रहा है। ऐसे में पथ निर्माण विभाग की ओर से फ्लाईओवर निर्माण के लिए जो सर्वे कराया जा रहा था उसमें रूकावट हो गयी है।

एक ही नदी में दो विभागों की योजना एक साथ क्रियान्वित करने से दिक्कत हो रही है। पथ निर्माण विभाग अब यह चाहता है कि पहले यह पता चल जाये कि कहां-कहां एसटीपी लगना है। इसके बाद ही फ्लाईओवर निर्माण के लिए सर्वे प्रारंभ किया जायेगा। उसी के अनुरूप इसका एलाइनमेंट तैयार करके डीपीआर बनाया जायेगा। बता दें कि विभाग ने हरमू क्षेत्र के बड़े इलाके को इस पुल से मेन रोड रेडिसन ब्लू से जोड़ने की योजना बनायी है, जिस पर लगातार मंथन चल रहा है। जुडको से भी इस संबंध में पत्राचार किया जा रहा है।

रांची के खिलाड़ियों ने क्योरुगी वर्ग में 4 स्वर्ण और पूमसे वर्ग में 7 स्वर्ण जीता

राज्य ताइक्वांडो में रांची का बेहतरीन प्रदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड ताइक्वांडो संघ के तत्वाधान में ईस्ट सिंहभूम जिला संघ के मेजबानी में 18 एवं 19 जनवरी 2025 को जमशेदपुर के राजस्थान भवन में आयोजित 24वीं सीनियर क्यूरूगी व 13वीं सीनियर पूमसे एवं 10वीं कैडेट क्यूरूगी व 9वीं कैडेट पूमसे राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता में राजधानी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुये 11 स्वर्ण, 01 रजत एवं 7 कांस्य पदक जीतने के साथ ही बेस्ट डिसिप्लिन टीम का अवार्ड भी अपने नाम किया। मिथलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रांची की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुये कैडेट क्यूरूगी वर्ग में सिया शुक्ला ने अंडर 55 किलोग्राम में एवं कैडेट पूमसे वर्ग में गीताली रंजन सिंह, सिद्धिका राज और साक्षी श्री ने ग्रुप पूमसे में एवं सीनियर क्यूरूगी वर्ग में प्रियल कुमारी ने अंडर 53 किलोग्राम, रिद्धिमा सिंह ने अंडर 62 किलोग्राम और अंकिता कुमारी ने अंडर 67 किलोग्राम तथा सीनियर पूमसे वर्ग अंडर 30 इंडिविजुअल चंदन कुमार, अंडर 30 इंडिविजुअल अनुज उरांव, अंडर 30 टीम मेल में मिलेनियम स्नेहल, आयुष राज और ईशान सिंह, ओवर 30 टीम मेल में एम मोदस्सर अबिनास राम और अशोक कुमार दास, ओवर 30 फीमेल में नेहा सिंह, सबा फरहीन खानम और प्रीतम कुमारी ने गोल्ड मेडल जीता। श्रेया सिंह ने सीनियर महिला वर्ग में सिल्वर और आदर्श जैन, पी विशाल, श्रेया नंदा, आयुसी मानसी, सौम्य आनंद, सुनिधि श्रद्धा महतो और श्रेया ने अपने-अपने वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

खबर एक नजर में

श्री श्याम मंदिर का 20वां स्थापना दिवस 2 फरवरी को

रांची। श्री श्याम मण्डल द्वारा निर्मित अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर का 20वां स्थापना दिवस 2 फरवरी को आयोजित किया जायेगा। इस खास अवसर पर पूरे मन्दिर परिसर को सजाया जा रहा है। श्री श्याम मंदिर का स्थापना दिवस पर सर्व प्रथम हरमू रोड स्थित गौ शाला में प्रात: 8:30 बजे से गौ पूजन एवम गौ सेवा के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। इस अवसर पर जयपुर से प्रसिद्ध भजन गायक प्रेम सोनी पधार रहे हैं।

श्री श्याम परिवार का चार दिवसीय श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव 13 से 16 फरवरी को

रांची। श्री श्याम परिवार द्वारा आयोजित चतुर्थ दिवसीय श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव प्रभु श्री श्याम के आशीर्वाद स्वरुप 13 से 16 फरवरी तक मनाया जाएगा। अध्यक्ष श्रवण जलान एवं महामंत्री मंटू जालान की अध्यक्षता में महोत्सव की कमेटी का गठन किया गया, जिसमें प्रकाश दालानियां को महोत्सव संयोजक बनाया गया तथा सदस्यों को अलग-अलग विभाग के कार्यभार की जिम्मेदारी दी गई। संस्था के मीडिया प्रभारी अमित चौधरी ने बताया कि महोत्सव कमेटी द्वारा श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव 2025 के पोस्टर का विमोचन किया गया। जिसमें पवन शर्मा, जयदीप राज, पवन लोहिया, राजेश अग्रवाल, अजय केडिया व श्री श्याम परिवार के सदस्य थे।

मिथिला पंचांग का विमोचन

रांची। बाबा विद्यापति स्मारक समिति ने रविवार को मिथिला पंचांग का कैलेंडर का विमोचन किया। मिथिला पंचांग का विमोचन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, विधायक सी पी सिंह, निवर्तमान उपमाहापौर संजीव विजयवर्गीय ने किया। मौके पर समाज के द्वारा सहरसा से फारबिसगंज तक के लिए ट्रेन राउरकेला जयनगर एक्सप्रेस ट्रेन को प्रतिदिन करने की मांग मां जानकी जन्म महोत्सव के दिन झारखंड में सरकारी अवकाश घोषित करने साथी साथ मैथिली भाषा को क्षेत्रीय भाषा में शामिल करने के लिए जेएसएससी में पढ़ाई के लिए मांग रखी गई है। मौके पर उदित नारायण ठाकुर, जयंत झा, मृत्युजय झा, आंशू झा, बिश्वामोहन झा, विनय झा, रवि गुप्ता, रमेश भारती आदि उपस्थित थे।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में भंडारा सेवा

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग में श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम में स्थित सदगुरु कृपा अपना घर आश्रम में रविवार को अन्नापूर्णा भंडारा सुरेंद्र बडजात्या एवं किरण देवी बड़जात्या के सानिध्य में उनके भतीजे श्रेयांस बड़जात्या पुत्रवधु प्रियंका बडजात्या, नम्रता जालान के द्वारा संचालित किया गया। अपना घर आश्रम मे मानसिक रूप से कमजोर एवं निराश्रित और दिव्यांग प्रभु की सेवा की जाती है। यहां उन्हें आश्रय दिया गया है तथा भोजन, इलाज की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। अभी इस अपना घर में 32 जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है।

अंगिका समाज ने किया वनभोज का आयोजन

रांची। झारखंड प्रदेश अंगिका समाज की ओर से रविवार को कांके डेम,के पास पुसभत्ता (वनभेज) सह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के पुरुष, महिला, बालक-बालिका समेत बुर्जुगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। लजीज व्यंजन के साथ सभी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में इस अंगिका के प्रतिष्ठित गायक/गायिका, कवि की मनमोहक प्रस्तुति ने सब का मन मोह लिया। समाज के महासचिक श्रीमोहन सिंह के अनुसार इस कार्यक्रम में 400 से अधिक संख्या में लोगों ने भाग लिया।

झारखंड का चौथा ब्रांच अल बदर टूर एंड ट्रेवल्स का भव्य उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अल बदर टूर एंड ट्रेवल्स हज एंड उमराह का उद्घाटन रविवार को झारखंड वक्फ बोर्ड के सदस्य इबरार अहमद और झारखंड अंजुमन के अध्यक्ष जुनेद अनवर, अल बदर के डायरेक्टर गुलजार सकाफी ने किया। मुख्य अतिथि इबरार अहमद ने कहा अल बदर हज एंड उमराह झारखंड के सभी लोगों की सेवा किफायती दर में करेगी। उन्होंने कहा कि अल बदर भारत सरकार से लाइसेंस प्राप्त ट्रेवल कंपनी है। झामुमो नेता जुनैद अनवर ने कहा कि अल बदर पूरे झारखंड में अच्छा काम कर रही है। अल बदर हज एंड उमराह के डायरेक्टर दानिश आरफीन और मुदस्सिर नजर ने कहा कि अल बदर पिछले 2008 से लोगों को सेवा देते आ रही है। उन्होंने कहा कि हम जायरीन को ऐसी सेवा देंगे जो अब तक किसी भी ट्रेवल वालों ने नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि जायरीन को रांची से रांची, दिल्ली से दिल्ली, मुंबई से मुंबई की सुविधा के साथ उमराह और हज पर ले जाया जाएगा। संचालक दानिश खान और शोएब अहमद ने कहा जायरीन को बैतूल मुकद्दस, नजफ, कर्बला, बगदाद समेत और भी जगह की जियारत कराया जाता है। मौके पर जुनैद अनवर, खालिद सैफुल्लाह, मसूद फरीदी, डॉ तारिक हुसैन, डब्लू खान, जकिउर रहमान, खलीलूर रहमान, मोहसिन अहमद, हाजी निजामुद्दीन खान, फारुक, असरा, सैयद राशिद, इफ्तिखार अली, गुलाम हुसैन मौजूद थे।

सीपीआई का कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीपीआई ने रविवार को कांके डैम के पास कार्यकर्ता मिलन सह भोज का कार्यक्रम का आयोजन किया। मौके पर जिला सचिव अजय सिंह, एटक के राज्य महासचिव अशोक यादव, ओम प्रकाश सिंह, बिनोद मिश्रा, ज्योति कुमार, गोरेलाल पासवान, ज्योतिष सिंह, सतीश केशरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मजदूरों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिला सचिव अजय सिंह ने कहा कि देश में मजदूरों और किसानों की एकता जरूरी है। देश में कॉरपोरेट समर्थक सरकार काबिज है जो मजदूरों और किसानों के हक और अधिकार के साथ खिलवाड़ कर रही है। श्रम कानूनों में लगातार परिवर्तन कर मजदूरों के हक अधिकारों को छिनने का कार्य कर रही। इसलिए मजदूर और किसानों को एकजुट होकर अपने हक कि लड़ाई लड़नी होगी। अशोक यादव ने कहा कि मजदूरों को अपनी लडाई लड़ने के लिए लालझंडे को मजबूत करना है।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता

रांची। पुंदाग में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में रविवार को भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 10 हजार से भी ज्यादा श्रद्धालुओं ने सेवा धाम में बने भगवान श्री राधा-कृष्ण मंदिर के दर्शन किए। भगवान श्री राधा-कृष्ण मंदिर, श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ, भगवान का वस्त्र, मोर मुकुट, मुरली की पूजा अर्चना किया जा रहा है।

सीआइटीई के प्रशिक्षणार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर बेंगलुरु रवाना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर्स एजुकेशन (सीआईटीई) के बीएड सत्र 2023-25 बैच में अध्यनरत प्रशिक्षुओं का एक दल शैक्षणिक भ्रमण पर रविवार को शिक्षकों के साथ बेंगलुरु के लिए रवाना हुआ। प्रशिक्षुओं के दल में शामिल शिक्षक डॉ सत्येश कुमार सिंह ने बताया की दल में कुल 63 प्रशिक्षणार्थी शामिल है। 10 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के तहत इन्हें मैसूर पैलेस, ऊटी, कोयम्बटूर, इसकॉन मंदिर, वोटनिकल गार्डन, आदि योगी मैडिटेशन सेंटर आदि का भ्रमण कराया जाएगा। प्रशिक्षणर्थियों के दल में शिक्षक डॉ सत्येश सिंह, प्रो विकास कुमार, प्रो मिलन कुमार व प्रो अनुलेखा महतो साथ हैं। मालूम हो कि रविवार को एसएमवीटी बेंगलुरु ट्रेन से हटिया स्टेशन से सवार होकर ये लोग बेंगलुरु के लिए रवाना हुए।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की बैठक में कई कार्यक्रम तय, प्रस्ताव भी पारित

9 फरवरी को खूंटी में होगी केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की कोर कमिटि की बैठक रविवार को आयोजित की गयी। यह बैठक आगे की रणनीति, कार्यक्रम, नगर निगम/निकाय चुनाव एवं सदस्यता और संगठन विस्तार के लिए रखी गयी थी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने किया।

बैठक में विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से तय किया गया कि अब आगामी 23 फरवरी को पतरातू डैम में ही कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सह मिलन समारोह का आयोजन किया जायेगा। उसके पूर्व 9 फरवरी को खूंटी में केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक का आयोजन किया जायेगा। इस बैठक की तैयारी की जवाबदेही खूंटी जिला प्रभारी राजन चौधरी, केंद्रीय महासचिव कपिल प्रसाद साहु एवं संगठन महासचिव कृष्णा साहु को दी गयी है। इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि वैश्य समाज के मुद्दों पर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए फिर से संघर्ष का रास्ता अपनाया जायेगा। आगामी विधानसभा सत्र से पहले ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन आदि मांगों को लेकर अभियान चलाया जायेगा और सरकार को याद दिलाया जायेगा. आप सभी तैयारी में लग जाएं। बैठक में प्रस्ताव पारित कर पतरातू एनटीपीसी के विस्थापितों के आंदोलन का समर्थन किया गया और सरकार एवं प्रबंधन से विस्थापितों की मांगों पर तत्काल सकारात्मक पहल करने की मांग की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष रेखा मंडल, वरीय उपाध्यक्ष रामसेवक प्रसाद, अश्विनी कुमार साहु, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह अधिवक्ता सहदेव चौधरी, परशुराम प्रसाद, केंद्रीय महासचिव दिलीप कुमार, कपिल प्रसाद साहु, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, अनिल वैश्य, जगदीश साहु, केंद्रीय सचिव गुड्डु साहा, राजेन्द्र साहु, केंद्रीय सदस्य नरेश साहु, खूंटी जिला प्रभारी राजन चौधरी, महिला मोर्चा की कार्यकारी अध्यक्ष दीपारानी कुंज, युवा मोर्चा के सचिव आदित्य पोद्दार उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वाभिमान दिवस के रूप में मनायी गयी राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। वीर शिरोमणि महान योद्धा राष्ट्रगौरव महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि को झारखंड क्षत्रिय राजपूत महापंचायत एवं महाराणा प्रताप स्मृति संस्थान की केंद्रीय इकाई ने राष्ट्रीय स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया। झारखंड क्षत्रिय राजपूत महापंचायत एवं महाराणा प्रताप स्मृति संस्थान के केंद्रीय इकाई के पदाधिकारियों ने रविवार को झारखंड प्रदेश के रांची महानगर अंतर्गत पुराना विधानसभा के सामने धुर्वा के सेक्टर टू गोलचक्कर अवस्थित राष्ट्रगौरव महाराणा प्रताप के आधार स्तंभ में स्थापित तैलचित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। राष्ट्रीय स्वाभिमान दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्ररत्न महाराणा प्रताप स्मृति समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्ररत्न महाराणा प्रताप के संघर्ष व बलिदान से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का युवाओं ने संकल्प लिया। इस दौरान मौजूद लोगों ने राष्ट्ररत्न महाराणा प्रताप की तरह स्वाधीनता और सम्मान के लिए जीवन भर लड़ने की प्रतिज्ञा की।

इस मौके पर मौजूद गणमान्यों ने अपने संबोधन में एक स्वर से कहा कि महाराणा प्रताप राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक हैं सर्वसमाज उनके प्रति आस्थावान है। देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने उन्होंने अंतिम क्षण तक लड़ाई लड़ी जो समस्त भारतवासियों के लिए प्रेरणा है। महान पराक्रम और स्वाभिमान के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गणमान्यों ने उनके अदम्य साहस और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण से सदैव प्रेरणा लेने की बात कही।

पुण्यतिथि कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी शिवाजी सिंह, झारखंड क्षत्रिय राजपूत महापंचायत के संयोजक संजय सिंह,भूतपूर्व विधान पार्षद स्व. रामानंद सिंह के सुपौत्र समाजसेवी प्रो. (डॉ.)धीरज सिंह सूर्यवंशी, झारखंड क्षत्रिय राजपूत महापंचायत के समन्वयक मनीष सिंह, दिलीप सिंह, पुरुषोत्तम सिंह राठौड़, अशोक सिंह, श्री राम सिंह, धर्मेंद्र सिंह, विनोद सिंह, अविनाश सिंह, हरि सिंह, महेश सिंह, सुनील सिंह, विकास सिंह, वीर सिंह, अंशुमान सिंह, श्यामसुंदर सिंह, पी एम सिंह, जितेंद्र सिंह, सुमित सिंह,अनिल कुमार आदि सहित भारी संख्या में महाराणा प्रताप स्मृति संस्थान के पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

भंडारे में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

रातू। साईं मंदिर परिसर में नव निर्मित भगवान दत्तात्रेय मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतिम दिन रविवार को प्राण प्रतिष्ठा, हवन प्रसाद वितरण व महाभंडारे का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की सफलता में विवेक सिंह उर्फ बीरू, शंभु झा, चंदन मिश्र, अभय सिंह, पंकज कुमार, आशीष कुमार, गणेश कुमार, भोला, सुनैना, कमल, काजल, उर्मिला, पुजारी नितेश पाठक व रितेश पाठक की सराहनीय भूमिका रही।

आजसू जिला अध्यक्ष की चाची का निधन

मृतक बासो देवी का फाइल फोटो।

ओरमांझी। आजसू पार्टी का जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य संजय कुमार की चाची बासो देवी 75 वर्ष का निधन शनिवार रात को हो गया है। बताया गया वह पूर्व पंसस रिता देवी की सास भी थी और पिछले सात माह से बीमार थी। निधन का समाचार मिलते ही प्रमुख सोमनाथ मुंडा, पंसस मदन महतो, सूरज प्रकाष चैधरी, पूर्व मुखिया गंगा करमाली सहित क्षेत्र के कई गणमानय लोग मृतक के घर पहुचे और श्रद्धांजलि दी। वहीं मृतक का अंतिम संस्कार रविवार को टुकुटोली मेसरा के मुक्तिधाम में किया गया। वहीं अंतिम संस्कार में क्षेत्र के काफी संख्या में लोग शामिल हुए।

पुलिस के चेकिंग में चोरी का मोटरसाइकिल चलाते धराया चोर

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के बलथरवा (कोयला डिपो) के पास वाहन चेंकिंग के दौरान एक बिना नंबर का काला रंग का प्लसर मोटरसाईकिल चालक व्यक्ति को रोका गया। चेकिंग में पुलिसिया पूछताछ में उपवन करमाली उर्फ गोलू उम्र करीब (20 वर्ष) पिता चरकु करमाली, ग्राम लुकैया, थाना पिपरवार बताया। और कोई भी कागजात के संबध में कोई संतोषजनक बातें नहीं बतायी गयी। अभियुक्त से शक्ति से पूछताछ करने पर मोटरसाईकिल चालक द्वारा बताया गया कि मोटरसाईकिल मेरा नहीं है चोरी का है जिसे इनके द्वारा महावीर नगर, थाना खलारी के जोशील केशरी, पिता रामवृक्ष केशरी से पच्चीस हजार रुपया (25,000/रु0) में सेकेण्ड हैंड खरीदने की बात बतायी। अन्य अभियुक्त की पहचान की जा चूकि है। जिनकी गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है। अपराधिक इतिहास में अभियुक्त 2021 में पहले भी डकैती मामला में जेल जा चुका है। छापामारी दल में पुअनि० देव कुमार दास,हव0 सुफल तुडू,आ0 मनिप कुमार सहित अन्य शामिल थे।

जेसीईआरटी में राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

बेहत्तर स्कूल प्रशासन के लिये प्रौद्योगिकी की वकालत

प्रशस्ति पत्र के साथ प्रतिभागी।

- नेतृत्व परिदृश्य बदलने का संकल्प
- इसकी ढांचे की मजबूती पर जोर

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। झारखंड शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी) में विद्यालय नेतृत्व बहुविध भूमिकाएं व जिम्मेवारियां विषय पर आयोजित तीन दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। इसमें देश भर के शिक्षाविद, नीति निर्धारक, शोधकर्ता और विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं ने शैक्षिक परिदृश्य को बदलने में विद्यालय नेतृत्व की उभरती भूमिका व जिम्मेदारियों पर चर्चा की। इस दौरान शोध पत्र व केस स्ट्डीज प्रस्तुत किये गये। इसके अलावा एक संवादात्मक सत्र जिसमें, विद्यालय नेतृत्व ढांचे को मजबूत बनाने के लिये एक संकल्प को अपनाया गया। वक्ताओं ने समावेशी शिक्षा, नवोन्मेषी नेतृत्व प्रथा और बेहतर स्कूल प्रशासन के लिये प्रौद्योगिकी की लाभ उठाने का आह्वान किया।

संवाद से मजबूत होगा आधार

सभापति डॉ आरएन पांडेय, प्राचार्य चतरा कॉलेज ने शोध पत्रों, केस स्टडीज व विडियो डॉक्यूमेंट्री पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि संवाद से और भी बेहतर परिणाम आ सकते हैं। वहीं, जेसीईआरटी के उप निदेशक प्रदीप कुमार चौबे ने शिक्षा के भविष्य को आकार देने में विद्यालय नेतृत्व कताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने 21 वीं सदी की शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों का समाधान करने के लिये निरंतर विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता बतायी।

इन विषयों पर हुयी चर्चा

प्रभावी स्कूल प्रशासन, शिक्षक सशक्तिकरण और शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण। इंटरैक्टिव सत्र में विद्यालय नेतृत्व कताओं के लिये वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर काबू पाने, अनुभव और रणनीति साझा करने पर सहमति बनी। शोध में कहानियों पर अभिनव मॉडल और केस स्टडीज का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों को प्रशस्ति भेंट की गयी। बताते चलें कि जेसीईआरटी झारखंड में शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण की सर्वोच्च निकाय है।

पुलिस ने पोस्ते की खेती को नष्ट किया

पोस्ते की पौधों को नष्ट करती पुलिस।

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। रांची के एसएसपी और ग्रामीण एसपी के निदेर्शानुसार बुंडू डीएसपी द्वारा गठित टीम में सोनाहातू थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में रविवार को थाना क्षेत्र के बारेंदा पंचायत अंतर्गत नापड़ा गांव के जंगल के बीच पांच एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि अवैध खेती और मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिसने पोस्ते की खेती किया है पहचान किया गया है। जल्द करवाई होगी।

जंगली हाथी ने घर में मचाया उतपात

खबर मन्त्र संवाददाता

संवाददाता बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के जामटोली पंचायत के जहानाबाज गांव के टंगराटोली में शनिवार की रात लगभग 10 बजे एक विशालकाय जंगली हाथी ने एक ही घर को दो जगहों पर तोड़ दिया। जिससे घर पर रखे घरेलू सामान बर्बाद हो गए। वहीं जंगली हाथी ने घर में रखे दो बोरा अनाज और सब्जी सहित घर में बना हुआ खाना को भी खाकर बर्बाद कर दिया। रविवार की सुबह ग्रामीणों ने बताया कि जंगली हाथी द्वारा ध्वस्त किए गए घर जतरू उरांव का है। वह एक दिन पहले ही कमाने के लिए बाहर पलायन कर गया है। इसके अलावा टंगराटोली गांव में ही बुधराम उरांव के घर के आंगन में खेत से तोड़कर लाए छह बोरा मटर के

फसल को भी खाकर बर्बाद कर दिया। पीड़ित बुधराम उरांव ने बताया कि वह मटर की फसल को घर के आंगन में रखा था। इसके बाद हाथी ने डब्लू उरांव के घर के बाहर में चावल बनाने के लिए रखे धान को भी खा गया। इधर गांव में जंगली हाथी के आ जाने से पूरे गांव के ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गया है। इधर गांव में आए जंगली हाथी के द्वारा तोड़े गए घर की जानकारी मिलते ही पंचायत की मुखिया लक्ष्मी कोया और पूर्व मुखिया सुनील कच्छप ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए भुक्तभोगी को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया।

पुलिस ने अवैध बालू से लदे दो हाइवा को जब्त किया

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गश्ती व छापामारी के दौरान रविवार की सुबह करीब आठ बजे अवैध बालू से लदे दो हाइवा को असरो पेट्रोल पंप के पास जब्त कर दो चालकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अवैध बालू से लदे दो हाइवा के चालकों में क्रमशः करमचंद उरांव ग्राम बिरकेरा अडियाटोली थाना सिसई,जिला गुमला व चन्द्र देव उरांव ग्राम भरनो माथुटोली, थाना भरनो ,जिला गुमला का नाम शामिल है। इस संदर्भ में बेड़ो थाना प्रभारी नकुल साह ने बताया कि बेड़ो पुलिस ने गुप्त सूचना के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए

पुलिस द्वारा जब्त किए गए अवैध बालू से लदे दो हाइवा वाहन।

रविवार की सुबह गश्ती व छापामारी अभियान चलाया। इसी दौरान बेड़ो पुलिस ने गुमला की ओर से आ रहे अवैध रूप से बालू से लदे दो हाइवा को आते हुए देखा। इसके बाद पुलिस ने सशस्त्र बलों के सहयोग से दोनों हाइवा को रोका। इस दौरान पुलिस के द्वारा जब दोनों हाइवा के चालकों से बालू का कागजात मांगा तब दोनों वाहन के चालक बालू का चालान व कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसके बाद पुलिस ने दोनों चालकों को अवैध बालू परिवहन के संज्ञेय अपराध में गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने दोनों हाइवा को जब्त कर लिया। इसके बाद गिरफ्तार दोनों चालकों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

एक नजर में

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल, रिम्स रेफर

मनोज मुंडा।

राम महली।

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बड़ाईक चौक के समीप बेड़ो साईं मंदिर सड़क पर रविवार की अपराह्न लगभग सवा बारह बजे दो बाइकों के बीच हुई आपसी टक्कर में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बेड़ो घाघरा कोकड़े गांव निवासी 24 वर्षीय मनोज मुंडा पिता मंगरा मुंडा व कर्रा टंगरा टोली गांव निवासी 20 वर्षीय राम महली पिता प्रयाग महली जिन्हें घायलावस्था में स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों को बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया। इधर मिली जानकारी के अनुसार मनोज मुंडा बेड़ो सब्जी मंडी में मटर बेचकर अपने घर घर लौट रहा था। वहीं राम महली बेड़ो से अपना घर जा रहा था। इसी बीच बड़ाईक चौक के समीप इन दोनों बाइकों में टक्कर हो गई। जिससे यह हादसा हुआ।

31 एकड़ में लगी पोस्ते की खेती को किया नष्ट

बुंडू। अफीम खेती के विरुद्ध पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है रविवार को डीएसपी ओमप्रकाश के नेतृत्व में बुंडू थाना के रेलाडीह स्थित रैयत एवं जंगली क्षेत्र में 13 एकड़, दशम फॉल थाना के मानकीडीह गांव के जंगली क्षेत्र में 2 एकड़ भूमि पर, तमाड़ थाना अंतर्गत मानकीडीह गांव के ज़ंगली क्षेत्र में 15 एकड़ भूमि पर एवं सोनाहातु थाना अंतर्गत नफड़ा नदी किनारे 15 कुल 31 एकड़ में लगे अफीम की खेती को ट्रैक्टर चलाकर नष्ट किया गया। डीएसपी ने बताया खेती करने वाले लोगों की पहचान कर जल्द ही कारवाई की जाएगी। अनुमंडल पुलिस की ओर से लोगों को जागरूक, गांव में अफीम संबंधित पोस्टर बाजी किया जा रहा है। इस छापामारी दल में बुंडू थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा दशम फॉल थाना प्रभारी प्रशांत गौरव, तमाड़, सोनाहातु थाना प्रभारी समेत सैप जैप जवान शामिल थे।

केन्द्रीय मंत्री ने योजनाओं का शिलान्यास किया

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री सह स्थानीय सांसद संजय सेठ ने रविवार को अनगड़ा के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 1.10 करोड़ रुपए की लागत से बननेवाले विभिन्न विकास योजनाओं की आधारशिला रखी । केन्द्रीय मंत्री ने इस दौरान सांसद मद से चतरा हेसल पैका गोंदलीपोखर तथा शासनबेड़ा में पीसीसी पथ श्मशान शेड शहीद निर्मल महतो एवं शहीद हरानाथ महतो की प्रतिमा में छतरी निर्माण एवं पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण

कार्य का आधारशिला रखी। मौके पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वे अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए सदेव तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं का निर्माण गुणवक्तापूर्ण होना चाहिए गुणवक्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। मौके पर पूर्व विधायक रामकुमार पाहन भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो सुनील महतो सुधीर महतो रामेश्वर महतो नरेश साहू हिमालय चौधरी जगरनाथ महतो नीलकंठ चौधरी जगेश्वर महतो मुखिया कविता देवी सोहन पाहन अनुराधा मुंडा कृष्णा भगत रामसाय मुंडा सहित अन्य उपस्थित थे।

मन की बात के 118 वें एपिसोड को सुना गया

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 118 वें एपिसोड को खिजरी मंडल के बरगावां शक्ति केंद्र के बूथ नंबर 239,240,241 में सुनी गयी। मन की बात कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश भाजापा के पूर्व प्रशिक्षण प्रमुख गणेश मिश्रा उपस्थित थे। मौके पर श्री मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में देशवाशियों को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी,डॉ राजेन्द्र प्रसाद के संबोधन के अंश सुनाते हुए लोगों में लोकतंत्र के प्रति विशवास और आत्मविश्वास बढाया उन्होने कहा कि देशवासियों को प्रमुख बिदुंओ और उपलब्धियों के साथ साथ समस्याओं के प्रति भी बात कर उसका निदान कराया। मौके पर मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह, गोपाल चैधरी, प्रज्ञा भारती, जयंती देवी, शिल्पी शालिनी, सविता देवी, एनपी सिंह, उर्मिला देवी, बबीता देवी, चंचला शर्मा,नीतू देवी, रीता देवी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ओरमांझी में सड़क दुर्घटना चार घायल

दुर्घटना ग्रस्त वाहन।

ओरमांझी। उड़िसा से पेटरवार जा रही एक सफेद रंग की बोलेरो ओआर23डी-6980 ओरमांझी में दुर्घटना ग्रस्त हो गई। जिससे उसमें सवार चालक सहित चार लोग घायल हो गए। रविवार शाम को हुई दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि बोलेरो काफी जेत गति से जा रही थी। चकला मोड़ के पास वाहन का संतुलन बिगड़ गया और सड़क के बिच डिवायडर में चढते हुए लगभग 12 फिट आगे चला गया। सूचना मिलने पर पहुंची ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा स्थनीय लोगों की मदद से सभी को उपचार के लिए भेज दिया। बताया गया कि किसी को भी गंभीर चोट नही लगी है। वहीं ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा दुर्घटना ग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया गया है।

राज्य रक्षा मंत्री के निर्देश पर कंबल का वितरण

सोनाहातू। राज्य रक्षा मंत्री सह सांसद संजय सेठ के निर्देश पर भाजपा नेता दिलेश्वर कोईरी के नेतृत्व में सोनाहातू प्रखंड के जामुदाग कांशीडीह, गलऊ, इड़कु आदि गांव के 41 जरूरतमंद वृद्ध लोगो के बीच कंबल का वितरण किया गया। मौके पर कई लोग मौजूद थे। इधर प्रदीप वर्मा फाउंडेशन के द्वारा सोनाहातू मंडल ओर कुकड़ु मंडल के कई गांवों में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण का कार्य किया गया। मौके पर कुकड़ु मंडल अध्यक्ष भरत चन्द्र महतो, जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी सुमन मुखर्जी ,पुर्व मुखिया मनोरंजन सिंह, उपमुखिया महेन्द्र नाथ महतो,बुथ अध्यक्ष राकेश कुमार महतो एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे।

अखिल भारतीय धोबी समाज के वनभोज में खलारी से गणमान्य भी शिरकत किये

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। अखिल भारतीय धोबी समाज का रुका डेम में सम्मान समारोहों सह वन भोज का कार्यक्रम किया गया। कार्यकम में अखिल भारतीय धोबी माह संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराष्ट्र शिरडी के कृष्ण कुमार कन्नौजिया एवं राष्ट्रीय मुख्य सलाह राजेन्द्र अहरे और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के निजी सचिव तुलसी कौशिक और उसके साथ रायपुर के क्षेत्रीय लोक गायिका राष्ट्रपति के द्वार पुरस्कृत रजनी रजक एवं कांके विधान सभा के लोक प्रिय विधायक सुरेश बैठा मुख्य रूप से उपस्थित

थे। कार्यक्रम में झारखंड राज्य के विभिन्न जिला एवं प्रखण्ड से धोबी समाज के लोग शामिल हुए। खालरी से रांची जिला अध्यक्ष सुखराम सेठ, मीडिया प्रभारी ध्वजा राम धोबी, अनुप रजक किशोर संजय रंजीत रवींद्र गणेश एवं बहुत सारे लोग ने शिरकत किया।

रातू : गुरुगोविंद सिंह स्कूल में मना प्रकाशोत्सव

- संगत की लगी लंगर सेवा
- गांव की संस्कृति का प्रदर्शन

रातू। कमड़े स्थित गुरुगोबिंद सिंह पब्लिक, स्कूल में रविवार को गुरुगोविंद जी का प्रकाशोत्सव श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया। समारोह में शबद गायन, कथा वाचन के साथ ही गुरु का अटूट लंगर रखा गया। इसमें सभी समुदाय के हजारों श्रद्धालुओं ने संगत की। शिक्षक, छात्र व विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स की ओर से संगत की लंगर सेवा की गयी। गांव की संस्कृति व परिवेश को प्रदर्शित करने के लिए स्कूल प्रांगण में बच्चों की ओर से बनाया गया पारंपरिक गांव 'हमारी विरासत हमारी पहचान' का मॉडल लगाया गया। लोगों ने इसकी सराहना की। विद्यालय की प्राचार्या शालिनी विजय ने श्रद्धालुओं का धन्यवाद किया और छात्रों को 'स्वयं से पहले सेवा' को अपनाने का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधन ने सफल आयोजन के लिये आभार प्रकट किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अनगड़ा। सरस्वती पूजा समिति पिरतोल के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रखंड स्तरीय कक्षा एक से 10 तक के छात्र छात्राओं के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता परीक्षा रविवार को चिलदाग मिडिल स्कूल में ली गई, जिसमें 650 से अधिक छात्र छात्राओं ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता पिछले छह वर्षों से सफलता पूर्वक आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करना है।पुरस्कार वितरण समारोह आगामी 3 फरवरी 2025 को ग्राम पिरतोल में आयोजित किया जाएगा। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे सिंगिंग, डांसिंग और स्पीच प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा, जिसमें राजेंद्र चौधरी अजय चौधरी कृष्णा महतो विनय चौधरी जितेंद्र चौधरी सुरेंद्र चौधरी राजू चौधरी ग्राम प्रधान रतिलाल करमाली आदि शामिल थे।

दोवाड़ु गांव में चोरों ने आठ घरों का तोड़ा ताला एवं चार घरों में की चोरी

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली में अपराधियों का मनोबल सिर चढ़ कर बोल रहा है। बीते शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने थाना क्षेत्र के दोबाडू गांव में करीब आठ घरों में चोरी कर ली। समान को तितर बितर करके दूर फेंक दिया। घर वालों ने इस घटना में करीब 2 से तीन लाख के चोरी होने का दावा किया है। मिली जानकारी के मुताबिक गांव के कामेश्वर उपाध्याय, लक्ष्मण उपाध्याय, अजित उपाध्याय, बाणेश्वर मंडल, धनु रजक एवं गोपाल कुम्हार के घर रात के करीब 12 बजे चोरों ने धावा बोला। चोरों ने

ताला तोड़कर सोने का हार, मांग टीका, चांदी का आभूषण, कांसा की थाली, नगद 55 हजार रुपये साथ में जमीन के कागजात एवं एलआईसी का बॉन्ड पेपर भी चोरी कर ले गए। भुक्तभोगियों ने बताया कि घरों के जिन कमरों में लोग सोए थे चोरों ने उनको बाहर से सिटकनी के सहारे बंद कर दिया ताकि वे बाहर न आ सकें इसके बाद बाकी के कमरों में आराम से घटना की अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि दो घरों से ही ज्यादा समानों की चोरी गई है बाकी में कम चोरी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सिल्ली पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया। टेक्निकल टीम भी रांची से घटना की जांच में जुट गई है। सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि टेक्निकल टीम कॉल डंप एवं अन्य तरीकों से घटना के उद्भेदन का प्रयास कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्दी ही चोरों का पता चल जाएगा।

रातू : जाड़ी में जरूरतमंदों के बीच बंटा कंबल

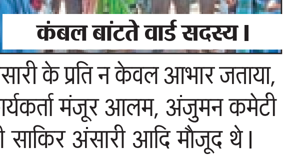
कंबल बांटते वार्ड सदस्य।

रातू। बानापीड़ी पंचायत के जाड़ी गांव में रविवार को वार्ड सदस्य आजाद अंसारी की ओर से समाज के जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इससे 50 गरीब, वृद्ध और असहाय लोग लाभान्वित हुये। मदद पाकर वह बेहद उत्साहित नजर आये और उनके चेहरे खिल उठे। उन्होंने श्री अंसारी के प्रति न केवल आभार जताया, बल्कि दुआएं भी दी। मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ता मंजूर आलम, अंजुमन कमेटी के सेक्रेट्री शमशेर अंसारी व समाजसेवी साकिर अंसारी आदि मौजूद थे।

धोबी समाज का नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम

- समाजिक विकास के लिए शिक्षा है महत्वपूर्ण
- छतिसगढ मुख्यमंत्री के निजि सचिव व राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लोक गायिका आदि भी पहुंचे थें

खबर मन्त्र संवाददाता

धोबी समाज के कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित अतिथि।

कार्यक्रम में उपस्थित धोबी समाज के लोग।

ओरमांझी। रूक्का डैम परिसर ओरमांझी में रविवार को अखिल भारतीय धोबी महासंघ द्वारा नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजन कर मुख्य अतिथि धोबी समाज के कांके विधायक सुरेश बैठा, छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री के निजी सचिव तुलसी कौशिक, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लोक गाययिका रजनी रजक सहित समाज के कई विशिष्ट लोगों का नागरिक अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि ने समाज को आगे लाने में शिक्षा को महत्वपूर्ण बताया और कहा धोबी समाज को विघटित करने का प्रयास किया गया है। अखिल भारतीय धोबी महासंघ द्वारा समाज को संघठित करने की प्रयास की सरहाना कि कहा यह प्रयास सार्थक तभी होगी जब अंतिम पायदान में खड़े समाज तक समाजिक व आर्थिक सहयोग पहुंचे। उन्होने धोबी समाज से संगठित होने का आहवान किया और कहा एकजुटता से ही समाज को उसका अधकार मिल सकता है। उन्होने 35 वर्ष बाद कांके विधानसभा से कांग्रेस की जीत को धोबी समाज के लिए भी गौरव बताया, और समाज को हर संभव मदद का भरोसा दिया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विशुनदेव साय के निजी सचिव तुलसी कौशिक ने बाबा संत गाडगे महाराज को विचारों को जीवन में अमल करने का अहवान किया। कहा शिक्षित बनो, संगठित रहो व अपने हक व अधिकारों के लिए आगे बढ़ो, समाज में व्याप्त कुरितियां, समाजिक रूढ़िवादी व नशापान के कारण आज धोबी समाज शिक्षा से लेकर सभी मामले में पिछड़ा है। अखिल भारतीय धोबी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार कनौजिया बताया भारत के 11 राज्यों व 09 केंद्र शासित प्रदेशों में धोबी समाज को अनुसूचित जाति में शामिल नहीं किया गया है। धोबी जाति को अनुसूचित जाति में शामिल कराने व अधिकार दिलाने का प्रयास की जा रही है। इसके अलावे कृषि विज्ञानिक डॉ. पंकज सेठ, डीएसपी बरूण बैठा, एनडीसी ललन टिंकू रजक, राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार राजेन्द्र आहिरे, जिप सदस्य चंचला देवी प्रदेश, डॉ. माधुरी रजक, समाजसेवी अर्जुन बैठा ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा बाबा संत गाडगे महाराज, बाबा भीमराव अंबेडकर व भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। वहीं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित कुमार व स्वागत प्रदेश अध्यक्ष अवधेश कुमार बैठा द्वारा किया गया। वहीं दिनेश बैठा, लालाबाबू रजक, नागमणि रजक, शिवनाथ बैठा, राजू रजक, सबिता प्रसाद, उपेन्द्र रजक, अनिल बैठा, ननकु बैठा, दीपक रजक, गोविंद रजक, सौरभ रजक, कैलाश रजक, फुलेश बैठा, झलकू रजक, इकबाल सिंह ओबराय, सुनील रजक, जयधन बैठा, राकेश रजक, राजकुमार बैठा, सुखराम सेठ, बिरेंद्र रजक, ध्वजाराम धोबी, बिनोद कुमार रजक सहित विभिन्न जिला से पहुचे सैकड़ों समाज के लोग उपस्थित थें।

सब्जी की फसल को हाथियों के झुंड ने किया नष्ट

सोनाहातू। थाना क्षेत्र में इन दिनों लगातार हाथियों द्वारा सब्जी के फसल को नष्ट किये जाने से किसान काफी मायूस है। हाथियों का एक झुंड सेरेंगहातू और हितजारा के सामने बांस वन में जमे है। एक झुंड बारेंदा पहाड़ी के जंगल में जमे है। एक झुंड हेसाडीह ऊपर जंगल में जमे है। सोनाहातू चारों ओर से जंगली हाथियों से घिरा है। शाम होते ही गांव की सड़के सुनसान हो जा रही है। हाथियों के झुंड कब कहां निकले किसी को अंदाजा नहीं है। ग्रामीण भगवान भरोसे है। वन विभाग मौन है। विभाग को फसल नुकसान या हाथियों के गतिविधियों से कोई सरोकार नहीं है। शनिवार रात जामुदाग पंचायत के चोगा गांव ओर बारेंदा पंचायत के कई गांव के 10 एकड़ में लगे सब्जी फसल नष्ट हुए है। किसान बासुदेव भगत,सुरेश भगत, संशोधर कोइरी, रामप्रिया देवी, विपिन बिहारी कोइरी,कुंजलाल कोइरी आदि के फसल नुकसान हुए है। गांव में हाथियों द्वारा नुकसान की सूचना पर पंचायत समिति सदस्य रूप कुमार साहू ने गांव जाकर किसानों से नुकसान की जानकारी लिया और वन विभाग से मुआवजा देने की मांग किया।

सड़क हादसों की चिंता

देश की इन कातिल सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। यह आंकड़ा भयावह है और इस गंभीरता को संबोधित करने की जरूरत बताता है। दरअसल, वर्ष 2014 से 2023 के बीच सड़क हादसों में 15.3 लाख लोग मारे गए। सड़क हादसों में मरने वाले लोगों में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। यह हमारी व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर कर रहा है कि क्यों हर साल डेढ़ लाख लोग मारे जा रहे हैं। आखिर दस साल में केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ जैसे शहर की आबादी से ज्यादा लोग क्यों अकारण मौत के मुंह में चले जाते हैं? आखिर उन लोगों का क्या कसूर था कि उनके हिस्से में ऐसी दर्दनाक मौत आई? आखिर क्यों हम पूरी दुनिया में सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मरने वाले देश के रूप में जाने जाते हैं? ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। हालांकि, देश में समय के साथ वाहनों की संख्या और सड़क निर्माण में भी वृद्धि हुई है, लेकिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। देश में सड़क सुरक्षा को लेकर मानवीय लापरवाही सबसे बड़ा कारण है जिसका निदान निकालने की आवश्यकता है।

कार्टून वर्ल्ड

मेष : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह : कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु : व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर : शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन : संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतरूधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

- ललित गर्ग

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है।

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये।

2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः

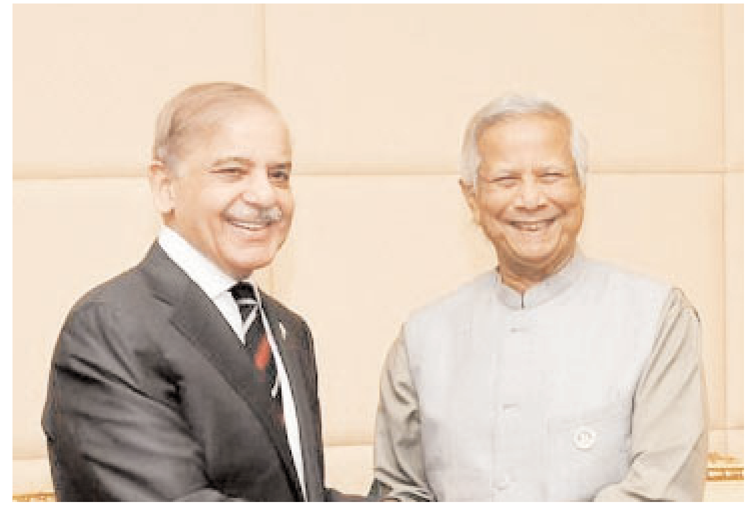

पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक

- ललित गर्ग

> यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है।

सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने।

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को ?शांत कर लिया है।

यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेशसरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है। बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है। वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं। इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है।

लेटर टू एडिटर

साइबर अपराध

देश में साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए एक सक्षम और प्रशिक्षित साइबर विशेषज्ञ कार्यबल की कमी है। साइबर अपराधी शिक्षित हैं और विभिन्न तरीकों से अधिकारियों को शिकार बना रहे हैं। हाल में वीआईपी और विमान सेवाओं को धमकी देने के घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। इस स्थिति में, अत्याधुनिक तकनीक से लैस युवा साइबर टीमों का गठन आवश्यक है, जिसमें पर्याप्त संख्या में अधिकारी भी शामिल हों।

–बीएल शर्मा, हजारीबाग

प्रदूषण की समस्या

अफसोस है कि कारगर समाधान की तलाश नहीं होती। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, हमें कुछ कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। सामूहिक प्रयास प्रदूषण को कम कर सकते हैं। इस दिशा में हम सभी को जागरुक होना होगा।

–सत्यप्रकाश गुप्ता, खूंटी

X ट्वीट

कांग्रेस पार्टी ने लोगों के साथ मिल कर, संविधान की बुनियाद पर, भारत की सफलता का निर्माण किया है। लोगों के अधिकारों के कवच, संविधान की रचना से लेकर रक्षा तक का दायित्व कांग्रेस ने निभाया है।

हमारा नया मुख्यालय हमारी इसी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और विजन का प्रतीक है।

हमारी परंपराएं, जड़ें और वजूद भारत की आत्मा में गहराई से बसे हुए हैं। इसी रास्ते पर चलते हुए हम आगे भी न्याय, समानता और संविधान की लड़ाई लड़ते रहेंगे। **– राहुल गांधी सांसद**

प्रकृति और लोक उत्सव का महापर्व सोहराय, टुसू परब, बुरु मागे परब और मकर संक्रांति की आप सभी को अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

– हेमंत सोरेन, सीएम

मुश्किल नहीं सालाना एक करोड़ रोजगार के अवसरों का सृजन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

रोजगार

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी 'गोल्डमैन सैक्स' की हालिया रिपोर्ट चुनौतीपूर्ण होने के साथ ही आर्थिक विकास की गति को बनाए रखने के लिए जरूरी भी हो जाती है। रिपोर्ट के अनुसार जीवीए यानी कि ग्रास वैल्यू एडिशन 6.5 प्रतिशत बनाए रखने के लिए 2025 से 2030 के दौरान सालाना एक करोड़ रोजगार के अवसर विकसित करना आवश्यक है। हालांकि जिस तरह से देश की अर्थव्यवस्था उछाल भर रही है उस स्थिति में इस लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल भी नहीं लगता है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें रोजगार के नित नए अवसर तो विकसित करने ही होंगे वहीं इस तरह की आर्थिक नीति तय करनी होगी जिससे देश में स्थानीय स्तर पर आय के साधन विकसित हो, आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, मेट्रोपोलिटन सिटीज के स्थान पर छोटे शहरों-कस्बों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ें। इसके लिए सरकार को रोडमैप बनाकर आगे बढ़ना होगा। विकास के केन्द्र को विकेन्द्रित करना होगा। बड़े शहरों की ओर पलायन को रोकते हुए नए आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र विकसित करना होगा। यह बात साफ हो जानी चाहिए कि एमएसएमई-मैन्यूफेक्चरिंग-विनिर्माण क्षेत्र ऐसा है जहां रोजगार के अवसर अधिक विकसित होते हैं। देश में एक करोड़ सालाना रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए पहले से ही कार्ययोजना तैयार है। केवल इस कार्ययोजना को नए सिरे से अंजाम देने की आवश्यकता है। कोरोना के बाद चीन की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है और उसके चलते दुनिया के देश भारत की ओर आशा की नजर से देख रहे हैं। यही कारण है कि एक और मल्टीनेशनल कंपनियां भारत की ओर रुख कर रही हैं तो दूसरी ओर जिस तरह से देश में आधारभूत ढांचे का विकास हो रहा है उससे आर्थिक विकास को गति मिली है। वाजपेयी सरकार के समय स्वर्ण चतुर्भुज योजना बनी और गडकरी के नेतृत्व में हाई-वे, एक्सप्रेस हाई-वे आदि बनकर तैयार हो रहे हैं उससे आवागमन आसान हआ है। इससे आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है।

रियल एस्टेट सेक्टर ऐसा सेक्टर है जहां 80 प्रतिशत तक रोजगार उपलब्ध हो रहे हैं। अब सरकार को रियल स्टेट को मेट्रोपोलिटन शहरों से छोटे शहरों-कस्बों की ओर शिफ्ट करने पर ध्यान देना होगा जिससे बड़े शहरों पर दबाव कम होगा। इसी तरह से बेंगलुरु को आईटी का केन्द्र बनाने या गुरुग्राम या नोएडा या गेटर नोएडा या अन्य इसी तरह के देश के विभिन्न हिस्सों में केन्द्र विकसित होने से इन स्थानों पर अत्यधिक दबाव बढ़ा है और उसके परिणाम सामने आने लगे हैं। ऐसे में टियर 2 व टियर 3 के शहर कस्बों में आईटी हब विकसित करने, इनके आसपास के क्षेत्रों में छोटे औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने, इन स्थानों पर जीसीसी यानी कि ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर विकसित करने के आवश्यकता है। लघु उद्योगों के विकास और उनके निर्यात को बढ़ाना होगा। मोदी सरकार द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और छोटे उद्योगों को प्रोडक्शन लिंक्ड योजना के तहत प्रोत्साहन से निश्चित रूप से औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर विकसित हुए हैं। आज भी कपड़ा, जूते, खिलौने, खाद्य सामग्री और इसी तरह के बहुत से क्षेत्र ऐसे हैं जहां सरकार ध्यान भी दे रही है तो दूसरी ओर विकास और रोजगार के अवसर विकसित हो रहे हैं।

वैसे देखा जाए तो पिछले बीस साल में 19 करोड़ 60 लाख नए रोजगार के अवसर विकसित हुए हैं। इसमें भी गत एक दशक में अधिक तेजी आई हैं। कोरोना के बाद से परिस्थितियों में तेजी से बदलाव आया है तो वैश्विक सिनेरियो भी भारत के पक्ष में साफ दिखाई दे रहा है। दुनिया के देश खास तौर से रूस-यूक्रेन, इजराइल-हमास-ईरान आदि आपस में जूझ रहे हैं तो यूरोपीय देश, अमेरिका आदि अपनी अपनी समस्याओं से जूझ रहे है। ऐसे में भारत के पास राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अवसर सामने आ रहे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सख्त फैसले लेने वाली सरकार आज की आवश्यकता है और अमेरिका के हालिया चुनाव नतीजे इसे साफ करते हैं।

एक सकारात्मकता यह भी है कि देश में आज युवा पीढ़ी का वर्चस्व है और ऐसे में प्रोडक्टिविटी बढ़ाना और बढ़ना दोनों ही सहज हो जाता है। सरकार को इस तरह की नीतियां बनानी होगी ताकि आधारभूत सुविधाओं का विकेन्द्रीत विस्तार हो और रोजगारपरक गतिविधियां आसान हों। साथ ही निर्यात को और अधिक आसान बनाना होगा। ऐसे में विकास या आर्थिक गतिविधियां केन्द्रीकृत ना होकर के विकेन्द्रीत होगी और स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार के अवसर व कौशल विकास संभव हो पाएगा।

परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती

-डॉ सत्यवान सौरभ

मोटिवेशन

सफलता सार्वजनिक उत्सव होती है, जबकि असफलता व्यक्तिगत विपत्ति। सफलता में लोग साथ होते हैं, जबकि असफलता में लोग साथ छोड़ देते हैं। हालांकि, असफलता से सीखने और बढ़ने का मौका मिलता है। सफलता सार्वजनिक उत्सव है जबकि असफलता व्यक्तिगत शोक एकदम सत्य लिखा है। दो ऐसे शब्द जो हर व्यक्ति के जीवन में बहुत मायने रखते हैं। पहला शब्द सफलता जिसको हर कोई प्राप्त करना चाहता है जबकि दूसरा शब्द असफलता जिससे हर व्यक्ति दूर रहना चाहता है। सफलता जब प्राप्त होती है तो घर-परिवार सब खुश होता है लेकिन असफलता का सामना आपको अकेले करना पड़ता है। अगर आप सफल हो गए तो समाज में आपकी इज्जत होगी, लोगों का आपके साथ व्यवहार परिवर्तित हो जायेगा लेकिन असफल रहने पर आपको बेरोजगार, ठलुआ जैसी संज्ञा मिलेगी। यह भी मायने रखता है कि आपने सफलता प्राप्त करने के लिए कितना प्रयत्न किया? यदि आपने पूरे समर्पण भाव से मेहनत की है फिर भी आप अपने मनपसंद क्षेत्र में सफल नहीं हुए तो ये मान लीजिए कि आपने अपने सपने को पूरा करने के लिए जो ज्ञानार्जन किया है वह आपके भावी जीवन में बहुत काम आने वाला है। वही ज्ञान किसी अन्य क्षेत्र में आपके भविष्य निर्माण में सहायक हो सकता है।

परिणाम संचालित समाज में प्रयास अक्सर परिणामों के पीछे चला जाता है। परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती देता है। खेलों में प्रयास दृढ़ता, अनुशासन और निष्पक्षता को दशार्ता है, जो प्रदर्शन पर प्रक्रिया पर जोर देता है। यह दृष्टिकोण मानसिक लचीलापन और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है जबकि डोपिंग और मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक प्रथाओं के दबाव को कम करता है। नैतिक मूल्यांकन को मापने योग्य परिणामों के साथ प्रयास के आंतरिक मूल्य को संतुलित करना चाहिए। मापे जाने वाले परिणामों के प्रति जुनून, समाज मात्रात्मक सफलता को प्राथमिकता देता है, अक्सर प्रयास के आंतरिक मूल्य और यात्रा में दृढ़ता को अनदेखा करता है। माता-पिता बच्चे के परीक्षा अंकों की प्रशंसा करते हैं लेकिन शायद ही कभी अध्ययन या अवधारणाओं को समझने में बिताए गए समय को स्वीकार करते हैं। परिणामों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से अनावश्यक दबाव बनता है, जिससे तनाव होता है और सुधार या सीखने के लिए आंतरिक प्रेरणा कम हो जाती है।

रिकॉर्ड तोड़ने के दबाव का सामना करने वाले एथलीट के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय डोपिंग का सहारा लेने का खतरा रहता है। परिणामों पर जोर देने से क्रमिक शिक्षा और सुधार का महत्व कम हो जाता है, जिससे सफलता अस्थिर हो जाती है। ऋषभ पंत जैसे क्रिकेटर, जिनकी शुरूआत में अस्थिर प्रदर्शन के लिए आलोचना की गई थी, उन्होंने समय के साथ लगातार सुधार करके सम्मान प्राप्त किया। परिणाम-उन्मुख मानसिकता शॉर्टकट या अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देती है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना खत्म हो जाती है। बॉल-टैम्परिंग जैसे मामले ईमानदारी पर जीत को प्राथमिकता देने की मानसिकता को दशार्ते हैं। समाज विजेताओं का महिमामंडन करता है लेकिन प्रतिभागियों के प्रयासों की उपेक्षा करता है, जिससे खेलों की समावेशिता और एकीकृत भावना कमजोर होती है। कम प्रसिद्ध ओलंपियन जो सर्वश्रेष्ठ देते हैं लेकिन पदक जीतने में विफल रहते हैं, उन्हें स्वर्ण पदक विजेताओं की तुलना में कम मान्यता मिलती है।

निष्पक्षता और समावेशिता को बढ़ावा देना, प्रयास को महत्व देना सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त हो, एक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा मिले। पैरालिंपिक खेल दृढ़ता और प्रयास को उजागर करते हैं, पदकों पर भागीदारी पर जोर देते हैं। प्रयास को प्राथमिकता देने से व्यक्तियों को दृढ़ता, विनम्रता और भावनात्मक शक्ति का निर्माण करने में मदद मिलती है, जो व्यक्तिगत विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। नीरज चोपड़ा की विनम्रता और प्रतियोगियों के प्रति सम्मान सिर्फ उनके भाला फेंक रिकॉर्ड से कहीं ज्यादा मनाया जाता है। प्रयास पर ध्यान केंद्रित करने से कौशल वृद्धि और निरंतरता को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में स्थायी उपलब्धियाँ मिलती हैं। विराट कोहली की अनुशासित प्रशिक्षण दिनचर्या स्थायी सफलता प्राप्त करने में प्रयास के महत्त्व को दशार्ती है। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक व्यवहार और नियमों के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में निष्पक्षता सुनिश्चित होती है।

उदाहरण के लिए सचिन तेंदुलकर का स्लेजिंग में शामिल होने से इनकार करना क्रिकेट में अल्पकालिक लाभ की तुलना में नैतिकता को उजागर करता है। प्रयास को स्वीकार करने से सहानुभूति, सहयोग और एकता जैसे मूल्य पैदा होते हैं, जो एक परिपक्व और नैतिक समाज में योगदान करते हैं। 2019 क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के प्रयासों का जश्न मनाने वाले प्रशंसकों ने परिणामों से ज्यादा प्रयास की सराहना करने की ओर एक बदलाव दिखाया। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा मिलता है, खेलों में निष्पक्षता और समावेशिता की संस्कृति का पोषण होता है। यह दीर्घकालिक चरित्र निर्माण को बढ़ावा देता है और अनैतिक शॉर्टकट को रोकता है। हालांकि, एक सूक्ष्म दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रयास कौशल विकास और प्रदर्शन लक्ष्यों के साथ संरेखित हों, ताकि प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बनाए रखा जा सके और साथ ही खेल कौशल और अखंडता को बढ़ावा दिया जा सके।

स्पीड न्यूज

टुकटुक फैमिली रेस्टोरेंट का मोतीलाल चौधरी ने किया उद्घाटन

बरही। बरसोत नगर में टुकटुक फैमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर और बरसोत पंचायत के मुखिया मोतीलाल चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के अवसर पर दोनों ने संस्थान को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। रेस्टोरेंट की स्थापना पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने इसके संचालक सूरज चंद्र शर्मा को शुभकामनाएं दीं और बेहतर सेवा देने का अनुरोध किया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि यह रेस्टोरेंट क्षेत्रवासियों के लिए एक उत्कृष्ट सेवा केंद्र साबित होगा।

प्रवासी मजदूरों और असंगठित श्रमिकों के हित में कार्यशाला का आयोजन

इचाक। प्रखंड सभागार में शनिवार को प्रवासी मजदूर अधिनियम, असंगठित श्रमिक और भवन निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को उनकी सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। श्रम अधीक्षक अनिल कुमार रंजन ने कार्यशाला में प्रवासी मजदूर अधिनियम 1979 की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जो मजदूर रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों या देशों में जाते हैं, उन्हें रॅ्वॅल्ि.१"ल्ॅ.ड्ढ५.ल्ल पोर्टल पर पंजीकरण करवाना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने आगाह किया कि मजदूर किसी भी बिचौलिए के झांसे में न आएं। अनिल रंजन ने बताया कि यदि किसी पंजीकृत प्रवासी मजदूर की दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो उनके आश्रितों को 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाएगी, जबकि अनपंजीकृत मजदूरों के लिए यह राशि 1.5 लाख रुपये है। सामान्य मृत्यु की स्थिति में मृतक के पार्थिव शरीर को पैतृक गांव पहुंचाने के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि दी जाती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत मजदूरों के लिए सरकार ने 5 लाख रुपये तक की सहायता राशि का प्रावधान रखा है, यदि उनकी दुर्घटना में मृत्यु होती है। पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। कार्यशाला में असंगठित मजदूरों के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। पंजीकृत श्रमिकों को औजार खरीदने के लिए 5,000 रुपये की सहायता दी जाती है। महिला श्रमिकों को दो प्रसव के लिए 15,000 रुपये प्रदान किए जाते हैं। 18-45 वर्ष आयु वर्ग के मजदूर साइकिल खरीदने के लिए भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी ने किया संविधान सभा कार्यक्रम का भव्य आयोजन

पदमा। प्रखंड के रोमी पंचायत भवन प्रांगण में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देशानुसार संविधान सभा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष गौतम कुमार मेहता ने की, जबकि संचालन गौतम चंद्रवंशी ने प्रभावी ढंग से किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संविधान की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाना और इसके निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन व योगदान को रेखांकित करना था। वक्ताओं ने संविधान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और बाबा साहेब के संघर्षों और उनके विचारों को विस्तार से बताया। उनकी दूरदर्शिता और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि 20 जनवरी, सोमवार को 'बाबा भीमराव अंबेडकर सम्मान मार्च' का आयोजन किया जाएगा। यह मार्च विधानसभा स्तरीय होगा और बरही के भामाशाह स्कूल से शुरू होकर बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंचेगा।

साप्ताहिक बाजार भुरकुंडा में जरूरतमंदों को कराया चाय-नाश्ता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा गरीब समाजसेवी संघ द्वारा रविवार को साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में गरीब-जरूरतमंदों को चाय-नास्ता कराया गया। इस दौरान दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से भुरकुंडा बाजार में दातुन-पत्तल आने वाले गरीबों के बीच नास्ता का पैकेट देते हुए समाजसेवी पप्पू सिंह ने कहा कि संघ के लोगों द्वारा पिछले तीन वर्षों से प्रत्येक सप्ताह साप्ताहिक बाजार भुरकुंडा में गरीबों के बीच सेवा दिया जाता है, जो की काफी सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को सहयोग करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा की क्षेत्र के जरूरतमंदो को चिन्हित कर संघ द्वारा गरीबों की सेवा की जायेगी।

भाजपा कार्यकताओं ने मन की बात कार्यक्रम सुनी

रामगढ़। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट वार्ड नंबर 6 के बूथ अध्यक्षों द्वारा मन की बात कार्यक्रम का आयोजन रविवार को ब्लॉक चौक स्थित ओम मार्केट परिसर में किया गया। मन की बात कार्यक्रम का 118 वीं कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपने विचार साझा करते हुए महाकुंभ के अद्भुत आयोजन का उल्लेख किया। अंतरिक्ष में हमारे वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का जिक्र किया। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाली मन कि बात कार्यक्रम इस बार गणतंत्र दिवस होने के कारण तीसरे रविवार को हुई। उपस्थित बूथ अध्यक्ष ने नमो ऐप के माध्यम से मन की बात कार्यक्रम को अपने अपने मोबाइल पर सुना। कार्यक्रम में भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सुरजीत सिंह छाबड़ा, वार्ड प्रभारी अजीत गुप्ता, संजय श्रीवास्तव ,जिला मीडिया प्रभारी राजीव पामदत, वार्ड संयोजक अरविन्द सिंह, नगर मंत्री अभिषेक चौधरी, मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा, ईश्वर पासवान, वशिष्ठ सिंह की उपस्थिति रही।

बाल विद्या मंदिर में 10वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

कुजू। बाल विद्या मंदिर, आरा में 10वीं वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय अध्यक्ष रति महतो एवं सदस्य वाहिद अंसारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर प्राचार्य रंजीत सिंह ने कहा कि हमें उन लोगों को भी अलविदा कहना पड़ता है, जिनकी हम परवाह करते हैं। साथ ही, बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए मैट्रिक परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पल भावुक करने वाला पल है। लेकिन विद्यार्थियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है। मंच संचालन कर रही शिक्षक पुष्पिता कुमारी ने कहा कि अलविदा समारोह बच्चों के नए अध्याय के लिए आवश्यक है।

जल, जंगल और जमीन में बसती है आदिवासियों की जान: शिक्षा मंत्री

खबर मन्त्र संवाददाता

सोहराय मिलन समारोह में शिक्षा मंत्री, पूर्व विधायक, झामुमो जिला अध्यक्ष को चादर से सम्मानित करते आदिवासी समाज।

बरकट्ठा। भारत जगत मांझी परगना महल के तत्वावधान में प्रखंड मैदान में सोहराय मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता रामजी बेसरा और संचालन मनोज मुर्मू ने किया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, झामुमो नेता संजीव बेदिया उपस्थित थे। सोहराय मिलन समारोह में भारत जगत मांझी परगना महल के सदस्यों ने शिक्षा मंत्री और पूर्व विधायक जानकी यादव, संजीव बेदिया को चादर देकर सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि आदिवासी परिवार का इतिहास जल, जंगल, जमीन में जान बसती है। इसकी सुरक्षा के लिए जंगल में बसते हैं। जल, जंगल, जमीन की लड़ाई अंग्रेजों से भी आदिवासी समुदाय लड़ा है। झारखंड में आदिवासियों के झारखंडी संस्कृति को देखने विदेश से भी आते हैं। देश में भी झारखंडी संस्कृति की झलक लोग देखना चाहते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश की आजादी का पर्व गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस में शामिल हों। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए सरकार काम कर रही है। आदिवासी परिवार में भी शिक्षा का ज्ञान लेकर आगे बढ़े और राज्य का निर्माण करेंगे। राज्य लोग पूर्ण शिक्षित होंगे तभी राज्य का सर्वांगीण विकास होगा। हेमंत सरकार सभी क्षेत्र में विकास के लिए सरकार धरातल पर उतर चुकी है। मंइयां सम्मान योजना का महिलाओं के साथ किये गए वादे को सरकार पूरी कर रही है। पूरे आदिवासी, मूलवासी मिलकर सरकार को मजबूत बनाया है तो राज्य भी मजबूत होगा। उन्होंने बिरसा मुंडा, चांद भैरव की चर्चा की। शिक्षा मंत्री ने सोहराय के इतिहास को भी बताया। पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन की दूसरी बार के सरकार के बरकट्ठा में पहली बार शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन आयी है। झारखंड में गरीब, मजलूमों की सरकार बनी है। हेमंत सोरेन ने मंइयां सम्मान योजना लाकर महिलाओं को सम्मान दिया है। इस योजना का पूरे देश में हेमंत मॉडल लागू होगा। उन्होंने कहा शिक्षा मंत्री ने डिग्री कॉलेज बरकट्ठा में पठन पाठन शुरू कराया। गोहाल में भी पोलटेक्निक इंजीनियरिंग कॉलेज को शुरू कराया। उन्होंने जयनगर में डिग्री कॉलेज स्थापना की बात शिक्षा मंत्री से की। सूर्यकुंड का अपेक्षित विकास करने की मांग की।

सोहराय कार्यक्रम में ये थे मौजूद : झामुमो जिला संयोजक मंडली अध्यक्ष संजीव बेदिया, बरही एसडीओ जोहन टुडू, झामुमो नेता आरके मेहता, वासुदेव महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कुदुश अंसारी, झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पांडेय, जिला मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत मेहता, यासीन खान, कलीम खान, झारखंड प्रदेश प्रणेत गोड़ात मौजूद थे।

पुलिस ने व्यवहार न्यायालय रामगढ़ में चोरी करते चोर को पकड़ा, पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

जानकारी देते

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने रविवार को प्रेस वार्ता को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने बताया कि 18 जनवरी को उन्हें माननीय न्यायालय रामगढ़ के कर्मी से सूचना मिली कि रामगढ़ थाना अंतर्गत व्यवहार न्यायालय रामगढ़ के पास कुछ चोर न्यायालय परिसर में पैनल बोर्ड में लगे तार की चोरी करने के लिए घुसे हुए हैं। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए व्यवहार न्यायालय रामगढ़ में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी पुनि अजय कुमार एवं आरक्षियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए, चोर को पकड़ने तथा समानों की बरामदगी करने का निर्देश दिया गया। मा०न्या० में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी / कर्मियों द्वारा कोर्ट परिसर में एक व्यक्ति को संदिग्ध हालात में देखा गया। पुलिस को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति दौड़कर भागने का प्रयास किया परंतु पुलिस बल द्वारा दौड़ाकर न्यायालय कर्मियों के सहयोग से उसे पकड़ लिया गया। पकड़ो गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम हामिद खान, पिता मंजूर खान, ग्राम 12 नं0 चौक, घाटो, थाना मांडू (वे०बो०), जिला रामगढ़ बताया। पकड़े गए चोर की निशानदेही पर 11 तांबे का ब्रैकेट (जो पैनल बोर्ड में लगा हुआ था), 02 रिंच, 20 नट बोल्ट बरामद किया गया। इस संदर्भ में रामगढ़ थाना कांड सं0-22/2025, दिनांक-18.01.2025, धारा-303 (2)/317 (4) ठछै 2023 अंतर्गत काण्ड दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

गिरफ्तार व्यक्ति का नाम-पता

1. हामिद खान, पिता मंजूर खान, ग्राम 12 नं0 चौक, घाटो, थाना माण्डू (वे0बो0), जिला रामगढ़।

बरामद समानों का विवरण:
1. 11 तांबे का ब्रैकेट (जो पैनल बोर्ड में लगा हुआ था)
2. 2 रिंच,
3. 20 नट बोल्ट

छापामारी दल में पुनि अजय कुमार, सीसीआर सह कोर्ट सुरक्षा प्रभारी, रामगढ, मा0न्या0 में प्रतिनियुक्त पुलिस बल, मा0न्या0 के कर्मी लाखेश्वर मानकी, मा0न्या0 के कर्मी चंदन कुमार, मा0न्या0 के कर्मी नवीन कुमार नाग शामिल थे।

150 गरीब-जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सामाजिक संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले लगभग 150 गरीबों को भोजन कराया। मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने गरीब-जरूरतमंद महिला-पुरुष और बच्चों के बीच पुरी-सब्जी का वितरण करते हुए इसे सबसे बड़ा पुण्य का कार्य बताया। डब्लू सिंह ने कहा की गरीबों की सेवा ही मंच का उद्देश्य है जो निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 9 वर्षों से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। अध्यक्ष श्री सिंह ने गरीबों की सेवा में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करने की भी अपील की।

द ग्लिटर्स पार्लर का अमरेश गणक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

रामगढ़। थाना चौक स्थित गणक मैरिज हाल के सभागार में द ग्लिटर्स पार्लर का अमरेश गणक, सुरेश गणक, सुमन गणक,भूपेश गणक सोनल गणक स्वीटी गणक ने संयुक्त रूप से विधि-विधान के पूजा कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। मौके पर पार्लर के प्रोपराइटर सुरेश गणक ने कहा कि यहां महिलाओं के लिए पार्लर का उद्घाटन किया गया है। इस पार्लर में हेयर मेकअप स्पा हेयर कटिंग ऑल टाइप मेकअप आदि किया जाएगा। मौके पर अमित कुमार सिन्हा, गंगाधर पांडे रेनू पांडे शिल्पी गणक प्रदीप कुमार शर्मा दिनेश प्रसाद कुशवाहा चिंता देवी सहित कई महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

पैसे के लेनदेन को लेकर लेकर पूर्णिया के व्यक्ति का हुआ था अपहरण

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने रविवार को प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि 18 जनवरी को उनको गुप्त सूचना मिली कि रामगढ़ थाना अंतर्गत सिद्धू कान्हू फुटबॉल ग्राउंड के पीछे स्थित कुलदीप साव के मकान में किसी व्यक्ति को अपहरण कर छुपा कर रखा गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना के बाद उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया । गठित टीम द्वारा बिना विलम्ब किये कुलदीप साव के मकान की घेरा बंदी कर छापामारी किया गया तो मकान के नीचे पार्किंग में काले रंग के स्कार्पियों के पास दो युवक खड़े दिखाई दिये । उसमें से एक युवक पुलिस को देखते ही दौड़कर भागने लगा तत्पश्चात भाग रहे युवक को पुलिस टीम के द्वारा पीछाकर पकड़ा गया तथा दूसरे युवक को स्कार्पियों के पास ही पकड़ लिया गया। बताया कि इसी क्रम में कमरे की खिड़की से अपहृत व्यक्ति द्वारा पुलिस को देख कर चिल्लाते हुए आवाज लगाया कि सर मुझे बचा लीजिए हमको ये दोनों लोग इस रूम में किडनैप कर बंद किये हुए हैं। हमको जान से मार देगें। इसके बाद पकड़े गये दोनों युवको से रूम की चाभी मांग कर दरवाजा को खोलकर अपहृत व्यक्ति को कमरे से सकुशल बरामद किया गया।

सांसद मनीष जायसवाल की बेमिसाल उपलब्धि, पत्रकारों के समक्ष गिनायी उपलब्धियां

शत-प्रतिशत उपस्थिति, 72 सवाल और 7 बार सदन में मुखरता

खबर मन्त्र संवाददाता

जानकारी देते सांसद मनीष जायसवाल

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने संसद के पहले तीन सत्रों में शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल अपनी 100% उपस्थिति दर्ज कराई, बल्कि जनहित और देशहित से जुड़े 72 सवाल भी उठाए। इसके अलावा, उन्हें 7 बार लोकसभा में विभिन्न मुद्दों पर बोलने का अवसर मिला। रविवार को हजारीबाग शहर के होटल निमंत्रण पैलेस में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने अपनी उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने पहले तीन सत्रों में कुल 44 कार्यदिवसों में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई। इन सत्रों में उन्होंने झारखंड के ज्वलंत मुद्दों जैसे हजारीबाग को प्रमुख शहरों से रेलवे के माध्यम से जोड़ने, बांग्लादेशी घुसपैठ, शिक्षा नीति में सुधार, और हजारीबाग में एम्स और कैंसर अस्पताल की स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्रीय विकास, सड़कों की स्थिति सुधारने और ब्लैक स्पॉट्स को खत्म करने जैसे विषयों को भी उठाया।

महत्वपूर्ण मुद्दे और सवाल : सांसद ने अपने पहले सत्र में शपथ ग्रहण के साथ हजारीबाग क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी। मानसून सत्र में उन्होंने रेलवे कनेक्टिविटी, शिक्षा नीति, और स्थानीय समस्याओं पर 26 सवाल पूछे। शीतकालीन सत्र में 37 सवालों के साथ उन्होंने आलू की कीमतों, हवाई अड्डे की मांग और सड़क सुरक्षा पर जोर दिया।

उन्होंने सदन में बहस के दौरान इतिहास को लेकर कांग्रेस पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और भगत सिंह जैसे महान व्यक्तित्वों को उनके सही सम्मान से वंचित किया गया है।

सड़क और परिवहन पर जोर : सांसद ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर हजारीबाग की सड़कों की स्थिति सुधारने की मांग की। उन्होंने फोरलेन सड़क निर्माण, रिंग रोड प्रोजेक्ट और ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने पर काम तेज करने का आग्रह किया। चौपारण-बरकट्ठा पुल के निर्माण में देरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया।

खेल महोत्सव: नमो फुटबॉल टूर्नामेंट : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव-2024 के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसमें 20 मंडलों की 883 टीमों के 13,245 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस महोत्सव में खिलाड़ियों को जर्सी, ट्रॉफी और पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

आगामी योजनाएं : सांसद ने आने वाले दिनों में कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें रामगढ़ में सांसद सेवा कार्यालय खोलना, 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह, दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपकरण वितरण, सोलर स्ट्रीट लाइट्स का इंस्टालेशन और रोजगार के नए अवसर सृजित करना शामिल है।

समाजसेवा में अग्रणी भूमिका : सांसद मनीष जायसवाल ने ठंड के दौरान गरीबों के बीच कंबल वितरण और लोकसभा क्षेत्र में चिकित्सा, बिजली और पानी की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि वह जनसेवा और क्षेत्रीय विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

प्रमुख समितियों में सक्रियता : मनीष जायसवाल प्राक्कलन समिति, कोल एवं माइंस की सलाहकार समिति और उपभोक्ता मामलों की समिति के सदस्य हैं। इन समितियों में उन्होंने रेलवे, सोलर एनर्जी, बीएसएनएल की परफॉर्मेंस और कोयला कंपनियों से जुड़े मुद्दों को उठाया। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, सांसद के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी समेत कई गणमान्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर में

हजारीबाग में गुंडागर्दी: दो दुकानों में तोड़फोड़, चार घायल, 10 लाख का नुकसान

हजारीबाग। के मार्खम कॉलेज रोड पर शनिवार को उपद्रवियों ने आतंक मचाते हुए दो प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और मारपीट की घटनाओं को अंजाम दिया। इस हमले में चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में पीड़ित परिवार ने स्थानीय युवक रवि पांडे पर आरोप लगाया है। पीड़ितों का कहना है कि रवि पांडे ने रंगदारी वसूलने के इरादे से दुकान में घुसकर तोड़फोड़ की। इसके बाद जब उसे रोकने की कोशिश की गई, तो उसने लोहे के एंगल से हमला कर दिया। प्रतिष्ठान संचालक पंकज गुप्ता ने बताया कि रवि पांडे ने अचानक दुकान में घुसकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब उन्होंने विरोध किया तो उन पर लोहे के एंगल से हमला कर दिया गया, जिससे उन्हें जान बचाकर भागना पड़ा। इस हमले में उनकी दुकान को करीब 8 लाख रुपए का नुकसान हुआ। एक अन्य दुकानदार सुनील कुमार ने बताया कि उनकी दुकान को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस घटना में उनके बेटे का हाथ टूट गया और खुद भी गंभीर चोटें आईं। सुनील कुमार के अनुसार, उनकी दुकान में करीब 2 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दोनों पीड़ितों ने घटना की सूचना बड़ा बाजार थाना को दी है। हालांकि, अब तक पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में गुंडागर्दी और रंगदारी वसूली की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। दुकानदारों और स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल, घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है, और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आदिवासी संस्कृति भारतीय धरोहर का अमूल्य हिस्सा: मुन्ना

हजारीबाग। हजारीबाग में रविवार को आयोजित चंपा दिशोम सोहराय महोत्सव 2025 ने आदिवासी समाज की गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया। यह महोत्सव न केवल उनकी सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव बना, बल्कि समुदाय की एकता और पहचान को भी सशक्त करने का प्रतीक रहा। इस भव्य आयोजन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर इसकी गरिमा बढ़ाई। उनके साथ राज्य मंत्री फागु बेसरा, मंत्री चमरा लिंडा, और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने मंच साझा किया। इस मौके पर मुन्ना सिंह ने कहा, आदिवासी समाज की संस्कृति भारतीय धरोहर का अमूल्य हिस्सा है। इसे संरक्षित करना और अगली पीढ़ी को इसके महत्व से अवगत कराना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। महोत्सव का आयोजन ऑल इंडिया संथाल स्टूडेंट यूनियन (झारखंड), केंद्रीय सरना समिति, और आदिवासी को-ऑर्डिनेशन कमेटी के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को सहेजना और नई पीढ़ी के बीच उनकी अहमियत को बढ़ावा देना था। महोत्सव के दौरान पारंपरिक आदिवासी नृत्य, लोकगीत और कला के विभिन्न रूपों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने न केवल अद्वितीय अनुभव प्रदान किया, बल्कि आदिवासी धरोहर की अनमोल झलक भी पेश की। मुन्ना सिंह ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा, इस प्रकार के महोत्सव न केवल आदिवासी समाज को एकजुट करते हैं, बल्कि उनकी परंपराओं को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस आयोजन ने न सिर्फ समुदाय के भीतर आत्मगौरव को प्रोत्साहित किया, बल्कि व्यापक समाज को भी आदिवासी संस्कृति की गहराई और सुंदरता से रूबरू कराया।

कोयला खदान संघर्ष समिति ट्रेड मजदूर यूनियन की बैठक सम्पन्न

बड़कागांव। कोयला खदान संघर्ष समिति ट्रेड मजदूर यूनियन की आम बैठक रविवार को लंगातु मैदान, बड़कागांव में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष शिव कुमार ओझा ने की, जबकि संगठन के महामंत्री ओमकार शर्मा ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पिछले 9-10 महीनों से यूनियन द्वारा एनटीपीसी और उसकी एमडीओ कंपनियों- त्रिवेणी सैनिक (पकरी बरवाडीह), ऋत्विक एएमआर (चट्टी बरियातु), और बीजीआर (केरेडारी) को खनन सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर 6 बार पत्र लिखे गए, जिनमें कुल 27 सवालों के लिखित जवाब मांगे गए थे। लेकिन, इन कंपनियों ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। महामंत्री ओमकार शर्मा ने कहा कि एनटीपीसी और उसकी एमडीओ कंपनियों की चुप्पी दर्शाती है कि वे डीजीएमएस (खान सुरक्षा महानिदेशालय) के मानकों को नजरअंदाज कर कोयला खनन कर रही हैं। यह गंभीर मुद्दा है, और अब यूनियन चुप नहीं बैठेगी। आगामी 26 जनवरी के बाद यूनियन प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इन पत्रों और संबंधित दस्तावेजों को सार्वजनिक करेगी। इसके अलावा, यूनियन मुख्यमंत्री, राज्यपाल और डीजीएमएस को पत्र लिखकर इस मामले को उनके संज्ञान में लाएगी। बैठक के दौरान मजदूर यूनियन के नेताओं ने कहा कि कंपनियों की यह उदासीनता न केवल खनन क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह मजदूरों के अधिकारों का हनन भी है। यूनियन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कंपनियों का यही रवैया जारी रहा, तो वे बड़े आंदोलन की रणनीति अपनाने से पीछे नहीं हटेंगी। मीडिया प्रभारी संजय कुमार पासवान ने बताया कि मजदूरों के अधिकारों की रक्षा और खनन क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना यूनियन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी और एमडीओ कंपनियों का जवाब न देना उनकी लापरवाही को उजागर करता है। यूनियन इस मामले को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उठाएगी। बैठक में अध्यक्षः शिव कुमार ओझा, उपाध्यक्षः मनोहर कुमार, मीडिया प्रभारीः संजय कुमार पासवान,केरेडारी प्रखंड अध्यक्षः विवेक कुमार, प्रमोद कुमार, जागेश्वर महतो, चेतलाल और कामेश्वर कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे। यह बैठक मजदूरों के बीच एकजुटता और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। अब देखना यह होगा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस और आगे की कार्रवाई पर कंपनियां क्या प्रतिक्रिया देती हैं।

विदाई समारोह का हुआ आयोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। कुमार क्लासेस पटेलनगर भुरकुण्डा में रविवार को 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। मंच का संस्था के अंग्रेजी शिक्षक नितेश सिंह ने किया। समारोह में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर 10वीं के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर संस्था के निदेशक संतोष कुमार ने कहा कि लक्ष्य का निर्धारण कर तैयारी की जाये तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने का संदेश देते हुए कहा कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी होती है। परिश्रम के बल पर हर मुकाम को पाया जा सकता है। निदेशक श्री कुमार ने कहा कि बच्चों को सफलता का मूल मंत्र देते हुए पेन-डायरी देकर विदाई दी। साथ ही मैट्रिक की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए आर्शीवचन भी दिया। संस्था के अंग्रेजी शिक्षक नितेश सिंह ने विद्यार्थियों को भविष्य की योजनाओं के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को जीवन में अनुशासन के महत्व की जानकारी देते हुए कई परामर्श भी दिए। श्री सिंह ने कह कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसके लिए सिर्फ और सिर्फ मेहनत करने की जरूरत होती है। इस अवसर पर बच्चों को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया।

नेट की तैयारी के लिए करें बेहतर प्लानिंग

-अनल कुमार

कोई भी उम्मीदवार इस पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है यदि उसके पास किसी भी मान्यता प्राप्त कॉलेज या विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ मास्टर डिग्री है। एक बुकवार्म की तरह अध्ययन न करें, इससे मदद नहीं मिलती है इसके बजाय समझने की कोशिश करें।

यूजीसी नेट 2019

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा या नेट एक राष्ट्रीय स्तर का परीक्षण है जो कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के व्याख्यान के लिए योग्यता निर्धारित करने के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, परीक्षण का लक्ष्य जूनियर रिसर्च फैलोशिप (जेआरएफ) के लिए उम्मीदवारों का चयन करना है। कोई भी उम्मीदवार इस पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है यदि उसके पास किसी भी मान्यता प्राप्त कॉलेज या विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ मास्टर डिग्री है। यदि आप उन लोगों में से हैं जो कॉलेज या विश्वविद्यालय में व्याख्याता बनना चाहते हैं, तो ये परीक्षा आपके लिए ही है। एक नेट प्रमाण पत्र के बिना, आप एक व्याख्याता नहीं बन सकते हैं। नेट 2018 परीक्षा का दूसरा चरण 9 और 23 दिसंबर, 2018 के बीच होने वाला है। यदि आप इसे क्रैक करने की कोई रणनीति नहीं बनाई है तो आप इश परीक्षा को उत्तीर्ण नहीं कर सकते हैं। इसलिए, सफलता सुनिश्चित करने के लिए, इस आलेख को पढें.जिसमें हमने कुछ नेट परीक्षा क्रैकिंग रणनीतियों के बारे में बताया है।

अपने पाठ्यक्रम को जानें-

किसी भी परीक्षा को उत्तीर्ण करने के लिए, सबसे पहले आपको अपने पाठ्यक्रम के बारे में जानना होगा। आपसे कोई भी प्रश्न पूछा जा सकता है। पहले पेपर में सामान्य योग्यता प्रश्न होते हैं जबकि दूसरे में संबंधित विषयों से संबंधित प्रश्न शामिल होते हैं। अपने यूजीसी नेट पाठ्यक्रम को नोट करें, और परीक्षा के लिए तैयारी करना शुरू करें।

नोट्स तैयार करें

जब किसी भी विशिष्ट जानकारी को पढऩे और याद रखने की बात आती है तो लघु नोट्स एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, आप उन्हें अपने साथ भी ले जा सकते हैं और जब आप तैयारी करना चाहते हैं तो पढऩा शुरू कर सकते हैं। यह आपको हमेशा आपके साथ अपने छोटे नोट्स रखने में मदद करेगा जो आपको परीक्षा के लिए कहीं भी तैयारी करने में मदद कर सकता है।

समय प्रबंधन-

लंबे अध्ययन से बचें, अध्ययन के घंटे 40 से 50 मिनट के ब्लॉक में विभाजित करें, और परीक्षा के लिए तैयारी करते समय इधर-उधर ध्यान न दें। यह आपकी उत्पादकता को बनाए रखेगा जो आपको परीक्षा को दरकिनार करने के लिए सभी आवशयक तैयारी करने में मदद कर सकता है।

संशोधन और आत्म विश्लेषण

परीक्षा की तैयारी के बाद, आपको इसे परिष्कृत करने की आवशयकता है। यह परीक्षाओं की तैयारी को परिष्कृत करने की एक प्रक्रिया है। यदि आप उनका पुनरीक्षण और संशोधन नहीं करते हैं तो आप कुछ विशेष तथ्यों को भूल सकते हैं। तो, यूजीसी नेट 2018 में उपस्थित होने से पहले, सुनिश्चित करें कि आपने अपना पाठ्यक्रम संशोधित किया है।

नकरात्मक अंकों का प्रावधान नहीं

इस परीक्षा के लिए कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा।दोनों परीक्षा के बीच 30 मिनट का अंतर होगा और दोनों में केवल उद्देशय के प्रकार के प्रश्न होंगे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने यूजीसी-नेट को एनटीए में आयोजित करने की जम्मिदारी सौंपी है।

यूजीसी-नेट एक सहायक परीक्षा के लिए पात्रता या कॉलेज और विश्वविद्यालय दोनों में सहायक प्रोफेसर और जूनियर रिसर्च फैलोशिप की पात्रता निर्धारित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।यूजीसी की तरफ से, भारतीय नागरिकों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के लिए केवल सहायक प्रोफेसर या जूनियर रिसर्च फैलोशिप और पात्रता के लिए भारतीय नागरिकों की योग्यता निर्धारित करने के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) आयोजित की जाती है। हाल ही में, सीबीएसई ने पूरे देश में फैले 91 चयनित शहरों में 84 विषयों में नेट का आयोजन किया।

देशभर में यूजीसी नेट का आयोजन 18 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच किया जाएगा। प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी जबकि दूसरी पाली दोपहर दो बजे से शाम 5:30 बजे तक होगी।

यूजीसी नेट की परीक्षा पहली बार ऑनलाइन कराई जा रही है। इसके लिए एनटीए ने अपनी वेबसाइट पर मॉक टेस्ट का विकल्प भी उपलब्ध कराया है। अभ्यर्थी चाहें तो वेबसाइट से अपनी तैयारी को अंतिम रूप दे सकते हैं।महत्वपूर्ण तिथियां-

- प्रवेश पत्र 19 नवंबर, 2018 तक आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।
- परीक्षा 18 दिसंबर से शुरू होगी और 22 दिसंबर, 2018 को समाप्त होगी।
- 10 जनवरी, 2019: परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने हैं।मुख्य तथ्य-

इसमें दो पेपर होंगे- पेपर क और पेपर क अतिरिक्त

दोनों दो अलग-अलग सत्रों में आयोजित किए जाएंगे।

परीक्षा को उत्तीर्ण करने के लिए उम्मीदवारों को दोनों परीक्षाओं के लिए उपस्थित होना आवश्यक है।

यूजीसी नेट 2018 परीक्षा पैटर्न

पेपर क-

- पेपर में सामान्य प्रश्न होंगे।
- इसका उद्देश्य परीक्षा के लिए उपस्थित उम्मीदवारों की शिक्षण / अनुसंधान योग्यता का आकलन करना होगा।
- इसे मुख्य रूप से तर्कसंगत क्षमता, समझ, अलग सोच और उम्मीदवारों के बारे में सामान्य जागरूकता की जांच करने के लिए डिजाइन किया जाएगा।

पेपर क अतिरिक्त

पेपर उम्मीदवारों द्वारा चुने गए विषय पर आधारित होगा।

उम्मीदवारों को अनिवार्य रूप से सभी सवालों का उत्तर देने की आवशयकता है।

आर्थिक रूप से आगे बढ़ती महिलाएं

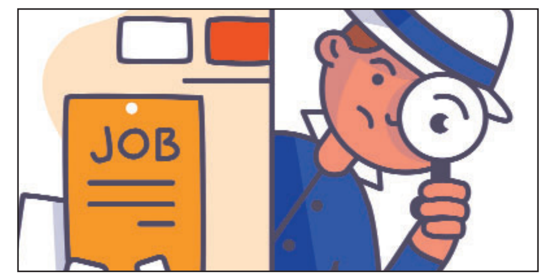

अभिषेक जैन

'परिदृश्य बदल रहा है। महिलाओं की भागीदारी सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ रही है।' ये कुछ चुनिन्दा पंक्तियां हैं जो यदाकदा अखबारों में, टीवी न्यूज चैनल पर, और नेताओं के मुंह से सुनी जाती रही है। अपने क्षेत्र में खास उपलब्धियां हासिल करने वाली कुछ महिलाओं का उदाहरण देकर हम महिलाओं की उन्नति को दर्शाते हैं। पर अगर आप ध्यान दे तो कुछ अदभुत करने वाली महिलाएं तो हर काल में रही है। सीता से लेकर द्रौपदी, रजिया सुल्तान से लेकर रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई से लेकर इंदिरा गांधी एवं किरण बेदी एवं सानिया मिर्ज़ा। परन्तु महिलाओं की स्थिति में कितना परिवर्तन आया? और आम महिलाओं ने परिवर्तन को किस तरह से देखा?

दरअसल असल परिवर्तन तो आना चाहिए आम लोगों के जीवन में। जरुरत है उनकी सोच में परिवर्तन लाने की। उन्हें बदलने की। आम महिलाओं के जीवन में परिवर्तन, उनकी स्थिति में, उनकी सोच में परिवर्तन। उनके खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। शहर असुरक्षित होते जा रहे हैं। कुछ चुनिंदा घटनाओं एवं कुछ चुनिंदा लोगों की वजह से कई सारी अन्य महिलाओं एवं लड़कियों के बाहर निकलने के दरवाजे बंद हो जाते हैं। जरुरत है बंद दरवाजों को खोलने की। रौशनी को अंदर आने देने की। प्रकाश में अपना प्रतिबिम्ब देखने की। उसे सुधारने की । निहारने की। निखारने की। इसी कड़ी में एक और दरवाजा है आत्मनिर्भरता। आर्थिक आत्म निर्भरता। उन्हें बचपन से सिखाया जाता है कि खाना बनाना जरूरी है। जरुरत है कि सिखाया जाये कि कमाना भी जरूरी है। आर्थिक रूप से सक्षम होना भी जरूरी है। परिवार के लिये नहीं वरन अपने लिए। पैसे से खुशियां नहीं आती, पर बहुत कुछ आता है जो साथ खुशियां लाता है।अगर शिक्षा में कुछ अंश जोड़ें जाये जो आपको किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी दे। आपके कौशल को उपयुक्त बनाये। आपको इस लायक बनाये कि आप अपना खर्च तो वहन कर ही सके। तभी शिक्षा के मायने सार्थक होंगे। जरूरी नहीं कि हर कमाने वाली लड़की डॉक्टर या शिक्षिका हो। वे खाना बना सकती है। पार्लर चला सकती है। कपड़े सी सकती हैं। उन्हें ये सब आता है। वे ये सब करती हैं। पर सिर्फ घर में। उनके इसी हुनर को घर के बाहर लाना है। आगे बढ़ाना है। ये एक सोच है। जरूरत है इस सोच को आगे बढ़ाने की। उनके कौशल को उनकी जीवन रेखा बनाने की। ताकि समय आने पर वे व्यवसाय कर सके। अपना परिवार चला सके। ये उन्हें गति देगा। दिशा देगा। आत्माभिमान देगा। आत्मविश्वास देगा। वे दबेगी नहीं। डरेगी नहीं। ये एक खुशहाल भविष्य की कामना है। अमल करें। अभी करें।

सरकारी नौकरी डॉटकॉम है युवाओं की पसंद

आज प्रत्येक युवा का सपना सरकारी नौकरी पाना है। यह केवल सपना है। आज की स्थिति में यह सपना साकार होना आसान नहीं है। कारण,

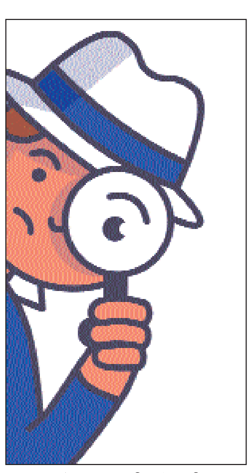

सबको सरकारी नौकरी चाहिए क्योंकि युवा अपने जीवन में स्थिरता का सपना पाले होते हैं। हमारी परंपरा ही जीवन में स्थिरता की रही है। स्थिर जीवन स्थायी नौकरी से संभव है। स्थायी नौकरी आलस्य, मनमानी के साथ ही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। आज नियोक्ता ठेका आधार पर नौकरी को महत्त्व दे रहे हैं। कर्मचारियों के हितों की बात करने वाले संगठित क्षेत्र में कर्मचारी यूनियंस महत्त्वहीन हो रही हैं। सही बात यह है कि मनमानी की यह व्यवस्था ज्यादा दिन चल नहीं सकती, फिर भी सभी युवक सरकारी नौकरी चाहते हैं।

सर्च इंजन गूगल के ताजा सर्वेक्षण के अनुसार, सरकारी नौकरी डॉटकॉम पर सबसे ज्यादा युवकों ने नौकरी खोजी है। वर्गीकृत विज्ञापन देखने के लिए क्लिक करने वाले युवा इस डॉटकॉम पर जरूर हिट कर रहे हैं। क्लासीफाइड का कारोबार देश में तेजी से बढ़ रहा है और आज यह करीब डेढ़ अरब डॉलर का बन चुका है। युवाओं ने बैंकिंग तथा सूचना तकनीकी क्षेत्र में भी रुचि दिखाई है लेकिन 38 फीसदी युवा सिर्फ सरकारी नौकरी डॉटकॉम पर हैं। यह जिस रफ्तार से चल रहा है उसे देखते हुए 2020 तक इसकी भागीदारी 65 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इसके साथ ही, ऑनलाइन कारोबार में क्लासीफाइड का कारोबार 30 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं

आत्मविश्वास से आशय स्वंय पर विश्वास एवं नियंत्रण से है। हमारे जीवन में आत्मविश्वास का होना उतना ही आवश्यक है जितना किसी फूल में खुशबू का होना। आत्मविश्वास के बगैर हमारी जिंदगी एक जिन्दा लाश के समान हो जाती है। कोई भी व्यक्ति कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, वह आत्मविश्वास के बिना कुछ नहीं कर सकता। सिर्फ दो मिनट हर दिन आप एक मोटिवेशन स्पीच चुन लें तो आपकी सोच बदलेगी जीवन भी।

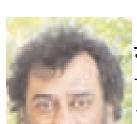

मनोज शर्मा

आत्मविश्वास ही सफलता की नींव है, आत्मविश्वास की कमी के कारण व्यक्ति अपने द्वारा किये गए कार्य पर संदेह करता है और नकारात्मक विचारों के जाल में फंस जाता है। आत्मविश्वास उसी व्यक्ति के पास होता है जो स्वंय से संतुष्ट होता है एंव जिसके पास दृढ़ निश्चय, मेहनत, लगन, साहस, वचनबद्धता आदि संस्कारों की सम्पत्ति होती है।

- सबसे पहले अपना लक्ष्य तय करें एवं उन्हें पूरा करने के लिए वचनबद्ध रहें। जब आप अपने द्वारा बनाये गए लक्ष्य को पूरा करते हैं तो यह आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देता है।
- ऐसे लक्ष्य बनाएं जिसे आप प्राप्त कर सकें क्योंकि जब आप ऐसे लक्ष्य बनाते हैं जिसे आप पूरा नहीं कर सकते तो यह आपके मनोबल को गिरा देते हैं और आपका स्वयं पर विश्वास कम हो जाता है। लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए।
- खुश रहकर खुद को प्रेरित करें। असफलता से दुखी न होकर उससे सीख लें।
- हमेशा आसान काम पहले करें और मुश्किल काम बाद में। क्योंकि जब आप पहले आसान कार्य अच्छे से कर लेते हैं तो दबाव कम हो जाता है और आत्मविश्वास बढ़ता है जिससे मुश्किल कार्य भी आसान बन जाता है।
- जब भी सोंचे तो सकारात्मक ही सोचें। इससे आत्मबल में वृद्धि होती है। विनम्र रहें एंव दिन की शुरुआत किसी अच्छे कार्य से करें।
- इस दुनिया में नामुनकिन कुछ भी नहीं है। आत्मविश्वास का सबसे बड़ा दुशमन किसी भी कार्य को करने में असफलता होने का डर है एवं डर को हटाना है तो वह कार्य अवश्य करें जिसमें आपको डर लगता है।
- वह कार्य करें जिसमें आपकी रुचि हो एंव कोशिश करें कि अपने करियर को उसी दिशा में आगे ले, जिसमें आपकी रुचि हो।
- दूसरों की देखा-देखी मत कीजिए, वह पहनिए जो आपको अच्छा लगे या मन को भाये। कपड़े कम खरीदिये लेकिन अच्छे खरीदिये।
- व्यवहारकुशल बनें और हमेशा नम्रता व मुस्कराहट के साथ व्यवहार करें।

इससे न केवल आपका आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी, बल्कि इससे आपके अच्छे मित्रों की संख्या भी बढ़ेगी। अच्छे मित्र हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहते हैं और आपके सुख दुख में हमेशा आपके साथ होते हैं।

- वर्तमान में जियें। क्योंकि न तो भूतकाल एंव न ही भविष्यकाल पर हमारा नियंत्रण है। बच्चों से दोस्तीं करें और आत्मचिंतन करें।

ध्यान, योग एवं प्राणायाम करें। अपने लिए समय निकालें और कुछ समय एकांत में बिताएं। स्वंय से बात करें और यह महसूस करें कि आप एक बेहतर इन्सान हैं।

- अपनी सफलताओं को याद करें और कल्पना करें कि आप कुछ भी कर सकते हैं और आपके लिए नामुकिन कुछ भी नहीं।
- हमेशा चिंतामुक्त रहने की आदत बनायें, रचनात्मक तरीके से सोचें और कुछ न कुछ नया करते रहें। दिन में कुछ समय संगीत सुनने, खेलने अथवा रचनात्मक कार्यों के लिए जरूर निकालें।
- आत्मनिर्भर बनें एंव जितना हो सके अपने कार्य स्वंय करने की कोशिश करें। आत्मनिर्भरता से आपका लेवल बढ़ता है।
- उस बारे में सोचना बंद कर दें जिस पर हमारा नियंत्रण न हो। अगर आप उस बातों या परिस्थितियों की वजह से दुखी हो जाते है जो आपके नियंत्रण में नहीं है तो इसका परिणाम समय की बर्बादी व भविष्य पछतावा है जिससे आपका मनोबल गिरता है।
- आप अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहें और अपना सौ प्रतिशत मेहनत व लगन से बड़े से बड़ा मुश्किल कार्य आसान हो जाता है।

अगर लक्ष्य को प्राप्त करना है तो बीच में आने वाली बाधाओं को पार करना होगा, मेहनत करनी होगी, बार बार दृढ़ निश्चय से कोशिश करनी होगी।

- असफल लोगों के पास बचने का एकमात्र साधन यह होता है कि वे मुसीबत आने पर अपने लक्ष्य को बदल देते हैं। इससे ऐसे लोगों से बचें।

अगर आपको सफल होना है तो अपने लक्ष्य पूरे करने की आदत बनाईये न कि उन्हें बार बार बदलने की, अगर आपका अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ निश्चय नहीं है तो आपके आत्मबल का गिरना तय है।

लोग क्या कहेंगे,यह मत सोचिये

सबसे बड़ा यही रोग है कि लोग क्या कहेंगे। ज्यादातर लोग कोई भी कार्य करने से पहले कई बार यह सोचते हैं कि वह कार्य करने से लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे या क्या कहेंगे और इसलिए वे कोई निर्णय ले ही नहीं पाते एवं सोचते ही रह जाते हैं एंव समय उनके हाथ से पानी की तरह निकल जाता है। ऐसे लोग हमेशा डर-डर के जीते हैं और बाद में पछताते हैं। इसलिए दोस्तों ज्यादा मत सोचिये जो आपको सही लगे वह कीजिये क्योंकि शायद ही कोई ऐसा कार्य होगा जो सभी लोगों को एक साथ पसंद आये।

जॉब खो जाने के डर से कर रहे हैं ये काम तो..

यदि आपको कभी लगता है कि आपकी कंपनी आपको नौकरी से निकाल सकती है तो ऐसा मत मानिये कि किसी प्रकार का नौकरी लॉस इंश्योरेंस आपको नई नौकरी पाने के दौरान कुछ महीनों तक सहारा देता रहेगा।

इस बात के आसार भी हो सकते हैं कि आप इसकी पात्रता भी ना रखते हों। टेक्नॉलॉजी सेक्टर में छंटनी का दौर चल रहा है। ऐसे में कर्मचारी ऐसे किसी विकल्प की तलाश में हैं जिससे उन्हें नौकरी खोने का भी बीमा मिल सके। आइये इसके बारे में कुछ और बातें जानते हैं...

- स्टैंड अलोन जॉब लॉस कवर उपलब्ध नहीं हैं। किसी भी प्रकार की बीमा कंपनी ऐसी पॉलिसी नहीं चलाती है। अन्य पॉलिसियां जो एक्सीडेंट और गंभीर बीमारी को कवर करती हैं, उसमें यह उपलब्ध है।
- यह केवल उन तीन सबसे बड़ी ईएमआइ के लिए हैं जो कि अपनी आय का पचास प्रतिशत किश्त में चुकाते हैं।
- एक से तीन महीने का समय वेटिंग पीरियड में आता है, इसका क्लेम केवल उसी समयावधि के लिए किया जा सकता है।
- छंटनी के मामले में पॉलिसी तभी लागू होती है जब नियोक्ता विलय या अधिग्रहण के चलते आपकी छंटनी कर दे। इसके लिए आपको छंटनी का लिखित प्रमाण चाहिये। बिना प्रमाण के लिए यह क्लेम मान्य नहीं होगा।
- कई पॉलिसियां ऐसी होती हैं जो कि इस तरह के क्लेम को मान्य नहीं करती। इसके अलावा विभिन्न बीमा में छंटनी को एक सूची के जरिये देखा जाता है।
- यदि नौकरी के रिस्क को लेकर कोई क्लेम पेश किया जाता है तो इसमें बहुत सारी शर्तें देखना होंगी।
- नौकरी के लॉस कवर का सीमित क्षेत्र देखते हुए इसका कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है।
- छंटनी का प्रमाण रखना बेहद जरूरी है क्योंकि वही चीज आपके काम आएगी यदि आपको क्लेम करने की पात्रता है।

स्पीड न्यूज

कानू जागरण मंच का वनभोज संपन्न

जमशेदपुर। कानू जागरण मंच जमशेदपुर झारखंड का वार्षिक पारिवारिक सम्मिलन-सह वनभोज रविवार को गम्हरिया के देवनगरी में आयोजित हुआ। पटना से आए गणेश कानू आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में मंच को सुशोभित किए। आयोजन के विशिष्ट अतिथि गढ़वा कानू विकास संघ के अध्यक्ष राम बहादुर साह और सचिव प्रमोद कुमार ने सामाजिक उत्थान के बहुमूल्य सुझाव दिए। विशिष्ट अतिथि यूसीआईएल जादूगोड़ा के रिटायर्ड डिप्टी जीएम रवीन्द्र कुमार को उनके विशेष योगदान के लिए स्मारक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समाज के शैक्षणिक, बौद्धिक और नैतिक विकास पर विशेष परिचर्चा हुयी। बच्चों और महिलाओं के मनोरंजन के लिए कई खेल और अन्यान्य प्रतियोगिताएं करायी गयी। आयोजन परिसर में वृद्धाश्रम में किए गये फलाहार वितरण, गांधी आश्रम में आहार सेवा और जमशेदपुर ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर के बैनर प्रदर्शित किए गये। प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा उक्त आयोजन मे विशेष रूप से योगदान देने वाले चयनित सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। मंच के संरक्षक संत साव, राम लाल, कृष्ण कुमार गुप्ता, अध्यक्ष आरके शशि, उपाध्यक्ष रमेश प्रसाद, महासचिव उपेन्द्र कुमार, सचिव शम्भू कुमार, कोषाध्यक्ष ब्रजकिशोर पिकनिक प्रभारी विनय भास्कर, रामानंद साह, अजय साह, कार्यकारिणी सदस्य अखिलानंद गुप्ता और जयशंकर प्रसाद सहित कमल किशोर फुलेश्वर साह अनिल कुमार मुनेश्वर साह आदि सक्रिय सदसयों की भूमिका में कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ।

फुटबॉल प्रतियोगिता का विधायक सविता महतो ने किया शुभारंभ

चांडिल। सागुन सरनी क्लब शाशनडीह द्वारा आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ईंचागढ़ के विधायक सविता महतो उपस्थित हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक सविता महतो एवं चांडिल के मुखिया मनोहर सिंह सरदार ने किक मारकर किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कदमडीह चांडिल द्वितीय स्थान जगन्नाथपुर तृतीय स्थान सासनडीह तथा चतुर्थ स्थान रुचाप ने प्राप्त किया। इस मौके पर मनोहर सिंह सरदार, काबलु महतो, संजय महतो, बाबलु मुर्मू, राजु किसकु, कुंज बिहारी गोप सहित कई लोग उपस्थित थे।

खुलासा : बेटा ने करायी बाप की हत्या

चांडिल। 13 जनवरी को चांडिल के कल्पना स्टुडियो के संचालक दिलीप गोराईं को दिनदहाड़े हत्या कर दिया गया था। इस मामले का चांडिल पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने बताया कि दिलीप गोराईं के पहली पत्नी का बेटा राकेश गोराईं ने 65000 में मारने का सुपारी दिया था। जमशेदपुर सोनारी के 19 वर्षीय सुमित सोलंकी अपने सहयोगी सोनारी निवासी 19 वर्षीय कैलाश कर्मकार के साथ मिलकर 13 जनवरी को स्टुडियो में घुस कर दिलीप गोराईं की हत्या कर दिया था।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

बीसीकेयू का एनके प्रबंधन के साथ एजेंडा मीटिंग

16 सूत्री का मांग पर प्रबंधन ने हामी भरी

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) के प्रतिनिधियों के साथ एनके एरिया मुख्य महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में जीएम ऑफिस में एजेंडा मीटिंग कर 16 सूत्री का मांग किया। बैठक में बीसीकेयू सीटू के केन्द्रीय अध्यक्ष मिथलेश कुमार सिंह मौजूद थे। एजेंडा बैठक में यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष मिथलेश कुमार सिंह ने प्रबंधन को अवगत कराते हुए कहा कि अगर हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है, तो आने वाले दिनों में क्षेत्र के मजदूरों के लिए एक लम्बी लड़ाई लड़नी होगी। प्रबंधन केवल आउटसोर्सिंग और निजीकरण की दिशा में पहल कर रही है। जिससे आसपास के रहने वाले लोगों को परदूषण के कारण जीना हराम हो रहा है। यूनियन के 16 सूत्री मुद्दों पर प्रबंधन से सकारात्मक वार्ता हुआ और उसे पूरा करने का भरोसा दिया। प्रतिनिधियों के 16 सूत्री मांग में झारखंड सरकार दिशानिर्देश पर विस्थापित बेरोजगारों को 75 प्रतिशत हिस्सा,तुमांग एवम विश्रामपुर पंचायत के ग्रामीण जो भूमिगत खदान के ऊपर रह रहे हैं कंपनी के पुर्नवास नीति के तहत जल्द विस्थापन करें,एनके एरिया में जर्जर हो रहे कामगारों के आवासों को जल्द ठीक किया जाय, खदान में हो रहे हेवी ब्लास्टिंग पर रोक लगाया जाय,एनके एरिया में हो रहे लोहा,कोयला और तेल चोरी पर रोक लगाया जाए,परदूषण पर रोक,कोयला निकासन के बाद खुली खदान को समतल किया जाय,सहित अन्य मांगों को लेकर अपनी बात को रखा गया। जिसमें एनके प्रबंधन ने सहमति जताई गई है। मौके पर रिजनल सचिव धनेसर तुरी, जोनल अध्यक्ष रतिया गंझू एरिया सचिव इरफान खान, संगठन सचिव संतोष मेहता, सह सचिव तौहीद अंसारी, जावेद खान, राजकुमार महतो, मेंहदी हसन खान, मनोज गोप, अमर भोक्ता, किरन देवी, उपेंद्र महतो सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड राज्य दूध उत्पादक किसानों की राज्य स्तरीय बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। झारखंड राज्य दूध उत्पादक मेधा डेयरी के किसानों की राज्य स्तरीय बैठक रविवार को विशेश्वर शाही की अध्यक्षता में मांडर के सोसई आश्रम मैदान में किया गया। वेरिएशन के नाम पर प्रबंधन द्वारा पैसा काटा जा रहा है जिससे दुग्ध उत्पादक किसान आक्रोशित थे। बैठक में निर्णय लिया गया एक प्रतिनिधिमंडल मेधा प्रबंधक से मिलकर समस्याओं से अवगत कराएंगे। वेरिएशन के नाम पर पैसा काटा जा रहा है, उसका विरोध करेंगे। बैठक में पलामू, लोहरदगा, देवघर, गुमला, गढ़वा, हजारीबाग, गोड्डा ,रामगढ़, दुमका के किसान प्रतिनिधि शामिल हुए। संचालन सुजीत शाहीने किया। धन्यवाद ज्ञापन जावेद अंसारी ने किया। मौके पर विनोद सिंह, भानु महतो इंद्रदेव महतो सहित लगभग 500 प्रतिनिधि शामिल हुए।

फुटबॉल के जादूगर स्वर्गीय कांशीनाथ महतो मेला कल लेंगहातु भेलवा टुंगरी में

खबर मन्त्र संवाददाता

मुरी /सिल्ली। फुटबॉल खेल के जादूगर कहे जाने वाले एजी बिहार रांची के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी स्वर्गीय काशीनाथ महतो की स्मृति में लगने वाले भेलवा टुंगरी टुसू मेला का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जनवरी को किया गया है जिसमें फुटबॉल खेल, क्रिकेट खेल, महिला पता नाच टुसू दर्शनी और मुर्गा लड़ाई का भी आयोजन किया गया है ।स्वर्गीय काशीनाथ महतो अपने जमाने के जाने-माने फुटबॉल खिलाड़ी थे। लेंगहातु फुटबॉल क्लब के नाम से उन्होंने फुटबॉल टीम की स्थापना की थी जिसका वह कप्तान थे। एलएफसी की जर्सी में वे 10 नंबर की जर्सी पहनते थे। स्वर्गीय काशीनाथ महतो को उनकी खेल की जादू देखने के लिए काफी बड़ा भीड़ जमा हो जाता था ।उनके साथ खेलने वालों में मधुसूदन महतो, रामनाथ महतो, भंदु उरांव, नीताई उरांव ,दाम महतो, सूंची राम महतो, बनमाली महतो, भृगु राम उरांव, फूलचंद उरांव ,हरेंद्र उरांव, राजेंद्र महतो, रविंद्र महतो, समरा महतो, हराधना महली, रोहिना महतो, बुधराम कर्मकार, अनूप साहू, जोगेंद्र महतो, रंजीत महतो, रंजीत मिंज राजेंद्र उरांव जैसे खिलाड़ी लेंगहातु फुटबॉल क्लब टीम से खेला करते थे। स्वर्गीय काशीनाथ महतो के निधन से फुटबॉल खेल को बड़ा झटका लगा, लोगों ने उसकी स्मृति में भेलवा टुंगरी लेंगहातु में मेला का आयोजन कर उनको श्रद्धांजलि देते हैं तथा मेला कमेटी की ओर से उनके साथ फुटबॉल खेलने वाले लोगों को काशीनाथ महतो के परिवार के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया जाता है । मेला में श्रद्धांजलि देने के लिए काशीनाथ महतो का पूरा परिवार उपस्थित रहता है। मेला के आयोजन में मधुसूदन महतो लक्ष्मण महतो विशाल महतो विकास महतो सुभाष महतो महतो मनोहर महतो फारूक मोमीन चांद हुसैन धनेश्वर बेदिया बंशीधर उरांव जीतू महतो जितेंद्र महतो हराधना महतो कैलाश महतो शिशुपाल महतो दिलीप मिंज आदि लोगों का बड़ा योगदान है। मेला की मॉनिटरिंग मुखिया लालु राम उरांव की देख रेख में की जा रही है। मेला कमेटी के अध्यक्ष विकास कुमार महतो और सचिव लक्ष्मण महतो के प्रयास से आज काशीनाथ महतो स्मृति भेलवा टुंगरी मेला भव्य आयोजन हो पा रहा है।

स्व. कुणाल कुमार मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

रोहित इलेवन लगाम बना चैंपियन

सिल्ली। सिल्ली ग्राम विकास विद्यालय मैदान में रविवार को स्व कुनाल कुमार मेमोरियल एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि सिल्ली के पाटका गांव निवासी 31 वर्षिय कुणाल कुमार का पिछले 15 अप्रैल 2022को आकस्मिक निधन गया था।वे क्षेत्र के जाने माने क्रिकेट खिलाड़ी थे उनके याद में उनके साथी खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता का आयोजन किया । प्रतियोगिता में नामकोम, खेलगांव रांची, झालदा, तुलीन, लगाम समेत आसपास के कुल आठ टिमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मैच करमा इलेवन केसरडीह और रोहित इलेवन लगाम के बीच खेला गया ।जिसमें करमा इलेवन ने निर्धारित 4 ओवर में 5 विकेट खोकर 45 रन बनाया। वहीं जबावी पारी खेलते हुए रोहित इलेवन ने 2 विकेट खो कर 3. 3 ओवर में लक्ष्य को हासिल किया एवं 8 विकेट से जीत कर प्रतियोगिता का चैम्पियन बना। मुख्य अतिथि गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, पुर्व जिप सदस्य चित्तरंजन महतो ने विजेता टीम को नगद 15 हजार रुपए एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

दुसाध समिति जमशेदपुर का वार्षिक वनभोज सह पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित

एक नजर में

जमशेदपुर। रविवार को सिद्धगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाउन हॉल मैदान मे दुसाध समिति जमशेदपुर के द्वारा वार्षिक वनभोज सह पारिवारिक मिलन समारोह 2025 का भव्य रूप से आयोजन किया गया जिसमे कि दुसाध समिति जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्र से लोगो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया कार्यक्रम का शुभारम्भ आये हुए अतिथियों के द्वारा बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर बिरसा मुंडा बाबा चौहाद माल के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप जलाकर किया आये हुए अतिथियों का दुसाध समितिके द्वारा पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया स्वागत भाषण दुसाध समिति अध्यक्ष गौरी देवी ने दिया संचालन सचिव पूर्णिमा देवी धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष अजय कुमार ने दिया कार्यक्रम मे दुसाध समिति के सामाजिक आर्थिक राजनैतिक उत्थान को मजबूत करने का संकल्प लिया कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे ओड़िशा के पूर्व राजपाल श्री रघुवर दास जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो पूर्वी कि विधयाक पूर्णिमा साहू दास उपस्थित थे। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि सरयू पासवान, अशोक प्रसाद पासवान, गौरी देवी, पुर्णिमा देवी, रवि पासवान, सिकन्दर पासवान, अशोक पासवान, राम, अजित प्रसाद, सिकन्दर लाल, भागवद प्रसाद मौजूद थे।

पटमदा के जोड़सा पंचायत के घोड़ाबंधा गांव में वनभोज मनाया गया

जमशेदपुर। विश्वनाथ महतो कहा कि अमूमन हमलोग देखते आए हैं कि नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने के लिए वास्तु शास्त्र, ज्योतिष शास्त्र इत्यादि का सहारा लिया जाता है। लेकिन बृहद झाड़खंड के छोटानागपुर क्षेत्र के आदिवासी- मूलवासी नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने के लिए बिल्कुल ही अलग उपाय करते हैं। इस उपाय से न केवल नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने की मान्यता है, बल्कि गांव के लोगों और जानवरों को सुरक्षित रखने का भी दावा किया जाता है। छोटानागपुर के आदिवासी समुदाय गांव में मनुष्य और जानवर सुरक्षित रखने के लिए के मकर संक्रांति के बाद जो भी पहला रविवार होता है, उस दिन सामुहिक रूप से अपनी परंपरा का निर्वहन करते हैं। उसे बोड़ाम बाटिया कहा जाता है। मकर संक्रांति और टुसु परब के बाद कृषि कार्य करने वाले लोगों के लिए नया साल का पहला महीना माघ (जनवरी) के रविवार को ग्रामीण बोड़ाम बाटिया करते हैं। जिसमें अपने घरों में साल भर उपयोग में आने वाली बांस के उपकरणों, चूल्हे की राख, ढुटका झाड़ू (आधा घिसा हुआ झाड़ू) इत्यादि के साथ साथ बीते साल के जो कुछ नकारात्मक ऊर्जा देने वाली वस्तुओं को इक्कठा करते हैं। उन इकट्ठा गए वस्तुओं पर एक लोटा पानी डाल उन्हें गांव के सीमा क्षेत्र के बाहर फेंका जाता है। बताते हैं कि ग्रामीणों का एक समूह सबसे पहले गांव में पुराने वस्तुओं को इकट्ठा करते हैं। फिर उन्हें रीतिरिवाज के साथ गांव के अंतिम सीमा पर फेंक देता हैं। इस दौरान नकारात्मक ऊर्जा के रूप में जिन्दा मुर्गी के चूजों को प्रतीकात्मक रूप से उड़ाकर उसे छोड़ दिया जाता है। ग्रामीण अपने ग्राम देवता से गांव के मनुष्यों और जानवरों के सुरक्षा की कामना करते हैं। बोड़ाम बाटिया परंपरा के अनुसार पुराने वस्तुओं को फेंकने के बाद सामुहिक वनभोज का आयोजन होता है जिसमें घर के महिला पुरुष बच्चा बिना किसी भेदभाव से ग्रामीण वनभोज करते है। मौके पर विश्वनाथ महतो, शत्रुघन सिंह, मनोहर सिंह, हेमंत सिंह, संजय सिंह, कल्याण सिंह, माधाई सिंह, चित्तरंजन सिंह, हिमाद्री सिंह, धनिकलाल महतो आदि शामिल थे।

केन्द्रीय शिक्षा सचिव पहुचे नवागढ पंचायत

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। केन्द्रीय शिक्षा सचिव सुनील कुमार वर्णवाल रविवार को नवागढ पंचायत के रंगामाटी बरवाटोली गांव में विकास कार्यों की जानकारी ली। मालूम हो कि सुनील कुमार वर्णवाल जब मुख्यमंत्री रघुवर दास के प्रधान सचिव थे उस समय नवागढ पंचायत को उन्होंने गोद लेकर आदिवासी आदर्श पंचायत बनाने हेतू काफी काम किए थे। यही कारण है कि झारखंड सरकार के द्वारा वर्तमान में नवागढ पंचायत को मॉडल पंचायत बनाने की दिशा कार्य किया जा रहा है। केन्द्रीय शिक्षा सचिव सुनील कुमार ने वर्णवाल ने कहा की आज यहां आकर उन्हें काफी अच्छा महसूस हो रहा है क्योंकि जिस वृक्ष को उन्होंने लगाया था वह अब फल देना शुरू कर दिया है। कहा कि उन्हें अपने शैक्षिक प्रवास के दौरन कुछ समय बिताने का मौका यहां मिला था इसलिए उन्हें इस पंचायत से जुड़ाव सा हो गया है। तब यहाँ उन्होंने विशेष रूप से शिक्षा पर जोर देते हुए कहा की पंचायत का विकास के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। कहा कि पंचायत के सभी अखण्डानन्द शिक्षा संस्कार केन्द्र में स्मार्ट कलास चलाने की व्यवस्था करने की आवश्यकता है। पंचायत में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी संतोष बेदिया ने दी। मौके पर राजेन्द्र शाही मुण्डा, भुवनेशवर बेदिया, रेखा देवी, प्रदीप महतो, कमल बेदिया, धनेशवर बेदिया रोहित शाही, नरेन्द्रनाथ बेदिया सोमरा बेदिया जगदीश भोगता वार्ड सदस्य गीता देवी वार्ड सदस्य गायत्री देवी आदि उपस्थित थे।

भगत टुसू मेला बालिका फूटबॉल की चैंपीयन बनी आगर टोली एफसी

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। भगत टूसू मेला में आयोजित बालिका फूटबॉल प्रतियोगिता का आगरटोली एफसी ने चारीहुजीर एफसी को पराजित कर चैंपीयन बनी। फाईनल मुकाबला में आगर टोली की लड़कियों ने चारी हुजीर की लड़कियों को 02-01 से पराजित किया मनातु की टीम को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा । विजेता टीम को नकद 11हजार रुपए उप विजेता टीम को सात हजार रुपए तथा तीसरा स्थान पर रहे मनातू की टीम को तीन हजार रुपया नकद पुरुस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया ।पुरस्कार का वितरण मुख्य अतिथि जिप सदस्य अनुराधा मुंडा विशिष्ट अतिथि नरेश साहु डॉ दिनेश कुमार हाथों किया गया ।समारोह का संचालन डॉ रिझू नायक ने किया । खेल को संपन्न करने में मेला समिति के संरक्षक डॉ रिझू नायक अध्यक्ष राजू नायक ग्राम प्रधान शिबु मुन्डा मुख्य संरक्षक एतवा भगत सिकन्दर अन्सारी शमसाद अन्सारी सलीम अन्सारी रोहित करमाली सज्जाद अन्सारी इत्यादि ने अपना योगदान दिया ।

सरायकेला-खरसावां बॉक्सिंग एसोसिएशन की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

गम्हरिया। सरायकेला-खरसावां बॉक्सिंग एसोसिएशन की वार्षिक बैठक रविवार को गम्हरिया प्रखंड के सिद्धू कानू चौक मीरूडीह में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बास्को बेसरा ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी उपस्थित रही। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में अंकुर सिंह, अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग कोच अर्नेस्ट लकड़ा, अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज अरुणा मिश्रा और सिले सोय भी मौजूद थे। बैठक गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत सिद्धू कानू चौक मीरूद में हुई। जोबा मांझी एसोसिएशन के सभी पदाधिकारीयों का घोषणा की। जिसमें अध्यक्ष के रूप में बास्को बेसरा, उपाध्यक्ष अमित सिंह देव जी एवं एपील सामद, महासचिव हिमांशु कुमार सिंह, सहसचिव बलराम पटसानी, कोषाध्यक्ष पी वासुदेव राव, कार्यकारी सदस्य अजीत कुमार सिंह संतोष महतो एवं अनिरुद्ध महतो के रूप में घोषणा की। संबोधन में संगठन को लेकर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए क्षेत्र के ऊर्जावान युवाओं को इस खेल से जुड़ने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने की अपील की। विशिष्ट अतिथि अंकुर सिंह ने कहा कि जल्द ही एसोसिएशन के साथ मिलकर राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

टाटा मोटर्स यूनियन ने किया पारिवारिक मिलन समारोह

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन का पिकनिक सह पारिवारिक मिलन समारोह रविवार को हुडको में आयोजित की गई। ट्रेड यूनियन के इतिहास में पहली बार टाटा मोटर्स यूनियन के 85 सदस्यों वाले यूनियन के सभी सदस्य, पदाधिकारीगण, अध्यक्ष एवं महामंत्री सपरिवार इस आयोजन में हिस्सा लिये। मिलन समारोह के दौरान सबों का एक दूसरे से परिचय हुआ। इस दौरान बच्चों, महिलाओं समेत पुरुषों के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। यूनियन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह एवं महामंत्री आरके सिंह आयोजन के सफलता पर संतोष जताते हुए सबों के प्रति आभार जताएं।

स्पोर्ट्स क्लब मैदान मऊभंडार में सातवें घाटशिला फ्लावर शो का उद्घाटन 24 जनवरी को

जमशेदपुर। क्रियेसन्स व घाटशिला फ्लावर शो कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में 24 और 25 जनवरी को मऊभंडार स्पोर्ट्स क्लब मैदान में सातवे दो दिवसीय घाटशिला फ्लावर शो का आयोजन किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए झारखंड उदय व क्रिएशंस के प्रमुख रवि प्रकाश सिंह और घाटशिला फ्लावर शो कमेटी के अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला ने बताया की सातवें घाटशिला फ्लावर शो का उद्घाटन 24 जनवरी सुबह 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष के फ्लावर शो में फूलों और बोनसाई प्लांट के साथ-साथ औषधीय पौधों और किचन गार्डनिंग पर विशेष जोर दिया गया है। पहले दिन 24 जनवरी को शाम 4 बजे से डॉग परेड कार्यक्रम का भी आयोजन होगा। जिसमें घाटशिला व आसपास के विभिन्न नस्ल के कुत्तों का परेड प्रदर्शन किया जाएगा। वही फ्लावर शो के समापन के दिन 25 जनवरी की सुबह 9 बजे वेल बेबी प्रतियोगिता आयोजित होगी। जिसमें एक से तीन वर्ष तक के बच्चे अपने अभीभावको के साथ शामिल होंगे। जिसमें तीन सदस्यिय निर्णायिक मंडली सर्वश्रेष्ठ शिशुओ का चयन करेंगे। वही दोपहर 12 बजे से लाइव सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता भी आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न स्कूलों के चयनित विद्यार्थी पौधों के बीच बैठकर कागज पर अपनी कला उकेरेंगे। वही शाम 4 बजे से 5 से 8 वर्ष के बच्चों के बीच फैशन परेड का भी आयोजन किया गया है, जिसमें बच्चे रैम्प पर चलकर अपने कला का प्रदर्शन करेंगे। शाम को प्रदेश के स्कूली शिक्षा साक्षरता व निबंधन मंत्री रामदास सोरेन की मौजूदगी में घाटशिला फ्लावर शो के साथ-साथ विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रस्तुत किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्र के कई नामी कलाकार अपनी संगीतमय प्रस्तुति भी देंगे साथ ही फ्लावर शो में आने वाले सभी दर्शकों के लिए भी विजिटर प्राइज की व्यवस्था की गई है।

धोबी समाज की केंद्रीय कमिटी ने मनाया वार्षिक मिलन समारोह सह वनभोज

आधुनिकता के साथ सामाजिकता भी सिखाना युवा पीढ़ी को आज जरूरी: दिनेश कुमार

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। धोबी समाज का वार्षिक मिलन समारोह समाज के अध्यक्ष धनेश्वर प्रसाद की अध्यक्षता में सी पी समिति सभागार गोलमुरी में संपन्न हुई।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता खेमलाल चौधरी उपस्थित थे। भगवान शिव, बाबा संत गाडगे और डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्रों के समीप दीप प्रजवल्लित कर कार्यक्रम की शुरूवात की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते दिनेश कुमार ने कहा कि सामाजिक एकजुटता तो मायने रखता ही है लेकिन सामाजिक जागृति बहुत महत्वपूर्ण है। किसी भी समाज को आगे बढ़ाने में समाज के पदाधिकारियों और युवा पीढी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है, युवा पीढ़ी को आधुनिकता के साथ सामाजिकता का भी जान देना आज जरूरी है। खेमलाल चौधरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता का कोई जोड़ नहीं है जहां हमारी संस्कृति और सभ्यता को बाहर के लोग अपना रहे है वही हम लोग पाश्चात्य सभ्यता को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे है जो आज के युवा पीढ़ी के लिए घातक है। अध्यक्ष धनेश्वर प्रसाद ने कहां की समाज में वरिष्ठ सदस्यो का सहयोग लेते हुए नए यूवाओ को भी सामाजिक कार्यों में अवसर देने का प्रयास कर रहा हूं। समाज के द्वारा शैक्षणिक माहौल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रथम और द्वितीय श्रेणी प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरुस्कृत किया गया, समाज के बच्चो के द्वारा सांस्कृतिक एवम मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया साथ ही खेलकूद का भी आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरुस्कृत। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन रूपेश कुमार ने और महिला अध्यक्षा ममता देवी और महामंत्री रुक्मणि देवी ने अपना विचार व्यक्त किया किया, कार्यक्रम में मुख्यरूप से समाज के मनोज रजक, पुनित रजक, तरूण प्रसाद, राम जी, देवानंद रजक, राम रजक, बिरेंद्र रजक, महिला अधिकारी गण रूक्मिणी देवी, गीत देवी, लक्ष्मी रजक, सविता देवी, सेवती रजक, शशि रजक, विद्या रजक,पूनम रजक, नेहा देवी, पूनम देवी, सुनीता देवी, नेहा देवी ने इस कार्यक्रम को एकजुटता के साथ सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारतीय महिला व पुरुष टीम ने जीता पहले खो खो विश्वकप का खिताब

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने रविवार शाम खेले गये फाइनल मुकाबले में नेपाल को 38 अंक से हराकर पहले खो-खो विश्वकप का खिताब अपने नाम किया। रविवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेला का मुजाहिरा करते हुए पहले टर्न में भारत ने 34 अंक बनाये वहीं नेपाल की टीम स्कोर करने में विफल रही। वहीं दूसरे टर्न में भारत का स्कोर 35 अंक रहा जबकि नेपाल की टीम ने 24 हासिल किये। दूसरे टर्न में भारत ने एक अंक तथा नेपाल ने 24 अक बनाये। ब्रेक के बाद तीसरे टर्न मे भारत ने 73 अंक तथा नेपाल का 24 अंक का स्कोर रहा। तीसरे टर्न में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए 38 अंक अर्जित किये। चौथे टर्न की पहली पारी में नेपाल ने छह अंक बनाये वहीं भारत को पांच अंक मिले। पहली पारी का स्कोर 78-30 रहा। चौथे टर्न में आखिरी सिटी बजने पर स्कोर भारत के 78 अंक और नेपाल के 40 अंक रहे। भारतीय महिला टीम ने यह मुकाबला 38 अंक से जीत लिया।

नयी दिल्ली। भारतीय पुरुष टीम ने रविवार शाम खेले गये फाइनल मुकाबले में नेपाल को 18 अंक से हराकर पहले खो-खो विश्वकप का खिताब अपने नाम किया। रविवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय पुरुष टीम ने शानदार आक्रामक खेल का मुजाहिरा करते हुए पहले टर्न में 26 अंक बनाये वहीं नेपाल की टीम स्कोर करने में विफल रही और पहले टर्न का स्कोर 26-0 रहा। वहीं दूसरे टर्न में भारत का स्कोर 26-18 अंक रहा। दूसरे टर्न में भारत ने दो अंक तथा नेपाल ने 18 अंक बनाये।

पीएम ने दी बधाई

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने खो-खो विश्वकप जीतने पर भारतीय टीम को दी बधाई। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारतीय महिला टीम को पहली बार खो-खो विश्व कप जीतने पर बधाई। यह ऐतिहासिक जीत उनके अद्वितीय कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का परिणाम है।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-19 टी-20 विश्वकप में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया

भारत ने जीत के साथ शुरू किया अभियान

एजेंसी

मलयेशिया। अंडर-19 महिला विश्व कप के तीसरे संस्करण में भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर अपने अभियान की शुरूआत की। रविवार को मलयेशिया के कुआला लुमपुर में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 13.2 ओवर में 10 विकेट पर सिर्फ 44 रन बनाए। जवाब में भारत ने महज 4.2 ओवर में एक विकेट गंवाकर 47 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में भारत के लिए परुनिका सिसोदिया ने तीन विकेट लिए। उन्होंने 3.00 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की और सिर्फ सात रन खर्च किए। इस घातक गेंदबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ताश के पत्तों की तरह बिखरा वेस्टइंडीज का बल्लेबाजी क्रम

ग्रुप ए के इस मुकाबले में भारतीय टीम की गेंदबाजी शानदार रही। परुनिका के अलावा वीजे जोशिता और आयुषी शुक्ला ने दो-दो विकेट हासिल किए। जोशिता ने वेस्टइंडीज की कप्तान समर रामनाथ (3) और एन कंबरबैच (0) को पवेलियन भेजा। वहीं, आयुषी ने जाहजरा क्लेक्सटन (0) और क्रिस्टन सदरलैंड (0) को अपना शिकार बनाया। इसके अलावा परुनिका ने बी हरिचरन (0), के कसर (15) और एस रॉस (0) को आउट किया। भारत की घातक गेंदबाजी के खिलाफ वेस्टइंडीज का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। उनके नौ खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

26 गेंदों में भारत ने हासिल किया लक्ष्य

जवाब में भारतीय महिला टीम ने महज 26 गेंदों में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरीं गोंगदी त्रिशा ने चार, जी कमालिनी ने 16* और सनिका चलके ने 18* रन बनाए। वहीं, वेस्टइंडीज के लिए जाहजरा ने एक विकेट चटकाया।

रणजी ट्रॉफी: राजस्थान क्रिकेट टीम घोषित

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ ने रणजी ट्रॉफी के जयपुर में विदर्भ के विरुद्ध 23 जनवरी से खेले जाने वाले मैच के लिये रविवार को महिपाल लोमरोर के नेतृत्व में 15 सदस्यीय राजस्थान रणजी टीम घोषित की। आरसीए के मीडिया प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि टीम में महिपाल लोकरोर को कप्तान और मानव सुथार को उप कप्तान बनाया गया है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 127 रनों से हराया

मुल्तान। कप्तान शान मसूद (52) की अर्धशतकीय पारी के बाद साजिद खान (पांच विकेट) और अबरार अहमद (चार) की घातक गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 123 के स्कोर पर ढ़ेर कर मुकाबला 127 रनों से जीत लिया हैं। मैच में कुल नौ विकेट लेने वाले साजिद खान को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। 251 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर पायी और पूरी टीम 36.3 ओवर में 123 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज के ऐलेक ऐथनेज ने सर्वाधिक (55) रनों की पारी खेली। टेविन इमलाक (14), मिकाइल लुईस (13), क्रेग ब्रैथवेट (12), केविन सिंक्लेयर (10) रन बनाकर आउट हुये। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी संभाल सकते हैं ऋषभ पंत

नयी दिल्ली। स्टार भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 संस्करण से पहले संजिका गोयनका के स्वामित्व वाली लखनऊ सुपर जायंट्स का कप्तान बनाया जा सकता है। दाएं हाथ के बल्लेबाज केएल राहुल को आइपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले लखनऊ फ्रैंचाइजी ने रिटेन नहीं किया जबकि उन्होंने कैश-रिच लीग के अपने पहले दो संस्करणों में टीम को प्लेऑफ में पहुंचाया था। राहुल को रिटेन न करने के बाद टीम के पास पंत और श्रेयस अय्यर के बीच भूमिका के लिए चयन करने के लिए दो विकल्प थे इसलिए फ्रैंचाइजी और प्रबंधन ने पूर्व के साथ जाने का विकल्प चुना।

बीसीसीआइ का बंगाल क्रिकेट संघ को सख्त निर्देश

एजेंसी

कोलकाता। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम कोलकाता पहुंच चुकी है। पहला मुकाबला 22 जनवरी यानी बुधवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले दोनों टीमें तीन अभ्यास सत्र में भाग लेंगी। इस बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बंगाल क्रिकेट संघ को सख्त आदेश दिए हैं कि किसी भी खिलाड़ी के लिए अलग से वाहन की व्यवस्था नहीं होगी। बोर्ड ने कहा है कि सभी खिलाड़ी टीम बस से यात्रा करेंगे।

सीएबी अध्यक्ष का बयान

बीसीसीआइ से मिले सख्त निदेशों की पुष्टि करते हुए बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए अलग से कोई व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने कहा- खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई के 10 सूत्री दिशानिदेशों को ध्यान में रखते हुए बंगाल क्रिकेट संघ ने परिवहन के लिए अलग से कोई व्यवस्था नहीं की है। बंगाल के पूर्व क्रिकेटर और सौरव गांगुली के बड़े भाई ने आगे कहा- भारतीय टीम के लिए केवल एक टीम बस की व्यवस्था की गई है। क्रिकेटरों के लिए कोई निजी वाहन नहीं होगा। हमें दिशानिदेशों का पालन करना होगा, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सभी खिलाड़ियों को मैच और अभ्यास सत्र के लिए टीम के साथ यात्रा करने की उम्मीद है।

सभी खिलाड़ी करेंगे टीम बस से यात्रा

भारतीय टीम के लगातार गिरते प्रदर्शन पर मंथन के बाद सुधार के लिए बीसीसीआइ ने हाल ही में 10 सूत्रीय नीति पेश की थी। इसके तहत खिलाड़ियों को निर्धारित अभ्यास सत्रों की पूरी अवधि के लिए रुकना होगा और आयोजन स्थल तक एक साथ यात्रा करनी होगी। बीसीसीआइ द्वारा जारी की गई एसओपी में कहा गया है कि यह नियम प्रतिबद्धता सुनिश्चित करता है और टीम के भीतर एक मजबूत कार्य नैतिकता को बढ़ावा देता है।

टी20 में शानदार है भारत का इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड

ऐतिहासिक ईडन गार्डंस पर तीन साल बाद पहला टी20 मैच हो रहा है। इस प्रारूप में भारत का इंग्लैंड के मुकाबले रिकॉर्ड शानदार रहा है। दोनों टीमों के बीच कुल 24 मैच खेले गए हैं। इनमें भारतीय टीम ने 13 मैच जीते हैं जबकि 11 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, इंग्लैंड ने 11 में जीत और 13 मुकाबलों में शिकस्त दर्ज की है।

नीदरलैंड के अनीश को हराकर गुकेश ने मास्टर्स टूनार्मेंट की शानदार शुरूआत की, महिलाओं में वैशाली भी जीतीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। हाल ही में खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाले स्टार भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विषम परिस्थितियों से उबर कर नीदरलैंड को अनीश गिरी को हराया और टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स टूनार्मेंट की शानदार शुरूआत की। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले गुकेश भारत के सर्वोच्च खेल पुरस्कार लेने के बाद एम्स्टर्डम के लिए रवाना हुए थे और मैच से ठीक पहले ही वहां पहुंचे। गुकेश उन चार भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खेल रत्न पुरस्कार दिया गया था। गुकेश पर मैच के दौरान थकान दिख रही थी जिसका असर उनके गेम पर भी पड़ रहा था। एक वक्त गुकेश हार की स्थिति में दिख रहे थे, लेकिन इसके बाद वह बाजी पलटने में सफल रहे और उन्होंने अपने अभियान की विजयी शुरूआत की।

हरिकृष्णा ने एरिगेसी को हराया

ओपन वर्ग में पहले दौर में तीन बाजियों का ही परिणाम निकला। भारत के हरिकृष्णा ने अपने सफेद मोहरों का भरपूर उपयोग करते हुए हमवतन और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी को हराया। लियोन ल्यूक मेंडोंका ने लगभग जीती हुई स्थिति हाथ से निकल जाने दी, क्योंकि उन्होंने कई गलतियां कीं, जिससे जर्मनी के विंसेंट कीमर को विजयी शुरूआत मिली, जबकि आर प्रज्ञानंद ने नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ अपना मुकाबला ड्रॉ खेला।

वैशाली जीतीं, दिव्या को मिली हार

पहले दौर की अन्य बाजी भी बराबरी पर छूटी। चीन के गत चैंपियन वेई यी ने अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारूआना के साथ, नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम ने सर्बिया के एलेक्सी साराना के साथ और एक अन्य स्थानीय खिलाड़ी जॉर्डन वैन फॉरेस्ट ने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के साथ अंक बांटे। चैलेंजर्स वर्ग में आर वैशाली ने विश्व के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय मास्टर अर्जेंटीना के ओरो फॉस्टिनो को हराकर विजयी शुरूआत की, लेकिन दिव्या देशमुख अपने से ऊंची रैंकिंग वाली उज्बेकिस्तान की नोदिरबेक याकुबोएव से हार गईं।

ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने रचाई शादी, सोशल मीडिया पर किया एलान

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने जीवन के नए अध्याय की शुरूआत की है। वह शादी के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने इसका एलान रविवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा- 'जीवन के नए अध्याय की शुरूआत अपने परिवार के साथ। हर उस आशीर्वाद के लिए आभारी हूं जो हमें इस पल में एक साथ लाया। नीरज की जीवनसंगिनी का नाम हिमानी है।

कौन हैं हिमानी

चोपड़ा के चाचा भीम ने बताया कि विवाह देश में हुआ और यह जोड़ा हनीमून के लिए रवाना हो गया है। हिमानी वर्तमान में अमेरिका में पढ़ाई कर रही हैं। वह न्यू हैम्पशर में फ्रैंकलिन पियर्स यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रही हैं। वह दिल्ली के मिरांडा हाउस की पूर्व छात्रा हैं जहां उन्होंने राजनीति विज्ञान और शारीरिक शिक्षा में स्नातक की डिग्री पूरी की। भीम ने बताया, 'हां, विवाह दो दिन पहले भारत में हुआ। मैं यह नहीं बता सकता कि यह कहां हुआ। उन्होंने कहा, लड़की सोनीपत की है और वह अमेरिका में पढ़ाई कर रही है। वे हनीमून के लिए देश से बाहर गए हैं और मुझे नहीं पता कि वे कहां जा रहे हैं। हम इसे ऐसे ही रखना चाहते थे। अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआइटीए) की वेबसाइट के अनुसार, 2018 में हिमानी की सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय रैंकिंग एकल में 42 और युगल में 27 थी। उन्होंने 2018 में ही एआईटीए स्पधाओं में खेलना शुरू किया।

करुण की चैंपियंस ट्रॉफी टीम से अनदेखी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने चयनकताओं द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारत की टीम में करुण नायर को नहीं चुने जाने के बाद घरेलू क्रिकेट के महत्व पर सवाल उठाए हैं। हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के दौरान नायर शानदार फॉर्म में थे और विदर्भ के बल्लेबाज टूनार्मेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 8 पारियों में 389.50 की शानदार औसत और 124.04 की स्ट्राइक रेट से 779 रन बनाए। नायर ने टूनार्मेंट के दौरान 5 शतक और एक अर्धशतक लगाया और अपनी शानदार फॉर्म से चयनकताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।

बोपन्ना-शुआई की जोड़ी मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

मेलबर्न। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और चीन की उनकी जोड़ीदार झांग शुआई ने रविवार को यहां दूसरे दौर के मैच में वॉकओवर मिलने के बाद आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूनार्मेंट के मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बोपन्ना और शुआई का मुकाबला अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और मोनाको के ह्यूगो निस से था, लेकिन यह चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी खेलने के लिए नहीं उतरी। इससे भारतीय-चीनी जोड़ी कोर्ट पर उतरे बिना ही अंतिम आठ में पहुंच गई। बोपन्ना और शुआई का अगला मुकाबला हंगरी की टिमिया बाबोस और अल साल्वाडोर के मासेलो अरेवलो तथा ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की आस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। बोपन्ना और शुआई की जोड़ी ने इससे पहले अपने शुरूआती मैच में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और क्रोएशिया के इवान डोडिक को 6-4, 6-4 से हराया था।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं कोको गॉफ

दूसरी ओर, महिला सिंगल्स में नंबर 3 वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयीं। उन्होंने रॉड लेवर एरिना में नई मां बेलिंडा बेनसिक पर 5-7, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। गॉफ ने स्विट्जरलैंड की 2021 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बेनसिक के खिलाफ अपने राउंड-ऑफ-16 मैच में सीजन का अपना पहला सेट गंवा दिया। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए 2 घंटे और 26 मिनट में जीत दर्ज की और अपने 2025 के जीत-हार के रिकॉर्ड को 9-0 तक बढ़ाया।

कोको गॉफ के नाम खास उपलब्धि

वह 2012-2013 में विक्टोरिया अजारेंका के बाद से एक सीजन में लगातार 9-0 की शुरूआत करने वाली पहली महिला भी बनीं। डब्ल्यूटीए के अनुसार, 20 वर्षीय गॉफ 1992-1993 में मोनिका सेलेस के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की महिला भी हैं। 2023 यूएस ओपन चैंपियन गॉफ ने प्रमुख आयोजनों में सफलता की अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए अपने आठवें करियर ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। इस सदी में अब तक केवल मारिया शारापोवा (12), सेरेना विलियम्स और किम क्लिस्टर्स (नौ-नौ) ने 21 वर्ष की आयु से पहले गॉफ से अधिक महिला एकल ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई है।

आर्यना सबालेंक क्वार्टर फाइनल में

पिछली दो बार की चैंपियन सबालेंका ने रॉड लेवर एरेना में दिन के खेल की शुरूआत करते हुए 14वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा को 6-1, 6-2 से हराया और इस तरह से आस्ट्रेलियाई ओपन में अपनी जीत का सिलसिला 18 मैचों तक बढ़ाया। आस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल में लगातार तीन खिताब जीतने वाली आखिरी खिलाड़ी मार्टिना हिंगिस थी, जिन्होंने 1997 से 1999 तक यह कारनामा किया था। मैच के बाद सबालेंका ने एंड्रीवा को गले लगाया, भीड़ की ओर हाथ हिलाया और अपने पोलेरॉइड कैमरे से एक तस्वीर ली। सबालेंका ने एक घंटे में यह मैच जीतने के बाद कहा, 'यह मुश्किल मैच था लेकिन मैं इसे सीधे सेटों में जीतकर बहुत खुश हूं।

भारत के आयुष नें जीता गोवा इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूनार्मेंट

गोवा। देश के पूर्व रक्षामंत्री और गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मनोहर परिकर की याद में संपन्न हुए गोवा इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूनार्मेंट का खिताब भारत के युवा इंटरनेशनल मास्टर आयुष शर्मा नें अपने नाम कर लिया है। 11वें वरीय आयुष नें आखिरी राउंड में दूसरे वरीय और पूर्व एशियन चैंपियन हमवतन एसपी सेथुरमन पर शानदार जीत दर्ज करते हुए 10 राउंड के बाद 8.5 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया। आयुष इसके साथ ही कोई भी ग्रांड मास्टर टूनार्मेंट जीतने वाले मध्य प्रदेश के इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए है। आयुष नें अंतिम पांच राउंड में पांच जीत दर्ज करते हुए बेहतरीन अंदाज में खिताब अपने नाम किया। इस प्रदर्शन के कारण आयुष की लाइव फीडे रेटिंग अब 2485 अंको पर पहुंच गयी है और अब उन्हे मध्य भारत का पहला ग्रांड मास्टर बनने के लिए 15 ईएलओ अंक और एक ग्रांड मास्टर नार्म की जरूरत है। 8 अंक बनाकर रूस के अलेक्जेंडर स्लिज्हेव्स्की दूसरे और 7.5 अंको पर सबसे बेहतर टाईब्रेक के साथ किरगिस्तान नें सेमेटे तोलोगोन तीसरे स्थान पर रहे। भारत के एसपी सेथुरमन, अरोण्यक घोष, रूस के बोरिस शावचेंकों, भारत के एथन वज, बेलारूस के अलेक्सी फेडोरोव, भारत के कुशाग्र मोहन और अनीश मोहम्मद 7.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमश: चौंथे से दसवें स्थान पर रहे।

गुकेश को एक करोड़ , हंपी को 50 लाख देगा

नयी दिल्ली। शुक्रवार को दुनिया के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश को भारत के सबसे बड़े खेल सम्मान मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरुस्कार मिलने के ठीक पहले गुकेश को अखिल भारतीय शतरंज संघ नें नई दिल्ली में हुए एक सम्मान समारोह में एक करोड़ रुपेय देने की घोषणा की साथ ही गुकेश के सहयोगी स्टाफ को भी संघ 50 लाख का पुरुस्कार देने जा रहा है। गुकेश के अलावा अभी अभी दूसरी बार विश्व रैपिड चैम्पियन बनी कोनेरु हम्पी को भी 50 लाख रुपेय देने की घोषणा संघ नें की तो विश्व ब्लिट्ज स्पर्धा में महिलाओं में तीसरा स्थान हासिल करने वाली आर वैशाली को संघ नें 20 लाख रुपेय देने की घोषणा की गुकेश और हम्पी खुद इस समारोह में मौजूद थे जबकि वैशाली इस समय नीदरलैंड में है।

महिला सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

जानकारी देते पीएलवी

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में विवेकानंद जयंती सप्ताह के समापन पर रविवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका उत्कृष्ट विद्यालय में महिला सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गढ़वा के पीएलवी एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया। मौके पर पीएलवी मुरली श्याम तिवारी ने स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को अनुकरण कर आप अपना भविष्य सुधार सकते हैं। संस्था के सचिव रामाशंकर चौबे ने कहा विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को हुआ था। पीएलवी अरविंद तिवारी ने युवाओं पर एक प्रेरणा गीत गाकर सभी छात्राओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पीएलवी रविंद्र नाथ यादव ने बाल संरक्षण अधिनियम एवं बाल विवाह पर रोक लगाने संबंधी जानकारियां दीं। पीएलवी केएन दुबे ने बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम डायन प्रथा उन्मूलन आदि अनेक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। जबकि पीएलवी संगीता सिन्हा ने महिलाओं पर हो रहे घरेलू हिंसा एवं आंकिार उनके अधिकार एवं कर्तव्य पर विस्तृत जानकारियां प्रदान कीं। मौके पर विद्यालय कर्मी चांदनी प्रजापति सहित कई विद्यालय कर्मी उपस्थित थे।

सुंदरनाथ धाम से मुख्यमंत्री 22 जनवरी को करेंगे प्रगति यात्रा की शुरूआत

एजेंसी

फारबिसगंज/अररिया। सुंदरनाथ धाम का धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व काफी पुराना है। बिहार कभी सबसे अमीर और विविध जातीयता का केंद्र था। चाहे रामायण हो, महाभारत हो, या बौद्ध धर्म, इन सभी की बिहार की समृद्ध संस्कृति के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बिहार में आज भी बौद्ध काल और महाभारत काल के मंदिर मौजूद हैं, जो अत्यंत लोकप्रिय हैं। आज हम आपको महाभारत काल के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे दो देशों के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। हम बात कर रहे हैं अररिया के सुंदरनाथ धाम शिव मंदिर की, जो अररिया जिले के कुसाकांटा प्रखंड की डुमरी पंचायत में स्थित है। इस मंदिर में रोजाना भारी संख्या में नेपाली श्रद्धालुओं के साथ भारतीय लोग भी जलाभिषेक करने पहुंचते हैं वहीं, आगामी 22 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अररिया जिला के कुसाकांटा प्रखंड में स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर सुंदरनाथ धाम में आगमन होने जा रहा है और मुख्यमंत्री अररिया में अपनी प्रगति यात्रा की शुरुआत यहीं पूजा अर्चना करके करेंगे। बता दें की महाभारत काल से जुड़े इस मंदिर का काफी विशेष महत्व भी है, जहां कभी पांडवों को अज्ञातवास मिला था और अज्ञातवास में पांडव और माता कुंती नेपाल के राजा विराट के यहां रुके थे और उन्होंने इसी मंदिर में जलाभिषेक कर शिव की आराधना की थी। महाभारत में भी इस बात के प्रमाण मौजूद हैं कि पांडवों का अज्ञातवास राजा विराट के इन्हीं क्षेत्र में गुजरा था इसलिए यह मंदिर अपने आप में एक इतिहास है।

लालू यादव से मिले पशुपति पारस

आधे घंटे हुई बातचीत

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव का समय करीब आने के साथ ही राजनीतिक हलचल भी बढ़ गई है। मकर संक्रांति पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू यादव ने राष्ट्रीय लोक जन शक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के प्रमुख पशुपति पारस से मुलाकात की थी। इसके बाद अब रविवार को पशुपति पारस ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर जाकर लालू यादव से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। राजद सांसद संजय यादव ने कहा कि आरएलजेपी के प्रमुख पशुपति पारस और बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस पासवान के साथ लालू यादव की मुलाकात हुई है। दरअसल, लालू यादव उनके घर मिलने गए थे और आज पशुपति कुमार उनसे मिलने आए। यह शिष्टाचार मुलाकात थी। संजय ने कहा कि पशुपति पारस महागठबंधन का हिस्सा होंगे या नहीं, यह राष्ट्रीय अध्यक्ष तय करेंगे। साथ ही कहा कि पशुपति पारस एक अनुभवी राजनेता हैं। वह किसी भी गठबंधन के साथ रहें, गठबंधन को फायदा होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आरएलजेपी यदि महागठबंधन का हिस्सा बनती है तो यह बिहार की कुछ प्रमुख विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है। इनमें जमुई, हाजीपुर, बेगूसराय, वैशाली, मुंगेर और खगड़िया जैसी सीटें शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप अगड़ी और दलित वोटों में बिखराव हो सकता है, जिसका फायदा महागठबंधन को मिल सकता है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में राजद में आरएलजेपी के शामिल होने से महागठबंधन को बहुत हद तक राहत मिलेगी। क्योंकि, पशुपति पारस मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। उनकी पार्टी पहले भी एनडीए का हिस्सा रह चुकी है लेकिन समय-समय पर उनकी नाराजगी सामने आई है। ऐसे में राजद खासकर लालू यादव, पशुपति पारस को अपने खेमे में लाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि भूमिहार और दलित वोट बैंक को साधा जा सके।

खबर एक नजर में

दिव्यांगों के बीच कंबल वितरण

कंबल वितरण करते पदाधिकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। बढ़ते ठंड के मद्देनजर जिला प्रशासन लगातार गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के बीच पहुंचकर कंबल का वितरण कर रही है। साथ ही ठंड से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक भी कर रही है। गिरते तापमान और बढ़ते ठंड के मद्देनजर उपायुक्त शेखर जमुआर के निर्देश पर सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक नीरज कुमार नगर उंटारी पहुंच दिव्यांगजनों के बीच कंबल वितरण किया। इस कार्य के लिए दिव्यांगजनों ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। मौके पर सहायक निदेशक श्री कुमार ने सभी से उन्हें मिलने वाली पेंशन की जानकारी ली तथा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अन्य योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसी के बहकावें में न आने की बात कहीं।

पश्चिम चंपारण जिले में पिछले 36 घंटों में पांच लोगों की संदिग्ध हालात में मौत

पटना। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में पांच लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गयी है। यह आंकड़ा पिछले 36 घंटे का है। यह घटना जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के मठिया गांव की है। बताया जा रहा है कि लौरिया थाना के मठिया गांव में 36 घंटे में एक-एक कर पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों में मठिया पंचायत के वार्ड छह निवासी मनीष चौधरी (30), सुरेश चौधरी (50), नेयाज साह (35), वार्ड चार निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता (30) और वार्ड 9 निवासी शिव राम (58) हैं। सभी ने एक साथ कुछ खाया-पीया था। सभी मृतकों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने लिया जंगल को बचाने का संकल्प

सगमा। प्रखण्ड के मकरी के ग्रामीणों ने पौधशाला स्थित जंगल को बचाने का संकल्प लिया। बताते चलें कि बीते शनिवार को स्थानीय मीडिया द्वारा सगमा प्रखण्ड के मकरी पौधशाला से कीमती लकड़ी काटे जाने की खबर प्रमुखता के साथ छापी गई थी। जिसके बाद रविवार को ग्रामीणों ने बैठक कर जंगल बचाने का संकल्प लिया। जंगल परिसर में ग्रामीणों ने कहा कि समाचार पत्र के माध्यम से पता चला कि मकरी जंगल से कीमती पेड़ों की कटाई हो रहा है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। इसे लेकर ग्रामीणों का कहना है कि जंगल के द्वारा हम सभी ग्रामीणों को आपात स्थिति में काफी मदद मिलता है। जाड़े के मौसम में मकरी के ग्रामीण जंगल से लकड़ी चुनकर लाते है ठंड से बचने के लिए आग जलाकर आराम से तापते है। साथ ही गांव के लोग किसी की मृत्यु होने पर जंगल में पड़े सुखी लकड़ी से शव जलाते हैं। हम सभी ग्रामीण उक्त जंगल को बचाने के लिए तैयार है। हम सभी ग्रामीण इसके लिए वन विभाग से मांग करते है कि राति सुरक्षा के लिए ग्रामीणों को टार्च के साथ-साथ जंगल बचाने में सहयोगी अन्य सामग्री उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग करते हुए कहा कि जंगल परिसर में खाली पड़े भूमि पर कीमती पौधा लगवाया जाए।

आधा दर्जन पोल गिरा, चार घायल

जानकारी देते लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। थाना क्षेत्र के बूढ़ीखाड़ गांव में महेंद्र यादव के घर के पास रविवार को मिलर के पिछले हिस्से में बिजली का तार फंस जाने से आधा दर्जन पोल गिर गया। इस दौरान इसके चपेट में आने के कारण बच्ची और महिला समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों में बीडीसी पति अशोक यादव की पुत्री काजल कुमारी 13 वर्ष, रामाशीष यादव का पुत्र अभिषेक कुमार 05 वर्ष, स्व. रामजन्म यादव के पुत्र महेंद्र यादव 35 वर्ष एवं बुानी कुंवर (पति स्व हरिहर यादव) 85 वर्ष के नाम शामिल हैं। इनमें काजल की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। उसे मझिआंव रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक द्वारा बेहतर चिकित्सा के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया। इस सम्बंध में ग्रामीण नवल यादव ने बताया कि जगदेव मोड़ से मुख्य पथ बभनी तक चल रहे पथ निर्माण कार्य में मिलर जा रहा था, इसी बीच महेन्द्र यादव के घर के पास उसके पिछले हिस्से में बिजली का तार फंस गया। इस दौरान लोगों ने ड्राइवर को तेज स्वर में चिल्लाकर जानकारी दी लेकिन उसने नहीं सुना। इस प्रकार छह पोल तार सहित गिर गया। जिसमें बच्ची समेत चार लोग घायल हो गए। इस संबंध में इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि सूचना मिली है ग्रामीणों से आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जायेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

भागलपुर। बी.एन कॉलेज भागलपुर में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन प्रारंभ किया गया। जिसका शुभारंभ तिलका मांझी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) जवाहर लाल ने किया। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ रामाशीष पूर्वे ने कहा कि बी एन कॉलेज में विकास की असीम संभावना है।

हृदयगति रुकने से होमगार्ड जवान की मौत

सगमा। प्रखण्ड अंतर्गत पुतुर गांव निवासी 40 वर्षीय होमगार्ड जवान की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पुत्तुर गांव निवासी मनोज बैठा रामगढ़ जिले के पतरातु में होमगार्ड जवान के रूप में तैनात था। वह एक सप्ताह पूर्व अपने गांव पुत्तुर आया हुआ था। शनिवार को सुबह लगभग दस बजे अचानक तबियत खराब होने के बाद परिजन सदर अस्पताल गढ़वा लेकर गए। स्थिति को देखते हुए चिकित्सको ने रांची रेफर कर दिया गया। रांची के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान रात्रि एक बजे मनोज बैठा की मृत्यु हो गई। रांची से सुबह एंबुलेंस के माध्यम से शव घर पहुंचते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना के बाद पहुंचे मुखिया पति हनुमंत यादव ने मृतक के परिवार जनों को सांत्वना देते हुए कहा कि मनोज बैठा की मृत्यु से पूरा गांव मर्माहत है। इस दुःख की घड़ी में पूरा गांव मृतक परिवार के साथ खड़ा है। सरकार के द्वारा मिलने वाला हर सुविधा मृतक के आश्रित को देने के लिए जितना भी होगा दिलाने का काम किया जाएगा। मौके पर पूर्व उप प्रमुख संजय यादव, बीडीसी प्रेमन प्रसाद यादव, योगेंद्र यादव, सुरेंद्र बैठा, सुरेश यादव, मनोज यादव, शिवपुजन यादव आदि उपस्थित थे।

शहीद नीलांबर पीतांबर क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

उद्घाटन करते पूर्व मुखिया

खबर मन्त्र संवाददाता

केतार। प्रखंड के परसोडीह हाई स्कूल के प्रांगण में शहीद नीलांबर पीतांबर कास्को क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 8 का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व मुखिया अनिल पासवान ने पूजा अर्चना कर, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फीता काटकर किया। उद्घाटन मैच डंडई प्रखंड से सहारा क्रिकेट क्लब बनाम केतार प्रखंड से मां अम्बे क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मां अम्बे क्रिकेट क्लब 185 ओवर में 166 रन पर सिमट गई। जवाबी पारी में सहारा क्रिकेट क्लब ने 195 ओवर में 2 विकेट से मैच को अपने टीम के नाम कर लिया। मौके पर अनिल पासवान ने कहा कि लगातार आठ वर्षों से हाई स्कूल के ग्राउंड में टूर्नामेंट का आयोजन होता रहा है। जब तक मैं रहूंगा तब तक इस ग्राउंड में टूर्नामेंट का आयोजन होता रहेगा। मेरा सपना है कि इस ग्राउंड से भी एक धोनी जैसा खिलाड़ी उभर कर देश में नाम रौशन करे।

यह मेरा सपना एक दिन जरूर पूरा होगा मुझे पूर्ण विश्वास है। समाजसेवी पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इस टूर्नामेंट में गढ़वा जिले के साथ-साथ अन्य जिले के टीम शामिल होते है। इस टूर्नामेंट के विजेता टीम को 25001 रू के साथ बड़ी शील्ड एवं उपविजेता टीम को 20001 रु के साथ छोटी शील्ड दिया जाएगा। अंपायर की भूमिका कुश वर्मा, रमेश बैठा, कमेंटिटर की भूमिका संजय लव वर्मा, एके मोर्या ने निभाया। मौके पर युवा समाज सेवी पंकज सिंह, नागेंद्र ठाकुर, मूंगा साह, आयोजन कमिटी के अध्यक्ष संजय वर्मा, उपाध्यक्ष देवकुमार ठाकुर, सचिव संजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष विजय कुमार मेहता, श्रीराम वर्मा, संतन तिवारी, विंधेश्री प्रसाद, अनीश गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे।

किशनगंज को मिली 1117 करोड़ की सौगात, 25 केएम का बनेगा फोरलेन

किशनगंज। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने किशनगंज जिले में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट के तहत किशनगंज-बहादुरगंज प्रखंड में एनएच-27 और एनएच-327ई को जोड़ने वाला 24.849 किलोमीटर लंबा फॉरलेन हाईवे बनाया जाएगा। गौर करें कि 1117.01 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह हाईवे पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। नए हाईवे के बनने से न केवल दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि आसपास के शहरों से सिलीगुड़ी के बागडोगरा हवाई अड्डे तक की यात्रा भी सुगम हो जाएगी। इस परियोजना से क्षेत्र में यातायात की स्थिति में सुधार होगा और यात्रा का समय भी कम होगा। यह नया मार्ग यात्रियों को सबसे कुशल और छोटा रास्ता प्रदान करेगा, जिससे समय और ईंधन की बचत होगी। यह प्रोजेक्ट न केवल स्थानीय लोगों के दैनिक जीवन को सुगम बनाएगा, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जिले में पर्याप्त मात्रा में है खाद उपलब्ध, कालाबाजारी करने वालों पर होगी कार्रवाई : डीएओ

अररिया। जिला में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। खाद की किसी तरह की किल्लत नहीं है। लगातार रैक से खाद मंगाया जा रहा है।जिले में वर्तमान समय में पांच हजार मिलियन टन खाद उपलब्ध है।खाद की किल्लत दिखाकर कालाबाजारी करने वाले खाद विक्रेताओं पर कार्रवाई जारी है और यदि कोई खाद विक्रेता किसान से अधिक कीमत कालाबजारी से खाद बिक्री करते हैं तो उनके ऊपर विधि सम्मत कार्रवाई की साथ साथ दुकान का लाइसेंस रद्द किया जाएगा। उक्त बातें जिला कृषि पदाधिकारी गौरव प्रसाद सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि खाद दुकानों के साथ साथ प्रखंड मुख्यालय में खाद उपलब्ध है। किसी भी किसान को अधिक मात्रा में खाद चाहिए तो वे प्रखंड मुख्यालय से खाद ले सकते हैं।

विडंडा गांव ने जीता पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट

ट्रॉफी प्रदान करते अतिथि

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रामपुर पंचायत के कसवानी मैदान पर पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में विडंडा गांव की टीम ने ट्रॉफी पर कब्जा किया। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि पंचायत मुखिया कुमारी छाया एवं बीडीसी प्रतिनिधि शिवकुमार सिंह, अभिमन्यु सिंह ने विजेता टीम को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किया। यह पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट पंचायत मुखिया कुमारी छाया एवं मुखिया प्रतिनिधि रमेश पासवान के द्वारा आयोजित किया गया था। मौके पर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि रमेश कुमार पासवान ने बताया कि पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में पंचायत के जाहरसराय, विडंडा, रामपुर एवं रानी ताली गांव की टीम भाग ली थी। फाइनल मुकाबले में विडंडा के टीम निर्धारित 12 ओवर में 126 रन बनाई और उसे लक्ष्य को पीछा करते हुए जाहरसराय की टीम ने 99 रन पर सिमट गई। विजेता टीम को 3100 रुपए नगद और विजेता ट्रॉफी वहीं उपविजेता टीम को 2100 रुपए नगद और रनर ट्रॉफी दिया गया। वहीं क्रिकेट टूर्नामेंट की अध्यक्षता विवेक कुमार सिंह एवं सचिव शत्रुघ्न सिंह ने किया। मौके पर नामधारी सिंह, जनेश्वर राम, उप मुखिया प्रतिनिधि बाबूलाल सिंह, वार्ड सदस्य धर्मेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

हाईवा की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

रमना। रमना-श्री बंशीधर मुख्य सड़क स्थित बहियार मोड़ के समीप हाईवा की चपेट में आने से लगभग 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जिसकी पहचान अभी नहीं की जा सकी है। जानकारी के अनुसार श्री बंशीधर नगर की ओर से मृतक लूना पर सवार होकर रमना की तरफ आ रहा था। इसी क्रम में रफ्तार में पीछे से आ रही हाईवा यूपी 64 बीटी 5294 ने पूरी तरह चपेट में ले लिया। घटना के बाद हाईवा चालक फरार हो गया। घटना के सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर बिखरे हुए शव को कपड़े में लपेटकर गढ़वा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके पूर्व ग्रामीणों ने हाइवा की पहचान कर पुलिस को सूचित किया।

भाजपा नेताओं ने सुना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साल 2025 की पहली मन की बात

एजेंसी

फारबिसगंज/अररिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को साल 2025 की पहली मन की बात की। भाजपा विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा पीएम के मन की बात कार्यक्रम राष्ट्र के प्रति सामूहिक प्रयासों और इच्छा शक्ति से विकसित भारत के निर्माण संकल्पना को सुदृढ करता है। विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार ने संबोधन की खास बातों का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ने आगामी 75वें गणतंत्र दिवस समारोह और लोकतंत्र को आकार देने में भारत के संविधान के महत्व पर जहां विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि? जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ, गर्व के साथ जुड़ जाती है तो उसकी जड़ें और मजबूत होती हैं। इस खास मौके पर संदीप कुमार, किशन शर्मा, विपुल सिंह,राजेश्वर साह,विकास सिंह, विकास ठाकुर, निहाल ठाकुर,चंद्र आदित्य शर्मा, करण साह आदि मौजूद थे।

एसपी ने की समीक्षात्मक बैठक, दिये कई निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। एसपी दीपक कुमार पांडेय ने रविवार को गढ़वा थाना क्षेत्र के अन्नराज नावाडीह डैम पर समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में एसपी ने सभी थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही पिछले दिन हुए अपराध की घटनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई करते हुए निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी श्री पांडेय ने लूट, गृह भेदन एवं दुष्कर्म जैसी घटनाओं का तत्काल उद्भेदन करते हुए गिरफ्तारी का निर्देश दिया। साथ ही थाना क्षेत्र में चोरी की घटना को कम करने के लिए सभी थाना प्रभारी को रात्रि गश्ती कराने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, थाना

बैठक करते एसपी

प्रभारी को पुरानी लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए अनुसंधान में तेजी लाने का निर्देश दिया है। एसपी ने कम उम्र के युवा और शराब पीकर वाहन चलाने वाले के खिलाफ, बिना हेलमेट ट्रिपल लोडिंग वाहन चलाने पर कार्यवाही के लिए थाना क्षेत्र के अलग अलग जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक और थाना प्रभारी को 22 जनवरी को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है। बैठक में एएसपी राहुल देव बड़ाइक, गढ़वा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार, नगर उंटारी एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह, रंका एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीवी मंडल, प्रचारि प्रवर संदीप कुमार, गढ़वा थाना प्रभारी बृज कुमार, मेराल थाना प्रभारी विष्णु कांत सहित अन्य पुलिस के पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

पेज एक का शेष

महाकुंभ मेला क्षेत्र...

स्थिति काबू में, अफवाहों पर ध्यान न दे : डीआइजी वैभव कृष्ण ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है। कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रयागराज में ही मौजूद सीएम योगी ने राहत कार्यों में तेजी लाने का आदेश दिया। महाकुंभ के सेक्टर 19 (तुलसी मार्ग) पर हुए अग्निकांड स्थल पर अधिकारियों का दल मौजूद है। साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं की हर संभव मदद की जा रही है। स्थिति पूरे तरह से नियंत्रण में है। किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

आज दूसरी बार ...

यह शपथ सरल शब्दों में होती है जिसमें राष्ट्रपति यह शपथ लेता है कि वह अमेरिका के संविधान का पालन करेगा और अपने पद की जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभायेगा। 29 दिसंबर 2024 को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का निधन हो गया जिसके बाद पूरे अमेरिका में अमेरिकी ध्वज आधा झुका हुआ है। निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की थी कि जिमी कार्टर की मृत्यु के कारण 30 दिनों तक यानी 28 जनवरी तक अमेरिकी ध्वज आधा झुका रहेगा।

ये रहेंगे उपस्थित : समारोह में राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बिल क्लिंटन के भी शामिल होने की उम्मीद है। समारोह में विश्व के तीन सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस, एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक और फेसबुक की मूल कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग मौजूद रहेंगे। संभावित लोगों में ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, गूगल के सीईओ सुंदर पिचई और उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही हैं।

राष्ट्र निर्माण में ...

कुंभ में गरीब और अमीर सब एक : मोदी ने कुंभ', पुष्करम' और गंगा सागर मेले' का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पर्व सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। उन्होंने कहा, ये पर्व भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ते हैं। कुंभ में देश के हर कोने से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब और अमीर सब एक हो जाते हैं और सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं। एक साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हैं। तभी तो कुंभ एकता का महाकुंभ है। कुंभ का आयोजन हमें यह भी बताता है कैसे हमारी परंपराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। उन्होंने कहा, हमें विकास के रास्ते पर चलते हुए ऐसे ही अपनी विरासत को भी सहेजना है और उनसे प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि आज हमारा देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

स्पीड न्यूज

श्रीलंका में भूस्खलन, बाढ़ की चेतावनी जारी

कोलंबो। श्रीलंका के कई जिलों और प्रांतों में रविवार को भूस्खलन और बाढ़ की चेतावनी जारी की गयी। नेशनल बिल्डिंग एंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (एनबीआरओ) ने बदुल्ला, कैंडी, कुरुनेगला और मटाले जिलों के लिए भूस्खलन की चेतावनी जारी की, जो सोमवार सुबह तक प्रभावी रहेगी।

ईरान ने भूमिगत नौसैनिक अड्डे का अनावरण किया

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने विभिन्न लड़ाकू जहाजों को समायोजित करने के लिए एक भूमिगत अड्डे का अनावरण किया है। आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट सेपा न्यूज ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ईरान ने 1,110 कैदियों को अफगानिस्तान को सौंपा

तेहरान। तालिबान आंदोलन के 2021 में अफगानिस्तान में सत्ता में लौटने के बाद से ईरान ने 1,110 अफगान कैदियों को उनकी सजा पूरी होने के बाद वापस भेज दिया है। सलाम वतनदार रेडियो ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ईरान में सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों की गोली मारकर हत्या

तेहरान। ईरान के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों की देश के सुप्रीम कोर्ट में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। देश की राजधानी तेहरान में शनिवार सुबह एक बंदूकधारी अदालत में घुस गया और अली रज़िनी तथा मोहम्मद मोगीसेह पर गोली चला दी।

चीन के साथ संबंधों में मजबूती बरकरार रहेगी : चीनी राजदूत

ढाका। चीन के साथ बांग्लादेश के संबंधों में कोई दरार नहीं आएगी, बल्कि यह और मजबूत होंगे। यह बात ढाका में नियुक्त चीनी राजदूत याओ वेन ने रविवार को विदेश मंत्रालय में एक बैठक के बाद कही। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार की चीन यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इससे द्विपक्षीय सहयोग और गहरा होगा। बांग्लादेश के साथ किए गए समझौते कायम रहेंगेयाओ वेन ने स्पष्ट किया कि चीन और बांग्लादेश के बीच जो भी समझौते हुए हैं, उनमें किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। उन्होंने कहा, चीन हमेशा बांग्लादेश का मित्र रहा है और भविष्य में भी रहेगा। तीस्ता परियोजना के संबंध में राजदूत ने कहा कि चीन इस परियोजना पर काम कर रहा है और जल्द ही इसे समाधान की दिशा में ले जाएगा।

समय और धन की बचत करेगा वन नेशन, वन इलेक्शन: रामनाथ कोविंद

महाकुंभनगर। दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार द्वारा रविवार को कुंभ नगरी प्रयागराज में वन नेशन, वन इलेक्शन आर्थिक, राजनीतिक, चुनाव सुधार एवं विकसित भारत के संदर्भ में विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वन नेशन, वन इलेक्शन की अवधारणा को देश की प्रगति का अहम स्तंभ बताते हुए इसके विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला।

वैज्ञानिक अंतरिक्ष में पौधे उगाने की कोशिश कर रहे

मन की बात में बोले पीएम मोदी, इसरो ने अंतरिक्ष में लोबिया के बीज भेजे थे, जो पिछले सप्ताह अंकुरित हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। मन की बात के 118वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक अंतरिक्ष में पौधे उगाने और उन्हें जीवित रखने का प्रयास कर रहे है। इसके लिए इसरो के वैज्ञानिकों ने लोबिया के बीजों का चयन किया है। पीएम मोदी ने रहा, 30 दिसंबर को अंतरिक्ष में भेजे गए ये बीज अंकुरित हो गए है। यह एक प्रेरणादायक प्रयोग है, जो भविष्य में अंतरिक्ष में सब्जियां उगाने के रास्ते खोलेगा। यह दर्शाता है कि हमारे वैज्ञानिक भविष्य के लिए एक विजन के साथ काम कर रहे है। बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने 30 दिसंबर को कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर ऑर्बिटल प्लांट स्टडीज से अंतरिक्ष में लोबिया (ब्लैक-आइड पी) के बीज भेजे थे, जो पिछले सप्ताह अंकुरित हुए। अंतरिक्ष में पौधे क्यों उगाएं? मनुष्य मंगल और चंद्रमा जैसे खगोलीय पिंडों पर कॉलोनी स्थापित करने के लिए लंबे अंतरिक्ष मिशनों पर निकलते है। ऐसे में अंतरिक्ष में उगाए गए पौधे उन्हें एक स्थायी खाद्य स्रोत प्रदान कर सकते है। वहीं, अंतरिक्ष यात्री मिशन के दौरान मल्टीविटामिन के सीमित स्टॉक पर भी निर्भर नहीं रह सकते हैं जो सालों तक चल सकते है। इसके अलावा पहले से पैक किए गए विटामिन लंबे समय में टूट जाते हैं और अपना न्यूट्रिटिव वैल्यू खो देते है। अमेरिका स्थित ब्लू मार्बल स्पेस इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के एक संबद्ध शोध वैज्ञानिक सिद्धार्थ पांडे ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि चूंकि पौधे प्रकाश संश्लेषण के दौरान ऑक्सीजन छोड़ते हैं, इसलिए उन्हें अंतरिक्ष में उगाने से अंतरिक्ष यान में हवा को सांस लेने योग्य बनाए रखने में मदद मिल सकती है। पांडे ने कहा, पौधे कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बनिक वेस्ट को रिसाइकिल कर सकते हैं, जिससे एक बंद लूप लाइफ स्पोर्ट सिस्टम बन सकता है। उन्होंने कहा कि पौधों की देखभाल करने से भी तनाव कम करने में मदद मिल सकती है।

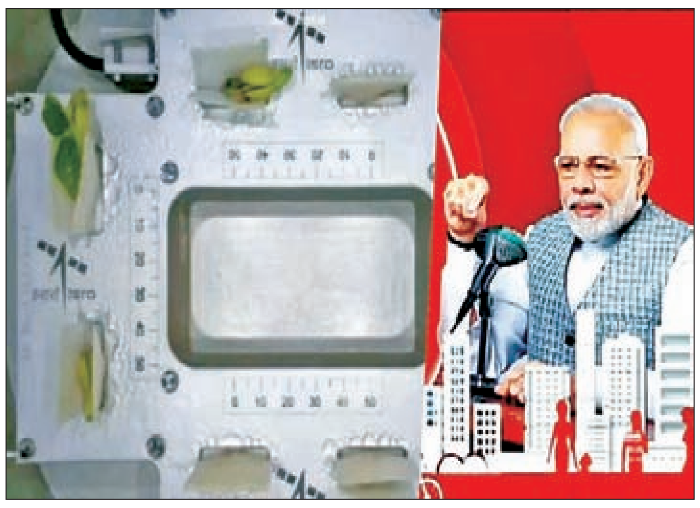

अंतरिक्ष में किस तरह के पौधे उगाए जा सकते हैं

पांडे ने कहा, पौधों का सेलेक्शन उनकी वृद्धि दर, पोषक तत्वों की मात्रा और अंतरिक्ष खेती प्रणालियों के साथ अनुकूलता के आधार पर किया जाता है। सलाद, पालक और केल जैसी पत्तेदार हरी सब्जियां, जो तेजी से बढ़ती हैं, उनको कम जगह की आवश्यकता होती है और पोषक तत्वों से भरपूर होती है यह अंतरिक्ष में उगाने के लिए आदर्श पौधे है। बीन्स और मटर की खेती भी की जाती है, जो प्रोटीन से भरपूर होती हैं और मिट्टी में नाइट्रोजन को ठीक कर सकते हैं, जिससे पोषक चक्र में सुधार होता है। पांडे ने कहा, मूली और गाजर कॉम्पैक्ट जगहों में अच्छी तरह से उगते है। अंतरिक्ष आवासों में लंबे समय तक जीवित रहने के लिए गेहूं और चावल उगाए जा सकते है। टमाटर और स्ट्रॉबेरी जैसे फल भी उगाए जा सकते है।

अंतरिक्ष में पौधे उगाना क्यों मुश्किल है

सबसे बड़ी चुनौती माइक्रोग्रैविटी है, वह स्थिति जिसमें लोग या वस्तुएं वेटलेस लगती है। गुरुत्वाकर्षण की कमी पौधों की जड़ों को नीचे की ओर बढ़ने से रोकती है, साथ ही पोषक तत्वों की डिलीवरी को भी मुश्किल बनाती है। चूंकि पानी माइक्रोग्रैविटी में जिस भी सतह को छूता है, उससे चिपक जाता है, इसलिए, जब उसे पौधे के बेस पर छिड़का जाता है, तो यह जड़ों तक नहीं पहुंच पाता जहां इसे अवशोषित किया जा सकता है। अंतरिक्ष में उगाए जाने वाले पौधों को हाई लेवल रेडियेशन से भी बचाने की आवश्यकता होती है जो उनके डीएनए को नुकसान पहुंचा सकते हैं और विकास में बाधा डाल सकते है। इसके अलावा तापमान में उतार-चढ़ाव से भी बचाए रखना चाहिए रोशनी की स्थिति, विशेष रूप से बाहरी सौर मंडल में जहां सूर्य का प्रकाश दुर्लभ है, एक और चुनौती पेश करती है. रोशनी के बिना, प्रकाश संश्लेषण बंद हो जाता है और पौधे जितना ऑक्सीजन बनाते हैं, उससे अधिक ऑक्सीजन कंज्यूम करना शुरू कर देते है।

एनडीआरएफ ने बहुत कम समय में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान बनायी: शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने बहुत कम समय में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता बनायी है तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत को वैश्विक पहचान दी है। श्री शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में बल के 20वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के दक्षिणी परिसर, बल की 10वीं वाहिनी तथा क्षेत्रीय कार्यवाई केन्द्र के सुपौल परिसर सहित लगभग 220 करोड़ रूपए लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में नई इंटीग्रेटेड शूटिंग रेंज का शिलान्यास और तिरूपति में राज्य सरकार की क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भवन का भी उद्घाटन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय यह बल सबसे पहले आगे आकर काम करता है । उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर तीन गुना अधिक गति से आंध्र प्रदेश का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने पिछले छह माह में तीन लाख करोड़ से अधिक का निवेश और मदद आंध्र प्रदेश के लिए भेजे हैं। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने विशाखापत्तनम के स्टील प्लांट के लिए 11 हजार करोड़ रूपए की मदद को स्वीकृति दी है। इस निर्णय से आंध्र प्रदेश के गौरव माने जाने वाले विशाखापत्तनम स्टील प्लांट का लंबे समय तक चलना सुनिश्चित हो गया है। गृह मंत्री ने कहा कि अमरावती राजधानी की कल्पना मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने की थी और प्रधानमंत्री ने इसका भूमिपूजन किया था, लेकिन पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान इस पूरे प्रोजेक्ट को एक प्रकार से दरकिनार कर दिया गया था।

श्री शाह ने ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के तहत महत्वपूर्ण गतिविधियों को आगे बढ़ाने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत, पुलिस स्टेशन, एनसीसी और स्काउट्स के कैडेट्स से लेकर सरकार तक हर जगह कोऑर्डिनेशन से काम होता है, तभी बाधारहित आपदा प्रबंधन जमीन पर उतरता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में दृष्टिकोण, तरीका और उद्देश्य में क्रांतिकारी परिवर्तन करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले राहत-केन्द्रित दृष्टिकोण होता था, अब बचाव-केन्द्रित आपदा प्रबंधन को लेकर यह 360 डिग्री बदलाव 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद आया है। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान जीरो कैजुअल्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने में बल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और संस्थान तीनों में बहुत सामंजस्य से काम किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बल ने एक संस्था के तौर पर बहुत कम समय में न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा , आपदा के दौरान जब बल के जवान आते हैं, तो लोगों को भरोसा हो जाता है कि वे अब सुरक्षित हैं। विगत दो साल में दो तूफान ऐसे आए, जिनमें हमने जीरो कैजुअल्टी का लक्ष्य प्राप्त किया।छ श्री शाह ने कहा कि नेपाल, इंडोनेशिया, तुर्की, म्यांमार, वियतनाम सहित कई अन्य देशों में जब बल की टीमें गईं, तो वहां की जनता की मदद करने में इनकी भूमिका की प्रशंसा वहां के राष्ट्राध्यक्षों ने भी की। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की नीतियों का बल ने जमीन पर उतारा है और इसके कारण आपदा प्रबंधन के मामले में भारत की वैश्विक पहचान बनी है।

श्री शाह ने कहा कि 12वें वित्त आयोग में आपदा प्रबंधन के लिए 12500 करोड़ रूपए रखे गए थे, जिसे 14वें वित्त आयोग में बढ़ाकर 61,000 करोड़ रूपए कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई ऐप, वेबसाइट्स और पोर्टल बनाकर आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जनजागृति का काम किया है। देश के लाखों-करोड़ों लोगों ने इन सभी ऐप के साथ खुद को जोड़ा है और अब इन को सभी भाषाओं में संवाद करने योग्य बनाने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ह्यडायल 112ह्ण और ह्यकॉमन अलर्ट प्रोटोकॉलह्ण से लोगों को बहुत मदद हुई है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में आज दो और संस्थान जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री नायडू ने केन्द्र सरकार को बिना किसी लागत के यहां भूमि देकर दसवीं वाहिनी और संस्थान की दक्षिण भारत शाखा को स्थापित करने में मदद की है। इस अवसर पर श्री नायडू, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार, गृह सचिव गोविंद मोहन और बल के महानिदेशक पीयूष आनंद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इजराइल-हमास संघर्ष विराम आज से

तेल अवीव। इजराइल मंत्रिमंडल के गाजा संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी देने के बाद छह हफ्ते तक चलने वाला संघर्ष विराम रविवार से लागू हो गया। इजराइल की कैबिनेट ने शनिवार को हमास के साथ संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने बयान जारी इसकी पुष्टि की। समझौते के तहत हमास पहले चरण में 33 बंधकों को रिहा करेगा और इजराइल 700 फलस्तीनी कैदियों को मुक्त करेगा। दी टाइम्स ऑफ इजराइल ने हमास समर्थक मीडिया के दावों का हवाला देते हुए बताया है कि रविवार सुबह संघर्ष विराम समझौते के तहत इजराइल की सेना गाजा के दक्षिणी शहर रफाह के अलग-अलग इलाकों से हटना शुरू कर दिया है। हालांकि इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं है। खास बात यह है कि युद्ध विराम समझौते के तहत पहले चरण के बंदियों की अदला-बदली के लिए हमास ने उन बंदियों के नामों की सूची इजराइल को भेजी है जिन्हें रिहा किया जाना है। इसे लेकर इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि, अगर नाम जारी नहीं किए गए तो सीजफायर पर आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

2047 तक भारत को विकसित बनाएंगे : राजनाथ

एजेंसी

जौनपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन चुका है। शहर से गांव तक सबसे ज्यादा 5 जी यूजर्स है। हम 2047 तक भारत को विकसित देश बनाएंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ से रविवार को उत्तरप्रदेश में जौनपुर जिले के निजामुद्दीनपुर गांव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगत नारायण दुबे के आवास पर आयोजित मांगलिक समारोह में भाग लेने के पश्चात पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत कुछ बोलता है, तो सारी दुनिया कान खोल कर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। विज्ञानी सेना से जुड़े उपकरण भारत की धरती पर बना रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। देश में 1.30 लाख स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं को भारत का इतिहास पढ़ना चाहिए, हमारे इतिहास में हर क्षेत्र में भारत की उपलब्धि व्याप्त है। श्री सिंह ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर भारत का मुकुट मणि है और इसके बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है, पाकिस्तान के लिए यह एक विदेशी क्षेत्र से अधिक कुछ नहीं है वह इसका इस्तेमाल आतंक को शह देने व भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए कर रहा है। रक्षा मंत्री ने गुलाम जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया और साथ ही पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर में आतंकी ट्रेनिंग कैम्प व लॉन्चिंग पैड खत्म कर दे नहीं तो उचित जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने इस वाक्य से पाकिस्तान को आतंकी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट स्ट्राइक की याद भी दिला दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में आतंक को शह देने की साजिशें निरंतर जारी रखे हुए हैं।

राम मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष ने निर्माण की जानकारी ली

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने रविवार को श्री राम लला का दर्शन किया।तत्पश्चात उन्होंने एलएंडटी सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करके निर्माण कार्य प्रगति की अद्यतन जानकारी ली और घूम घूमकर स्थलीय निरीक्षण किया।

कुम्भ हमारी सांस्कृतिक व परंपराओं से संपूर्ण विश्व को करा रहा साक्षात्कार : योगी

महाकुम्भ नगर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वर्ष के पहले मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने महाकुम्भ का भी प्रमुखता से जिक्र किया और एक बार फिर इसे एकता का महाकुम्भ बताया। महाकुम्भ पर पीएम मोदी की चर्चा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका आभार जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भारत की एकात्मता के जीवंत प्रतीक, आध्यात्मिकता, समता और समरसता के महासमागम महाकुम्भ के सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा कर हम सभी को मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का

महोत्सव महाकुम्भ 2025 प्रयागराज हमारी सांस्कृतिक धरोहरों व परंपराओं से आज संपूर्ण विश्व का साक्षात्कार करा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा महाकुम्भ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का युवाओं के लिए गर्व के साथ अपनी सभ्यता, संस्कृति के अनुगमन का संदेश उन्हें एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में त्रिवेणी तट पर लगे महाकुम्भ पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ का श्रीगणेश हो चुका है। चिरस्मरणीय जन सैलाब, अकल्पनीय दृश्य और समता, समरसता का असाधारण संगम दिखाई दे रहा है। इस बार कुम्भ में कई दिव्य योग बन रहे हैं। ये उत्सव विविधता में एकता का उत्सव मनाता है। संगम की रेती पर पूरे भारत के, पूरे विश्व के लोग जुटते हैं। हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं कोई भेदभाव नहीं, जातिवाद नहीं। इसमें भारत के दक्षिण से लोग आते हैं, भारत के पूर्व और पश्चिम से लोग आते हैं। कुम्भ में गरीब, अमीर सब एक हो जाते हैं। सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं। एक साथ भंडारों में भोजन करते हैं, प्रसाद लेते हैं, तभी तो कुम्भ एकता का महाकुम्भ है। यह आयोजन हमें ये भी बताता है कि कैसे हमारी परंपराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। उत्तर से दक्षिण तक मान्यताओं को मानने के तरीके एक जैसे ही हैं। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुम्भ का आयोजन होता है, वैसे ही दक्षिण भूभाग में गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी नदी के तटों पर पुष्करम होते हैं। ये दोनों ही पर्व हमारी पवित्र नदियों से उनकी मान्यताओं से जुड़े हुए हैं। इसी तरह अनेक ऐसे मंदिर हैं जिनकी परंपराएं कुम्भ से जुड़ी हुई हैं।

उन्होंने खुशी और संतोष जताया कि महाकुम्भ में युवाओं की बड़ी भागीदारी दिख रही है। उन्होंने कहा कि इस बार आप सबने देखा होगा कि कुम्भ में युवाओं की भागीदारी बहुत व्यापक रूप में नजर आती है। यह भी सच है कि जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ, गर्व के साथ जुड़ जाती है तो उसकी जड़ें और मजबूत होती हैं। तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है।